हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | बिलासपुर, गुरुवार 11 दिसंबर 2025

मारे गए नक्सली

- संभाग के बचे 12 बड़े लीडर व 150 छोटे नक्सलियों के लिए ऑपरेशन जारी
- 40 साल बाद नक्सलमुक्त हुआ है बस्तर व कोंडागांव जिला

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%)	= ₹96206/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	= ₹117500/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	= ₹128262/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand Jewels, Pandri, Raipur

*Conditions apply

बस्तर, कोंडागांव के बाद अब दंतेवाड़ा और कांकेर जिला होगा नक्सलवाद से मुक्त

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि फॉलोअप

बस्तर में आखिरकार सुरक्षा बलों की मेहनत रंग लाई है। लगभग 40 साल से नक्सलवाद का शिकार रहा बस्तर एवं कोंडागांव जिला नक्सलमुक्त घोषित कर दिया गया है, दंतेवाड़ा एवं कांकेर जिले के भी शीघ्र ही नक्सल मुक्त होने की संभावना है। बस्तर संभाग के बीजापुर, सुकमा एवं नारायणपुर जिले अभी भी नक्सल प्रभावित हैं। बीते वर्षों में सुरक्षा बलों, राज्य सरकार और स्थानीय जनता के संयुक्त प्रयासों से बस्तर में शांति की बहाली हुई है। वर्तमान में माओवादियों के बड़े लीडर 12 एवं छोटे 150 नक्सली अभी भी बचे हुए हैं, जिनके लिए नक्सल ऑपरेशन जारी है। कई मुठभेड़ में नक्सली संगठन के बड़े लीडर समेत कई ईनामी नक्सली मारे गए। इससे बस्तर संभाग में नक्सली संगठन कमजोर हुआ है। फोर्स के लगातार नक्सल ऑपरेशन और सर्चिंग अभियान चलाए जाने से बस्तर में उनकी कमर टूट गई है। बस्तर संभाग के सीमावर्ती राज्य महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना ▶▶|शेष पेज 8 पर

रंग लाई सुरक्षा बलों की मेहनत

क्रमांक	विवरण	वर्ष 2020	2021	2022	2023	2024	2025	योग
1	मुठभेड़	109	82	69	69	123	96	548
2	मारे गये नक्सलियों के शव बरामद	40	51	30	20	217	252	610
3	शहीद सुरक्षाकर्मी	36	46	10	25	19	23	159
4	आत्मसमर्पित नक्सली	342	551	415	398	792	1514	4012
5	गिरफ्तार नक्सली	438	494	291	428	929	866	3446
6	विस्फोट की घटनाएं	50	21	28	47	52	67	265
7	नक्सली हथियार जप्त	89	80	61	35	286	628	1179
8	आईईडीज़ जप्त	278	163	128	242	308	700	1819
9	नक्सलियों द्वारा मारे गये जनता	47	33	36	41	71	46	274

हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौट आएं

बस्तर रेंज के आइजी सुंदरराज पट्टीलिंगम ने कहा कि माओवादियों का शीर्ष नेतृत्व टूट चुका है। उन्होंने बारसे देवा, पापा राव सहित सभी कैडरों से अंतिम अपील करते हुए कहा कि अब भी समय है, हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौट आएं। देरी करने का कोई अर्थ नहीं। अब किसी को बख्शा नहीं जाएगा। जो नहीं लौटेंगे, उनका अंजाम बसवराजू और हिड़मा जैसा होगा।

2025 में मारे गए शीर्ष माओवादी

19 जनवरी को जयराम उर्फ चलपति (गरियाबंद), 31 मार्च को गुमडावेली रेणुका (बीजापुर), 21 अप्रैल को विवेक मांझी (झारखंड), 21 मई को बसवा राजू उर्फ नंबाला केशवा राव (अबूझमाड़), 5 जून को सुधाकर उर्फ थेंटू लक्ष्मी (बीजापुर), 18 जून को उदय उर्फ गजराला रवि (आंध्रप्रदेश), 11 सितंबर को मनोज उर्फ मोडेम बालकृष्ण (गरियाबंद), 14 सितंबर को सहदेव सोरेन (झारखंड), 22 सितंबर को गुडसा उसेंडी (नारायणपुर, अबूझमाड़), 22 सितंबर को कोसा उर्फ कादरी सत्यनारायण रेड्डी (नारायणपुर, अबूझमाड़), 18 नवंबर को माड़वी हिड़मा (मारेडुमिली, आंध्रप्रदेश) एवं 19 नवंबर को जोगा राव उर्फ टेक शंकर (मारेडुमिली, आंध्रप्रदेश) शामिल हैं।

चुनाव सुधार पर लोकसभा में घमासान, राहुल गांधी और अमित शाह में तीखी नोकझोंक

शाह का राहुल पर प्रहार : कांग्रेस की हार की वजह मतदाता सूची नहीं, आपका नेतृत्व

लोकसभा में चुनाव सुधार को लेकर बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चुनाव सुधार पर चर्चा का जवाब दिया। अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि चुनाव सुधार पर चर्चा से भाजपा के लोग भागते नहीं है। इस पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपनी सीट से खड़े हुए और शाह से कहा कि मैं एसआईआर पर अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर डिबेट के लिए आपको चैलेंज करता हूं। इस दौरान दोनों के बीच तीखी बहस भी हुई। शाह ने विपक्ष पर एसआईआर को लेकर झूठ फैलाने और पूरी दुनिया में भारतीय लोकतंत्र की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि चुनावों में कांग्रेस की हार की वजह ईवीएम एवं मतदाता सूची नहीं, बल्कि राहुल गांधी का नेतृत्व है।

शाह ने राहुल के तीन सवालो का दिया जवाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा में भाग लेते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यह भी कहा कि एक दिन कांग्रेस के कार्यकर्ता हार का हिसाब मांगेंगे। शाह ने कहा कि संविधान निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची बनाने का पूर्ण अधिकार देता है तथा एसआईआर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि विदेशी नागरिकों को भारत में मतदान करने का अधिकार नहीं दिया जा सकता।

शाह ने कहा, संविधान के अनुच्छेद 326 में मतदाता की पात्रता, योग्यता, और मतदाता होने की शर्तें तय की गई है। सबसे पहली शर्त है, मतदाता भारत का नागरिक होना चाहिए, विदेशी नहीं होना चाहिए। ये (विपक्ष) कह रहे हैं कि चुनाव आयोग एसआईआर क्यों कर रहा है? उसका (निर्वाचन आयोग) दायित्व है, इसलिए कर रहा है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग तटस्थता से चुनाव कराने वाली संस्था है। गृह मंत्री ने कहा कि अनर्गल आरोप लगाकर ▶▶|शेष पेज 8 पर

इंदिरा के समय महत्वपूर्ण पदों पर कम्युनिस्ट बैठे

शाह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि संगठन की विचारधारा देश के लिए मरने की है, वहीं उन्होंने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से सांठगांठ की वजह से देश में कम्युनिस्ट विचाराधारा को जगह मिली और सभी संस्थाओं पर वामपंथी लोग काबिज हुए। लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा का समापन करते हुए शाह ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण के हवाले से कहा कि सदन में सवाल उठाए ▶▶|शेष पेज 8 पर

1:30 घंटे का भाषण, विपक्ष के हर सवाल का जवाब

शाह ने 1:30 घंटे के भाषण में चुनाव सुधार, ईवीएम, मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, नेहरू, इंदिरा, पश्चिम बंगाल, बांग्लादेशियों की घुसपैठ और कांग्रेस की वोट चोरी का जिक्र किया। राहुल गांधी के लोकसभा में पूछे 3 सवालों का जवाब भी दिया। इस दौरान सदन में 7 से ज्यादा बार हंगामा हुआ। आखिर में कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

चुनाव आयुक्त पर बनाया पैनल

कांग्रेस पर हमलावर अमित शाह ने कहा कि विपक्ष चुनाव आयुक्त के चुनाव के लिए बने पैनल पर सवाल उठा रहा है। पर हमने तो चुनाव आयुक्त के चुनाव के लिए पैनल को बहुसदस्यीय बनाया। शाह ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने पुरानी परंपरा बनाई थी।

राहुल की चुनौती शाह का जवाब

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती दी कि वह 'वोट चोरी' से संबंधित उनके तीन संवाददाता सम्मेलनों पर चर्चा करा लें। सदन में चर्चा के दौरान शाह ने नेता प्रतिपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा, विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी ने 5 नवंबर 2025 को एक प्रेस वार्ता में एक 'परमाणु बम' फोड़ा। उस 'परमाणु बम' में उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में एक ही घर में 501 वोट हैं। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि मकान नंबर 265 कोई छोटा मकान नहीं है, बल्कि एक एकड़ के पुश्तैनी भूखंड पर बने कई परिवारों का संयुक्त आवास है। लेकिन हर परिवार को अलग-अलग घर नंबर नहीं दिए गए हैं, इसलिए उनका मकान नंबर 265 ही लिखा है।

कैबिनेट का फैसला, जनविश्वास द्वितीय और अनुपूरक बजट का अनुमोदन भी

आत्मसमर्पित नक्सलियों को मुकदमों से मुक्ति दिलाने बनेगी मंत्रियों की कमेटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में आत्मसमर्पित नक्सलियों के हक में बड़ा फैसला किया गया है। कैबिनेट ने तय किया है कि समर्पण करने वाले नक्सलियों पर चल रहे मुकदमे वापस लिए जाएंगे। इसके लिए आत्मसमर्पित नक्सलियों के विरुद्ध पंजीबद्ध आपराधिक प्रकरणों के निराकरण या वापसी संबंधी प्रक्रिया को अनुमोदित किया है।

मंत्रिपरिषद ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के विरुद्ध दर्ज प्रकरणों की समीक्षा एवं परीक्षण के लिए, जिन्हें न्यायालय से वापस लिया जाना है, मंत्रिपरिषद उप समिति के गठन को स्वीकृति दी है। यह समिति परीक्षण के बाद प्रकरणों को मंत्रिपरिषद के समक्ष प्रस्तुत करेगी। यह निर्णय छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण, पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 के प्रावधानों के अनुरूप है, जिसके अंतर्गत आत्मसमर्पित नक्सलियों के अच्छे आचरण तथा नक्सलवाद उन्मूलन ▶▶|शेष पेज 8 पर

समिति करेगी प्रकरण वापसी पर सिफारिश

आत्मसमर्पित नक्सलियों के प्रकरण वापसी की प्रक्रिया के लिए जिला स्तरीय समिति के गठन का प्रावधान किया गया है। यह समिति आत्मसमर्पित नक्सली के आपराधिक प्रकरणों की वापसी के लिए रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को प्रस्तुत करेगी। पुलिस मुख्यालय अभिमत सहित प्रस्ताव भेजेगा। शासन द्वारा विधि विभाग का अभिमत प्राप्त कर मामलों को मंत्रिपरिषद उप समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उपसमिति द्वारा अनुशंसित प्रकरणों को अंतिम अनुमोदन के लिए मंत्रिपरिषद के समक्ष रखा जाएगा। केंद्रीय अधिनियम अथवा केंद्र सरकार से संबंधित प्रकरणों के लिए भारत सरकार से आवश्यक अनुज्ञा प्राप्त की जाएगी। अन्य प्रकरणों को न्यायालय में लोक अभियोजन अधिकारी के माध्यम से वापसी की प्रक्रिया के लिए जिला दण्डाधिकारी को प्रेषित किया जाएगा।

देश का पहला जनविश्वास द्वितीय

छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां जन विश्वास विधेयक का द्वितीय संस्करण लाया जा रहा है। इस विधेयक में छोटे उल्लंघनों के लिए प्रशासकीय शास्ति का प्रावधान रखा गया है, जिससे मामलों का त्वरित निपटारा होगा, न्यायालयों का बोझ कम होगा और नागरिकों को तेजी से राहत मिल सकेगी। साथ ही, कई अधिनियमों में दंड राशि लंबे समय से अपरिवर्तित होने के कारण प्रभावी कार्यवाही बाधित होती थी, इस विधेयक से वह कमी भी दूर होगी। इन संशोधनों से सुशासन को बढ़ावा मिलेगा। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के विभिन्न कानूनों को समयानुकूल और नागरिकों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से 14 अधिनियमों में संशोधन के लिए छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) (द्वितीय) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। उल्लेखनीय है कि कई अधिनियमों में उल्लंघन पर जुर्माना या कारावास के प्रावधान होने से न्यायिक प्रक्रिया लंबी हो जाती है, जिससे आम नागरिक और व्यवसाय दोनों अनावश्यक रूप से प्रभावित होते हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने के लिए इन प्रावधानों का सरलीकरण आवश्यक है। इससे पहले, राज्य सरकार द्वारा ▶▶|शेष पेज 8 पर

54 करोड़ का दुपट्टा घोटाला

तिरुपति मंदिर में सिल्क की जगह पॉलिएस्टर के दुपट्टे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में एक और बड़ा घोटाला सामने आया है। 2015 से 2025 के बीच मंदिर प्रशासन को सप्लाई किए गए सिल्क दुपट्टों में भारी फर्जीवाड़ा पकड़ा गया है। सतर्कता विभाग की जांच में खुलासा हुआ कि 'सिल्क' के नाम पर पॉलिएस्टर दुपट्टे सप्लाई किए गए, जिनकी कीमत करोड़ों में वसूली गई। इस घोटाले की रकम लगभग 54 ▶▶|शेष पेज 8 पर

एसीबी को सौंपी गई जांच

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए टीटीडी चेयरमैन बी.आर. नायडू ने कहा हमें खरीद विभाग में कुछ अनियमितताएं मिली हैं। इस पर गंभीरता से संज्ञान लेकर हमने जांच एसीबी को सौंप दी है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल दुर्ग के वार्षिक उत्सव समारोह में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव, हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, सात्विक सिंधु और प्रबंधक एचएस बत्रा

डीपीएस दुर्ग के वार्षिकोत्सव में बोले साव इतना बड़ा बनिए कि देश में आपका नाम हो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दिल्ली पब्लिक स्कूल जुनवानी दुर्ग में बुधवार को वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव अनुगूंज 25 गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव रहे। अपने संबोधन में श्री साव ने कहा कि इतना बड़ा बनिए कि देश में आपका नाम हो। उत्सव का प्रमुख आकर्षण युग यात्रा रहा, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने मोहनजोदड़ो सभ्यता से लेकर समकालीन नृत्य तक की विभिन्न नृत्य शैलियों को अत्यंत प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत ▶▶|शेष पेज 8 पर

डिप्टी सीएम ने अपने स्कूल के दिनों को किया याद

उपमुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि जब मैं क्लास 3 में था तो बैठने के लिए टाटपट्टी नहीं थी, भवन कच्चा था। आज आपके अभिवावकों ने आपको डीपीएस जैसा कैम्पस दिया, जहां इतनी होनहार प्रिंसिपल हैं। छात्रों को चाहिए कि आप अपना 100 प्रतिशत देकर मेहनत से पढ़ाई करें। आप अपने हर एक मिनट का सदुपयोग करिये। मैं इतना कहूंगा कि ▶▶|शेष पेज 8 पर

नेतन्याहू-पीएम मोदी में साझेदारी पर चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अपने इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। नेतन्याहू ने मोदी को टेलीफोन किया और पश्चिम एशिया की स्थिति पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की, जिसमें गाजा शांति योजना का शीघ्र कार्यान्वयन भी शामिल है।

खबर संक्षेप

घर में आग लगने से दो बहनें जिंदा जलीं

जयपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में मंगलवार देर रात एक घर में आग लगने की घटना में दो बहनों की मौत हो गई। दोनों बहनों की मौत जलने से गई। उन्होंने बताया कि यह घटना मलारना डूंगर थाना क्षेत्र के पीपलवाड़ा नदी गांव में मंगलवार देर रात हुई।

तीन स्कूलों को मिली बम की धमकी फर्जी निकली

नई दिल्ली। दिल्ली के तीन निजी स्कूलों में बुधवार सुबह बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद तुरंत आपातकालीन कार्रवाई की गई, बाद में इसे बम की धमकी को 'फर्जी' घोषित कर दिया गया। लक्ष्मी नगर स्थित लवली पब्लिक स्कूल के नाम की पुष्टि की।

पढ़ने वाले बच्चों का पता नहीं, विभाग ने पदस्थ कर दिए दो शिक्षक

चार महीने से कारीमाटी के शिक्षक बैठकर गुजार रहे समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

अलग खबर

शासकीय विद्यालयों एवं शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण करने के बावजूद स्कूलों की स्थिति नहीं सुधरी है। अभी भी कई ऐसे शासकीय स्कूल हैं जहां बच्चों की संख्या नगण्य है लेकिन विभाग ने पढ़ाई की खानापूर्ति के लिए दो-दो शिक्षकों को पदस्थ कर दिया है। शासकीय विद्यालयों की शिक्षा गुणवत्ता सुधारने की दृष्टि से शासन द्वारा कम दर्ज संख्या वाले शासकीय स्कूलों को बंद करने के साथ ही आवश्यकता से अधिक शिक्षकों को अन्यत्र पदस्थ किया गया था। इस युक्तियुक्तकरण के बाद भी ऐसे कई स्कूल हैं जहां पढ़ने वाले बच्चे नहीं हैं इसके बावजूद विभाग ने खानापूर्ति के लिए शिक्षक पदस्थ कर दिए हैं। सूरजपुर जिलांतर्गत विकासखण्ड भैयाथान के ग्राम पंचायत परसिया के अलग-अलग वार्डों में एक मिडिल स्कूल एवं तीन प्रायमरी स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। ग्राम ▶▶|शेष पेज 8 पर

नहीं है अधिकार

युक्तियुक्तकरण के बाद ट्रांसफर कराया पोस्टिंग संबंधी निर्णय शासन स्तर पर लिए जा रहे हैं। विकासखण्ड स्तर पर शिक्षकों को हटाने का अधिकार नहीं है। इस संबंध में डीईओ कार्यालय को अवगत कराया गया है।

-फूलसाय मराबी, बीईओ, भैयाथान

गांव के ही प्रधानपाठक

ग्रामीणों ने बताया कि प्राथमिक शाला कारीमाटी के प्रधानपाठक लखनलाल यादव गांव के ही निवासी हैं तथा खेती गृहस्थी में व्यस्त होने के कारण शैक्षिक गतिविधियों में रूचि नहीं लेते। जनशिक्षक होने के कारण हाजिरी लगाने के बाद वे गायब हो जाते हैं। सहायक शिक्षक दिलबर सिंह ग्राम सावारावां के निवासी हैं तथा वे भी खानापूर्ति कर घर चले जाते हैं। स्कूल में कक्षा 5वीं में पढ़ने वाले बच्चों को न तो अक्षर का ज्ञान है न ही गिनती-पहाड़ा ही आता है। स्कूल की बदहाल शिक्षण व्यवस्था से अपने बच्चों का भविष्य बिगड़ता देख ▶▶|शेष पेज 8 पर

शिक्षक बदलने पर पढ़ेंगे बच्चे

ग्राम पंचायत परसिया के सरपंच शिवकुमार आग्रे ने बताया कि स्कूल में पदस्थ शिक्षकों की मनमानी से बच्चों का भविष्य खराब हो रहा था इसलिए ग्रामीणों ने आपसी सहमति से अपने बच्चों को हटाया। इसके पूर्व मैंने स्वयं बीईओ से दोनों शिक्षकों को अन्यत्र हटाने की मांग की ताकि शिक्षण व्यवस्था को सुधारा जा सके। बीईओ युक्तियुक्तकरण होने के बाद ऐसी कोई भी कार्रवाई शासन स्तर पर होने का हवाला देते रहे। स्कूल की व्यवस्था नहीं सुधरने पर बच्चों को हटाना पड़ा। चार महीने बाद पिछले एक सप्ताह से स्कूल में दो-चार बच्चे आते-जाते दिख रहे हैं। ग्राम पंचायत के अन्य शासकीय स्कूलों में भी बच्चों की संख्या सामान्य है जबकि प्राइवेट स्कूल में बच्चों की संख्या लगातार बढ़ रही है। स्कूल के शिक्षकों को हटा दिया जाए तो गांव के बच्चों का नामांकन फिर से करा दिया जाएगा।

बस्तर और सरगुजा संभाग के 10 जिलों के 23 मार्गों पर 24 नई बस, जुड़े 180 गांव

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का दूसरा चरण बस्तर सरगुजा क्षेत्र के लोगों के लिए मददगार साबित होने वाला है। दूसरे चरण में बस्तर और सरगुजा संभाग के 10 जिलों के 23 मार्गों पर 24 नई बसों का संचालन प्रारंभ हुआ है, जिससे 180 गांव सीधे बस सुविधा से जुड़ गए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से योजना के दूसरे चरण का औपचारिक शुभारंभ किया तथा वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में शामिल अनेक ग्रामीण उसी बस में सवार होकर पहुंचे, जिसे योजना के प्रथम चरण में प्रारंभ किया गया था। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से आत्मीय चर्चा करते हुए बताया कि अब दूरस्थ इलाकों से ब्लॉक मुख्यालयों तक पहुंचना पहले की तुलना में काफी सहज और सुगम हो गया है। सुकमा–दोरनापाल–कोंटा मार्ग से पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि वे लगभग 110 किलोमीटर की यात्रा बस से कर कार्यक्रम तक पहुंचे, जबकि पूर्व में यह यात्रा बेहद कठिन और समयसाध्य थी।

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि जिन दुर्गम और वनांचल क्षेत्रों तक कभी यातायात की सुविधा नहीं पहुंची थी, वहां भी अब बस सेवाएं प्रारंभ हो रही हैं। यह योजना विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा के जनजातीय बहुल इलाकों के लिए एक वरदान के रूप में उभर रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के प्रथम चरण की शुरुआत 4 अक्टूबर 2025 को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा की गई थी, जिसके अंतर्गत 250 गांवों को बस सेवाओं से जोड़ा गया था।

बाल अधिकार संरक्षण विषय में डिप्लोमा कर सकेंगे पीजी छात्र, पढ़ाए जाएंगे बच्चों के अधिकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छग राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने प्रदेश के 6 विश्वविद्यालयों के साथ किया एमओयू

प्रदेश के 6 विश्वविद्यालयों में रक्षक पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। अब तक प्रदेश के किसी भी विश्वविद्यालय में अब तक ऐसा पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं था, जो युवाओं को बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित करते हुए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। इस आवश्यकता को देखते हुए आयोग द्वारा बाल अधिकार संरक्षण पर एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम से युवाओं को सैद्धांतिक एवं विधिक ज्ञान, विभागीय योजनाओं, संस्थाओं और प्रायोगिक प्रक्रियाओं की गहरी समझ, बाल संरक्षण इकाइयों आदि के संबंध में जानकारी उपलब्ध होगी।

यह एक वर्षीय स्नातकोत्तर पीजी डिप्लोमा इन चाइल्ड राइट्स एंड प्रोटेक्शन कोर्स पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, आंजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर, एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर और श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई-दुर्ग में संचालित किया जाएगा।

मिलेंगे रोजगार के अवसर

सीएम साय की उपस्थिति में मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं प्रदेश के छह विश्वविद्यालयों के मध्य इस पाठ्यक्रम के लिए एमओयू किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, रक्षक पाठ्यक्रम छात्रों के सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पाठ्यक्रम युवाओं को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करेगा, बल्कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता भी विकसित करेगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा, बाल अधिकार एवं संरक्षण पर आधारित यह अनूठा पाठ्यक्रम देश में अपनी तरह का पहला शैक्षणिक नवाचार है।

खबर संक्षेप

अनुशासनहीनता पर दो प्रधान अध्यापक निलंबित

जगदलपुर। जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल ने कर्तव्य में लापरवाही एवं अनुशासनहीनता बरतने के कारण जगदलपुर और दरभा ब्लॉक के दो प्रधान अध्यापकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिसके तहत जगदलपुर विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला-डुरकीगुड़ा के प्रधान अध्यापक कामेश राणा 27 नवम्बर को किए गए निरीक्षण के दौरान कर्तव्य से अनुपस्थित पाए गए। साथ ही बच्चों द्वारा सामूहिक रूप से अभद्र व्यवहार करने सम्बन्धी शिकायत को गंभीर कदाचार मानते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दरभा विकासखंड के प्राथमिक शाला माँझीपारा केलाऊर के प्रधान अध्यापक सोनधर नाग को 20 जनवरी से लगातार लंबे समय तक कर्तव्य से अनुपस्थित रहने के कारण बीईओ द्वारा स्पष्टीकरण जारी कर जवाब माँगा गया था, लेकिन संबंधित प्रधान अध्यापक ने जवाब देना उचित नहीं समझा।

विमानतल प्रबंधन का दावा- बुधवार को 28 फ्लाइट का संचालन

आठ दिनों में 111 बार फ्लाइटों का मूवमेंट बिगड़ा 27 फीसदी यात्री कम हुए, फिलहाल हालात सामान्य

विमानों के रद्द होने की वजह से पिछले सप्ताह स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर यात्रियो की संख्या 27 फीसदी तक कम हो गई। बुधवार को दिल्ली, मुंबई और कोलकाता की एक-एक फ्लाइट का संचालन नहीं हुआ। काफी समय बाद विमानतल प्रबंधन ने इस मामले में चुप्पी तोड़ते हुए 28 फ्लाइट के संचालन के साथ व्यवस्था सामान्य होने का दावा किया। प्रभावित आठ दिनों में रायपुर एयरपोर्ट में 111 बार विमानों का मूवमेंट नहीं होने से यात्री हलाकान रहे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के डायरेक्टर केके लहरे ने दावा किया है कि रायपुर से विमानों का संचालन समान्य हो गया है। जिन फ्लाइट को पूर्व नियोजित तरीके से रद्द किया जा रहा है, उनके यात्रियों को इसकी सूचना देने के साथ कंपनी द्वारा पूर्ण रिफंड किया जा रहा है। आठ दिनों तक यात्रियों के परेशान रहने के बाद अब जाकर प्रबंधन द्वारा वहां अतिरिक्त हेल्प काउंटर बनाया गया है और मूलभूत सुविधाओं के साथ यात्रियों की सहाता के लिए टीम गठित की गई है। बुधवार को रायपुर से 28 बार विमानों के मूवमेंट का दावा किया गया, मगर कोलकाता की सुबह 7.55, मुंबई की शाम 5.35 तथा दिल्ली की 5.55 वाली फ्लाइट का संचालन नहीं हुआ।

छह उड़ान एयर इंडिया कीः स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट और देश के विभिन्न शहरों के बीच प्रतिदिन औसतन 60 बार विमानों का आना जाना होता है। इसमें एयर इंडिया की दिल्ली फ्लाइट तीन बार आती और तीन बार जाती है। शेष 54 ऑपरेशन इंडिगो के एयरक्राफ्ट का होता है। यानी रायपुर से सर्वाधिक फ्लाइट इंडिगो की संचालित होती है। दिल्ली को छोड़कर तीनों महानगरों सहित 14 शहरों से रायपुर की एयर कनेक्टिविटी इसी एयरलाइंस के माध्यम से होती है।

बुधवार को विमानों के कैंसिल होने के आठ दिन बीत गए। इस अवधि में रायपुर आने और जाने वाली फ्लाइट का संचालन 111 बार नहीं हुआ। इससे यात्रियों की संख्या भी पिछले सप्ताह की तुलना में 27 फीसदी यानी लगभग 17 हजार कम रही है। ठंड के इस मौसम में यात्रियों की आवाजाही बढ़ गई थी। अचानक आए बदलाव से व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई थी। छुट्टियों के दौर में यात्रियों के पूरी तरह फ्लाइट में लौटने की संभावना बहुत कम है।

यात्रियों से मिलने पहुंचे अफसर

विमानों के कैंसिल होने की वजह से हलाकान यात्रियों से व्यवस्था सामान्य होने के बाद अफसर मिलने पहुंचे। एयरपोर्ट डायरेक्टर, डिप्टी कमांडेंट सीआईएसएफ, इंडिगो के अफसर टर्मिनल के भीतर यात्रियों से मिलकर उनकी प्रतिक्रिया लेने के साथ आवश्यकता के अनुसार उनकी मदद करते रहे। इस दौरान यात्रियों को उनकी ओर से पानी बोतल एवं बच्चों को चाकलेट वितरित किया गया। व्यवस्था बाधित होने के दौरान जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में कुछ भी बोलने से बचते रहे।

सुकमा जिले में था पदस्थ

हार्टअटैक से सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

सुकमा जिले में 218 बटालियन में पदस्थ हेड कांस्टेबल की बीती रात को अचानक से हार्ट अटैक आ गया। उन्हें बेहतर उपचार के लिए पास के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी आला अधिकारियों को दी गई, जहां शव का पीएम के बाद एम्बोमिंग करने के लिए एम्बुलेंस के माध्यम से मेकाज लाया गया। एम्बोमिंग के बाद शव अधिकारियों को सौंप दिया गया, उसके बाद मृतक के शव को गृहग्राम के लिए रवाना कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि माजर झज्जर हरियाणा निवासी 45 वर्षीय जयवीर सिंह सुकमा जिले के 218 बटालियन में हेड कांस्टेबल के पद पर पदस्थ थे। मंगलवार की रात को अपने दोस्तों के साथ खाना खाने के बाद सोने के लिए चले गए। देर रात को जोर से आवाज लगाने के बाद पलंग से नीचे गिर पड़े, साथ सो रहे साथियों ने आवाज सुन जयवीर के पास पहुंचे। उसे तत्काल उठाकर अपने साथ पास के अस्पताल ले गए, जहां उपचार से पहले ही उनकी मौत हो गई।

200 पन्नों के पूरक चालान में सामने आ रहे तथ्य, ईओडब्लू ने जांच में कई खुलासे किए

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

मिलिंग घोटाले की अहम कड़ी चावड़ा, पैसे छोड़ने के पूर्व फेसटाइम में संपर्क, चरौदा में बदलता था गाड़ी

कस्टम मिलिंग घोटाले में शामिल दिपेन चावड़ा पैसे लेकर उसे पहुंचाने का काम करता था। ईओडब्ल्यू की जांच में खुलासा हुआ है कि दिपेन राजधानी रायपुर में एक बैग में पैसा कलेक्ट करता था और फिर लक्ष्मीनारायण उर्फ पप्पू बंसल के बताए पते पर जाकर उसे पहुंचाता था। प्रति बैग एवं काटून में एक करोड़ रुपए होते थे। इस तरह वह कभी 6 से 7 बैग-काटून तो कभी 10-10 काटून-बैग कलेक्ट कर उसे पहुंचाता था। ईओडब्ल्यू ने अपनी जांच में यह भी खुलासा किया है कि दिपेन को इस काम के लिए शराब घोटाले के आरोपी अनवर ढेबर ने आईफोन दे रखा था। इस फोन के माध्यम से ही दिपेन को पैसा कहां से कलेक्ट करना है और कहां पहुंचाना है, इसकी जानकारी दी जाती थी।

उल्लेखनीय है कि ईओडब्ल्यू ने 9 दिसंबर को प्रदेश में हुए दो हजार करोड़ रुपए के कस्टम मिलिंग घोटाले में कारोबारी अनवर ढेबर के सबसे करीबी और मैनेजर दिपेन चावड़ा के विरुद्ध 200 पन्नों की चार्जशीट पेश की है। इस चार्जशीट में दावा किया गया है कि दिपेन कस्टम मिलिंग की अवैध वसूली का काम करता था। दिपेन कस्टम मिलिंग की अवैध वसूली के साथ शराब घोटाला के पैसों को इकट्ठा करने और पहुंचाने का काम करता था।

कोर्ट में पेश चालान में बताया गया है कि ईओडब्ल्यू की जांच में दिपेन ने स्वीकार किया है कि उसे कस्टम मिलिंग की अवैध वसूली के पैसों को काटून-बैग में भरकर दिया जाता था। पैसों से भरे काटून-बैग को कहां से कलेक्ट करना है और कहां पहुंचाना हैए इसकी जानकरी पप्पू बंसल उसे फोन पर देता था। दिपेन पैसे कलेक्ट करने के बाद रायपुर में कई इलाकों से लेकर भिलाई दुर्ग तक पहुंचाने गया है।

ईओडब्ल्यूडी ने अपनी जार्चशीट में यह भी खुलासा किया है कि दिपेन ने नेहरू नगर चौक ब्रिज भिलाई और न्यू खुर्सीपार स्थित मंगल भवन के पास कई बार 10-10 करोड़ रुपए पहुंचाए हैं। सभी पैसे काटून-बैग में भरे हुए थे। इसी प्रकार दिपेन ने राजधानी रायपुर में भी आधा दर्जन से अधिक इलाकों में पैसे पहुंचाए हैं। इनमें 5 से 6 बार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रोड पर 10-10 करोड़ रुपए कई बार पहुंचाए हैं। इसके अलावा 2-3 बार सुयश हॉस्पिटल कोटा रोड के पास भी 10-10 काटून-बैग पैसा छोड़ा है। ईओडब्ल्यू ने जांच में यह भी खुलासा किया है कि दिपेन पैसे छोड़ने से पूर्व पप्पू बंसल से फेसटाइम में संपर्क करता था। संपर्क करने के बाद विकास उर्फ सुब्बू अग्रवाल का आदमी सोहन वर्मा एक गाड़ी में पैसे लेकर आता था और फिर वह चरौदा तक सोहन वर्मा की गाड़ी के पीछे जाता था। चरौदा पहुंचने के बाद वह मोहन के साथ गाड़ी बदल लेता था। इसके बाद आगे का सफर वह अकेले करता और गंतव्य स्थान पर पैसे पहुंचाता था। इस तरह पैसे पहुंचाने के दौरान सावधानी भी बरती जाती थी।

20 करोड़ रुपए यहां भी पहुंचाया

दिपेन ने कस्टम मिलिंग की अवैध कमाई के लगभग 20 करोड़ रुपए इंडियन चिली स्क्वेयर गली शंकर नगर एवं वेलिंगटन कोर्ट पार्किंग के पास भी पहुंचाए हैं इसके अलावा 9 से 10 बार उसने शंकरनगर स्थित राजीव भवन में भी पप्पू बंसल को ले जाकर पैसे दिए हैं।

पूर्व खेल मंत्री राजवाड़े को देखने इट्सा अस्पताल पहुंचे विस अध्यक्ष और सीएम

रायपुर। राजधानी स्थित इट्सा हॉस्पिटल्स मंगलवार को उस समय राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बन गया, जब यहां भर्ती पूर्व खेल मंत्री भैयालाल राजवाड़े का हालचाल जानने के लिए छत्तीसगढ़ के कई शीर्ष नेता पहुंचे। नेताओं ने न केवल उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली, बल्कि अस्पताल की अत्याधुनिक सुविधाओं, स्वच्छता, प्रबंधन तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भी भूरि-भूरि प्रशंसा की। सबसे पहले छग विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह अस्पताल पहुंचे। उन्होंने श्री राजवाड़े से मुलाकात कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। अस्पताल के विभिन्न विभागों का अवलोकन करते हुए उन्होंने कहा, उन्नत मशीनरी, प्रशिक्षित विशेषज्ञों की टीम और मरीज-केन्द्रित सेवाओं को "रायपुर के श्रेष्ठतम स्तर" का बताया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वरिष्ठ नेता प्रेम प्रकाश पांडेय ने संयुक्त रूप से इट्सा हॉस्पिटल्स का निरीक्षण किया। इसी दौरान मुख्यमंत्री ने मल्टिस्पेशियलिटी विंग, एडवांस्ड फिजियोथैरैपी एवं रिहैबिलिटेशन सेंटर, क्रिटिकल केयर यूनिट और डायग्नोस्टिक सुविधाओं का विस्तृत निरीक्षण किया।

सीएम के वीडियो से छेड़छाड़ भाजपा ने की एफआईआर दर्ज करने की मांग

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संबोधन के वीडियो में छेड़छाड़ एवं एडिट कर उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने जिलाध्यक्ष रायपुर शहर रमेश सिंह ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा का प्रतिनिधिमंडल एसपी कार्यालय पहुंचा।

शहर अध्यक्ष के नेतृत्व में एसपी से मिला प्रतिनिधिमंडल

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को बताया कि मुख्यमंत्री 2 दिसम्बर को जिलास्तरीय वार्षिक सामाजिक सम्मेलन एवं सामाजिक भवन लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मिलित होने बोईरदादर रायगढ़ गए थे। मुख्यमंत्री ने यहां जनता एवं किसानों को संबोधित करते हुए कहा था कि आने वाले समय में यदि आदिवासी समाज के बेटा बेटी अपना कोई उद्योग धंधा शुरू करते हैं, तो उन्हें एक रुपए एकड़ में जमीन मुहैया कराई जाएगी, लेकिन रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र की निवासी मनीषा गोंड़ द्वारा अपने फेसबुक आईडी के जरिये मुख्यमंत्री की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से अपने गलत तथ्यों को जोड़कर तथा भाषण को तोड़-मरोड़कर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर वायरल किया गया है, जिससे आम जनता में गलत संदेश जा रहा है। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि इसी प्रकार भूपेश है, तो भरोसा है नाम के फेसबुक पेज से भी उक्त वीडियो को छेड़छाड़ कर, एडिट कर वायरल किया गया है। भाजपा ने उक्त दोनों आरोपियों के विरुद्ध तथा इस साजिश में शामिल अन्य आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों के विरुध्द ठोस कार्रवाई करने की मांग की है।

बिलासपुर

गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

पौष कृष्ण पक्ष सप्तमी

वर्ष : 25, अंक : 258

पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम

अधि. 27.7

न्यून. 9.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

haribhoomi.com

समाचार ही नहीं, विचार भी

9 लिवरपूल की आत्मविश्वासी जीत, इंटर मिलान ...

विचार पेज

2 वंदे मातरम् से जन्मा तुष्टिकरण...

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

तिरुपति के टीटीडी को एक करोड़ रुपए दान

तिरुपति। तमिलनाडु की एक श्रद्धालु ने तिरुमला तिरुपति

देवस्थानम् (टीटीडी) के 'श्री वेंकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट' को एक करोड़ रुपए का दान दिया है। यह ट्रस्ट जीवनघातक बीमारियों से पीड़ित गरीब मरीजों को मुफ्त उपचार प्रदान करता है।

खड़ी कार को मारी टक्कर पांच की मौत, चार घायल

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के हैदरगढ़ पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर स्थित ग्राम डीह के निकट हुए भीषण सड़क हादसे में एक महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई। चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के समय दोनों कारों में कुल नौ लोग सवार थे। दुर्घटना में मरने वालों की पहचान गुलिस्ता (49), समरीन (22), इलमा खान (12), इश्मा खान (6) और जियान (10) के तौर पर हुई है।

ट्रेन में 5.53 करोड़ के सोने के आभूषण चोरी

मुंबई। महाराष्ट्र के सोलापुर से ट्रेन से मुंबई जाते समय एक सोना कारोबारी के 5.53 करोड़ रुपए के

आभूषण चोरी हो गए। यह घटना छह-सात दिसंबर की रात हुई जब कारोबारी सिद्धेश्वर एक्सप्रेस ट्रेन में सोलापुर से मुंबई जा रहा था। कारोबारी ने दो ट्रॉली बैग एक चेन से बांधकर अपनी सीट के नीचे रख दिए जिनमें 4,456 ग्राम सोने के आभूषण रखे हुए थे।

आयुर्वेदिक इलाज के नाम पर 48 लाख की ठगी

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु शहर के एक निवासी को उच्च गुणवत्ता वाली आयुर्वेदिक दवाएं उपलब्ध कराने के बहाने उससे 48 लाख रुपए ठगने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान विजय प्रधान चित्तौड़िया (42) और मनोज सिंह (29) के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों के पास से 17 तरह की आयुर्वेदिक दवाएं, टेंपो ट्रैवलर और 19.50 लाख रुपये नकदी जब्त की गई है।

केंद्र से इंडिगो संकट पर पूछे कई सवाल, नौवें दिन 220 से ज्यादा उड़ानें रद्द

हाईकोर्ट ने पूछा- हवाई किराया 39000 रुपए तक कैसे पहुंच गया, कौन जिम्मेदार?

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

इंडिगो ने बुधवार को दिल्ली और मुंबई सहित तीन प्रमुख हवाई अड्डों पर लगभग 220 उड़ानें रद्द कर दीं। इधर, इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र से सवाल किया कि अराजकता के बीच एयरलाइनों को किराया बढ़ाने की अनुमति क्यों दी गई, न्यायमूर्ति गेडेला ने पूछा, अगर कोई संकट था, तो अन्य एयरलाइनों को फायदा उठाने की अनुमति कैसे दी जा सकती है? यह 35,000 से 39,000 तक कैसे जा सकता है? अन्य एयरलाइंस कैसे चार्ज करना शुरू कर सकती हैं? यह कैसे हो सकता है?

हाईकोर्ट ने कहा कि स्थिति को संभालने में उनके प्रयासों की सराहना करते हुए सरकार को यह बताना चाहिए कि संकट कैसे शुरू हुआ। व्यापक आर्थिक प्रभाव पर जोर देते हुए न्यायमूर्ति गेडेला ने टिप्पणी की, कौन जिम्मेदार है? यह हवाई अड्डों पर फंसे हुए व्यक्तिगत यात्रियों का सवाल नहीं है। सवाल अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का है।

हाईकोर्ट ने पूछा, हमने कहा है कि हम आपके प्रयासों की सराहना करते हैं। सवाल यह है कि ऐसी स्थिति क्यों आई? कौन जिम्मेदार है? यह व्यक्तिगत यात्रियों के हवाई अड्डों पर फंसे होने का सवाल नहीं है। सवाल अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का है। यह यात्रियों के लिए उत्पीड़न और परेशानी है। यात्रियों को मुआवजा देने के लिए क्या कदम उठाए गए? सेवा प्रदाताओं के कर्मचारियों को जिम्मेदारी से ⏭शेष पेज 8 पर

हरिभूमि फॉलोअप

जनहित में लिया संज्ञान

हाईकोर्ट की पीठ ने कहा, हमने यह मामला जनहित के तहत संज्ञान में लिया है, लेकिन यह स्पष्ट कर देते हैं कि हमारी टिप्पणियों का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सरकार और विमानन कंपनी जनहित को सर्वोपरि रखें। कोर्ट ने यह निर्देश भी दिया कि स्थिति जल्द सामान्य की जाए और सभी विमानन कंपनियां पर्याप्त संख्या में पायलटों की नियुक्ति सुनिश्चित करें।

डीजीसीए ने बनाया निगरानी दल

राहुल भाटिया के नियंत्रण वाली एयरलाइन इंडिगो पर निगरानी कड़ी करते हुए विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने चालक दल की कमी के कारण बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने के बाद आठ सदस्यीय निगरानी दल का गठन किया है। डीजीसीए द्वारा बुधवार को जारी आदेश के अनुसार, इस दल में एक उपमुख्य उड़ान संचालन निरीक्षक, वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक और दो अन्य उड़ान संचालन निरीक्षक शामिल होंगे।

तीन महानगरों में उड़ानें रद्द

इंडिगो ने बुधवार को दिल्ली और मुंबई सहित तीन प्रमुख हवाई अड्डों पर लगभग 220 उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स ने दावा किया था कि एयरलाइन का परिचालन फिर से पटरी पर आ गया है। संकटग्रस्त एयरलाइन ने दिल्ली हवाई अड्डे पर 137 उड़ानें और मुंबई हवाई अड्डे पर 21 उड़ाने रद्द कर दीं। इंडिगो ने बेंगलुरु हवाई अड्डे पर 61 उड़ानें रद्द कर दीं, जिनमें 35 आगमन और 26 प्रस्थान उड़ानें शामिल हैं।

संसद में गूंजा इंडिगो संकट

माकपा सदस्य ए ए रहीम ने राज्यसभा में हालिया इंडिगो संकट के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह हालात अंधाधुंध निजीकरण और नियमन में ढील का नतीजा हैं, जिनकी वजह से देश का विमानन क्षेत्र 'डुओपोली (ऐसी स्थिति जब बाजार में दो ही कंपनियों का दबदबा रहता है) में बदल गया है। शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए रहीम ने सरकार से अनुरोध किया कि 'उड़ान ड्यूटी समय सीमा' नियमों को शिथिल न किया जाए।

खुद बताई अपनी तकलीफ

सिंधिया भी फंसे, एयरपोर्ट पर किया डेढ़ घंटे इंतजार

ग्वालियर। इंडिगो संकट के कारण आम लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इंडिगो फ्लाइट के कैंसिल का असर अब केंद्रीय मंत्री के दौरे पर भी दिखा है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को ग्वालियर पहुंचे लेकिन देशभर में जारी इंडिगो फ्लाइट संकट का असर उनकी यात्रा पर भी साफ दिखाई दिया। दिल्ली से ग्वालियर आने वाली उनकी फ्लाइट देरी से पहुंची। ग्वालियर एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर लगभग डेढ़ घंटे तक इंतजार करना पड़ा।

पीएम मोदी के विजन की तारीफ

सिंधिया ने बताया कि वे ग्वालियर प्रवास के दौरान निर्धारित सभी कार्यक्रमों में शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वंदे मातरम् पर की गई प्रस्तुति की जोरदार प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत व्यक्तित्व ने देश के नागरिकों को नई ऊर्जा और प्रेरणा दी है। सिंधिया ने कहा कि भारत अब अमृत काल से शताब्दी काल की यात्रा की ओर अग्रसर है और यह आने वाला समय भारत का स्वर्णिम काल होगा।

16 साल पहले हुआ था चरित्र पर संदेह, 75 साल के बुजुर्ग ने 74 साल की पत्नी को मार डाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजपुर

- चल रहा था चरित्र शंका को लेकर विवाद, टांगी से वार कर की हत्या

सोलह साल पहले शुरू हुए एक विवाद और चरित्र शंका को लेकर बुजुर्ग ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने विवाद के दौरान पत्नी के सिर पर टांगी से वार किया जिससे

उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी ने अपनी बेटी को फोन कर हत्या की जानकारी दी। अब इस मामले में पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर ⏭शेष पेज 8 पर

यहां से विवाद

अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि खनिज विभाग में सर्वेयर के पद पर कार्य करते हुए 19 दिसम्बर 2009 को वह विभाग में कार्यरत एक मार्शल चालक के साथ ग्राम ठरकी आया था। इसी दौरान पत्नी से करीबी का शक हुआ और विवाद करने लगा, तब से दोनों के बीच विवाद चल रहा था और इसी चरित्र शंका को लेकर विवाद के कारण उसने गुस्से में आकर बुजुर्ग पत्नी की टांगी ⏭शेष पेज 8 पर

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने पं. कीर्ति नारायण द्विवेदी को दी श्रद्धांजलि

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बुधवार शाम को हरिभूमि व आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के घर पहुंचे और उनके पिता पं. कीर्ति नारायण द्विवेदी के निधन पर शोक संवेदनाएं जताईं और परिजनों को ढांढस बंधाया।

पीएम मोदी बोले-भारत और दुनिया के लोग रोमांचित

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में दीपावली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

गुड न्यूज

भारत के प्रमुख उत्सव दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया। दिल्ली में लाल किले पर आयोजित यूनेस्को की एक अहम बैठक में यह फैसला लिया गया। यह पहली बार है कि भारत अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के सत्र की मेजबानी कर ⏭शेष पेज 8 पर

कुंभ से दिवाली तक 15 परंपराएं

दुनिया भर में दीपावली का प्रभाव

यूनेस्को की सूची में दीपावली का स्थान भारत के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के उन देशों के लिए गर्व का कारण है, जो इस त्योहार को मनाते हैं।

भारत की 15 सांस्कृतिक परंपराएं वर्तमान में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल हैं, जिनमें कुंभ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा नृत्य, योग, वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा और रामलीला - महाकाव्य 'रामायण' का पारंपरिक प्रदर्शन शामिल हैं। प्रकाश का उत्सव दीपावली भारत के उन चिरस्थायी त्योहारों में से एक है जो अब दुनिया के कई अन्य हिस्सों में भी मनाया जाता है।

भारत का स्वागत और नई जिम्मेदारी

दीपावली को इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल करने के निर्णय पर भारत ने खुशी और गर्व का इजहार किया है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि यह एक अहम कदम है, जो न केवल भारतीय संस्कृति को वैश्विक मंच पर सम्मानित करता है, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी देता है। शेखावत ने कहा कि यह उत्सव भारतीयों के लिए भावनात्मक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है और यह पीढ़ियों से चलता आ रहा है।

चिंतन

दीपावली को मिला ग्लोबल सम्मान

भारत के प्रमुख त्योहार दीपावली को यूनेस्को द्वारा अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया जाना देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस फैसले से दीपावली को ग्लोबल सम्मान मिला है। यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने से दीपावली को विश्वभर में संरक्षण मिलेगा। इससे भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को और मजबूती मिलेगी, साथ ही यह युवा पीढ़ी के बीच पारंपरिक उत्सवों की महत्ता समझने में भी मदद करेगा। इस दिन घर-घर दीप जलाकर, रंगोली सजाकर और खुशियां मनाकर यह उत्सव पूरे देश में बड़े हर्ष उल्लास से मनाया जाता है। यह पहली बार है जब भारत इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज (आईसीएच) के संरक्षण के लिए इंटर गवर्नमेंटल कमेटी के सत्र की मेजबानी कर रहा है। इस समिति का 20वां सत्र लाल किले में 8 से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। यूनेस्को द्वारा दीपावली उत्सव को प्रतिष्ठित लिस्ट में शामिल किए जाने की घोषणा के बाद 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारे हवा में गूंज उठे। अब भारत की 16 चीजें यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल हो गई हैं। इनमें वेद पठन, कुटियट्टम, रामलीला, राम्मन, मुदियेडू, कालबेलिया लोक गीत और नृत्य, छाऊ नृत्य, लद्दाख में बौद्ध पाठ, मणिपुर का संकीर्तन, जंडियाला गुरु के ठठेरा बर्तन निर्माण, योग, नवरोज, कुंभ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा और अब दीपावली शामिल हैं। दीपावली भारत के उन चिरस्थायी त्योहारों में से एक है जो अब दुनिया के कई अन्य हिस्सों में भी मनाया जाता है। यूनेस्को ने संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन की इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज यानी अमूर्त विश्व धरोहर की सूची में दीपावली के अलावा घाना, जॉर्जिया, कांगो, इथियोपिया और मिस्र सहित कई देशों के सांस्कृतिक प्रतीक भी शामिल किए हैं। यूनेस्को के इस ऐलान के बाद भारत सरकार ने कहा कि दीपावली को इस सूची में शामिल करके यूनेस्को ने नवीकरण, शांति और अच्छाई की जीत के लिए शाश्वत मानवीय अभिलाषा का सम्मान किया है। दीपावली हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह फैसला न सिर्फ भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मान्यता देता है, बल्कि हमारी परंपराओं को संरक्षित करने की जिम्मेदारी भी बढ़ाता है। इसी मौके को देखते हुए केंद्र सरकार ने 10 दिसंबर को विशेष दीपावली समारोह रखने का फैसला किया है, ताकि दुनिया के सामने भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत तरह से पेश किया जा सके। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही एक जीवंत परंपरा है। यह अंधकार पर प्रकाश, अज्ञानता पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। हिंदू, जैन, सिख और बौद्ध समुदायों के लिए इसका अलग-अलग धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। दीपक, पटाखे, मिठाइयां और घर की सफाई जैसी प्रथाएं इस त्योहार को एक सामाजिक समारोह बनाती हैं, जो परिवारों और समुदायों को जोड़ती हैं। इसके यूनेस्को की सूची में शामिल होने से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि संस्कृति का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा। यह हमारे युवाओं को अपनी जड़ों से जुड़ने और परंपराओं को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देगा। यह हमारे लिए एक गर्व का क्षण है, लेकिन यह हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ाता है। हमें इस त्योहार की मूल भावना प्रकाश, ज्ञान और एकता को बनाए रखना होगा।

राष्ट्रीय गीत

प्रमोद भार्गव

वंदे मातरम् से जन्मा तुष्टिकरण विभाजन

मुस्लिम तुष्टिकरण की बुनियाद पर भारत को जितनी हानि उठानी पड़ी है, दुनिया के अन्य किसी देश ने नहीं उठाई। इसकी शुरुआत अंग्रेजों ने बंगाल विभाजन से की। इसी कड़ी में वंदे मातरम् गीत के टुकड़े किए गए और फिर देश का भी बंटवारा जिन्ना की अलग मुस्लिम राष्ट्र बनाने की जिद के चलते हो गया। जबकि संपूर्ण वंदे मातरम् गीत भारत की शाश्वत संकल्पना है। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में हुई चर्चा के दौरान गीत के विभाजन के लिए पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सीधे जिम्मेवार ठहराया। कहा, 'नेहरू ने जिन्ना की सांप्रदायिक चिंताएं दोहराकर वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात किया, गीत के टुकड़े करवाए।

इससे देश तुष्टिकरण की राजनीति की राह पर चल पड़ा, जो विभाजन पर जाकर थमा।' इसी तुष्टि के चलते 1875 में रचित इस गीत के केवल दो पद राष्ट्रीय गीत के रूप अपनाए गए। मोदी के इस कथन ने इतिहास के इस काले पन्ने पर जमा धूल को हटाने का काम नए सिरे से कर दिया है। जबकि आजादी की लड़ाई में वंदे मातरम् की भावना ने पूरे राष्ट्र का जागरण किया था, लेकिन दुर्भाग्य से 1937 में इस गीत के महत्वपूर्ण पदों को उसकी आत्मा के एक हिस्से को अलग कर दिया गया था। जिस भाव से वंदे मातरम् के टुकड़े किए गए थे, कालांतर में उसी भाव ने विभाजन के बीज बो दिए थे। जबकि यह ठोस और निर्विवाद सच्चाई है कि देश को आजादी दिलाने में इस गीत की अहम् भूमिका रही है। बंकिमचंद्र चटर्जी के बांग्ला भाषा में लिखे गए उपन्यास 'आनंद मठ' में यह गीत दर्ज है। राष्ट्रगान के रूप में स्वीकारा गया यह गीत कोई मामूली गीत नहीं है।

भारत को उसकी व्यापक राष्ट्रीयता की पहचान और स्वाभिमान इसी गीत से प्राप्त हुए। नागरिक सभ्यता की विरासत, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानव सेवा के मूल्यों के उत्स इसी गीत के समवेत स्वर की उपज हैं। अंग्रेजों के विरुद्ध भिन्न जातीय और धर्म-समुदायों को संगठित करने के अभियान में इसी गीत की भूमिका बुलंद थी। तय है, वंदे मातरम् क्रांति के स्वरों में नींव का पत्थर था। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की रक्त धमनियों में विद्रोह की उग्र भावना इसी गीत की देन है। 1942 में महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन को देशव्यापी धरातल इसी गीत के बूते मिला था। वह यही आंदोलन था, जिसमें गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था। यह नारा गांधी के अहिंसा के सिद्धांत पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करने वाला भी माना जाता है। सुभाषचंद्र बोस की आजाद हिन्द फौज के फौजियों ने भी इसी गीत को गाते हुए मातृभूमि की बलिवेदी पर प्राण न्यौछावर किए थे। हालांकि महात्मा गांधी 1905 में ही लिख चुके थे कि वंदे मातरम् इतना लोकप्रिय हो गया है कि वह राष्ट्रगान जैसा बन गया है। 14 अगस्त 1947 की मध्य-रात्रि में जब देश आजाद हो रहा था, तब इस मंत्र-गीत का गायन सुचेता कृपलानी ने किया और वहां उपस्थित लोग इस गीत के सम्मान में गीत खत्म न हो जाने तक खड़े रहे थे। 15 अगस्त 1947 को जब स्वतंत्रता का सूर्योदय हो रहा था, तब आकाशवाणी पर पंडित ओंकारनाथ ठाकुर ने इसे बड़े ही रोचक ढंग से गाया। आखिरकार 24 अगस्त 1948 को जन-गण-मन के साथ इस गीत को भी राष्ट्र गीत की प्रतिष्ठा मिली। लेखक और दार्शनिक युगदृष्टा होते

हैं, इसलिए बंकिम बाबू ने इस गीत को लिखे जाने के वक्त ही अपनी दिव्य-दृष्टि से अनुभव कर लिया था कि यह गीत राष्ट्रीय आंदोलन का हिस्सा बनकर लोकप्रियता के शिखर चूमेगा, इसीलिए उन्होंने इसे बांग्ला भाषा में न लिखते हुए संस्कृत में लिखा। मूल और संपूर्ण गीत की केवल नौ पंक्तियां बंगाली में हैं। इस गीत का जो संपादित अंश राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया गया है, वह केवल दो पद और आठ पंक्तियों में है। वंदे मातरम् को इस्लाम विरोधी जताया जाता रहा है। जब कांग्रेस ने इसे प्रार्थना गीत के रूप में स्वीकार किया था, तब भी इसकी खिलाफत शुरू हो गई थी। 15 अक्टूबर 1937 को लखनऊ में मोहम्मद अली जिन्ना ने वंदे मातरम् का विरोध किया। वस्तुतः नेहरू ने इस विरोध के पांच दिन बाद ही सुभाष बोस को लिखे एक पत्र में कहा कि 'आनद मठ में उल्लेखित वंदे मातरम् की पृष्ठभूमि मुसलमानों को उकसा सकती है।' इसी के बाद कांग्रेस कार्यकारिणी ने आचार्य नरेन्द्र देव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। इसमें मौलाना आजाद, पंडित नेहरू और सुभाष चन्द्र बोस जैसे प्रखर संस्कृति मर्मज्ञ सदस्य थे। समिति को जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि वे रवीन्द्रनाथ ठाकुर से विचार-विमर्श कर वंदे मातरम् के संबंध में दो टूक सलाह दें। समिति ने जो प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, उसके उपरांत कांग्रेस कार्यकारिणी ने फैसला लिया कि हरेक राष्ट्रीय सार्वजनिक सभा में वंदे मातरम् के केवल दो पद गाये जाएं। यानी कांग्रेस मुस्लिम लीग के समक्ष झुकी और मुस्लिम तुष्टिकरण की राह पकड़ ली। तुष्टि का यही रास्ता देश को विभाजन के द्वार तक ले गया। बावजूद देश-विभाजन के लिए जिम्मेदार मुस्लिम लीग के नेता वंदे मातरम् को बुतपरस्ती, अर्थात मूर्ति पूजा मानते हुए इसका विरोध लगातार करते रहे। इस बहाने लीगियों ने अल्पसंख्यकों को खूब उकसाया। नतीजतन 1938 तक कांग्रेस के जो प्रमुख मुस्लिम नेता इस गीत की राष्ट्रीय गरिमा का ख्याल रखते चले आ रहे थे, वे भी दबी जुबान से इसका विरोध करने लगे। बाद में साझा सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के नजरिये से उर्दू के उदारवादी कवियों व राजनीतिकों ने वंदे मातरम् का अनुवाद 'ऐ मादर, तुझे सलाम करता हूं' किया, अर्थात हे माता, तुझे प्रणाम करता हूं करके किया,लेकिन कट्टरपंथियों के भाव उतरा नहीं। जबकि मुल्क को गुलामी से आजाद कराने की इस इबादत में गलत कुछ भी नहीं था। अरबी-फारसी के अनेक कवियों ने भी देश को 'मां' कहकर संबोधित किया है।

लिहाजा राष्ट्र के प्रति अपनी भावनाओं व उद्गारों को प्रचलित रूपकों अथवा प्रतीकों में प्रकट करना मूर्ति पूजा या बुतपरस्ती कतई नहीं थी। वंदे मातरम् एक मौलिक रचना है, इसकी व्याख्या धर्म नहीं, केवल साहित्य के संदर्भ में होनी चाहिए थी। इसे यदि कोई सांसद या विधायक इस्लाम विरोधी जताता है, तो उसका मकसद धर्म के बहाने राजनीतिक रोटियां सेंकना भर था, जो अलगावादी राजनीति की संकीर्ण मानसिकता का प्रतीक है। जिन्ना और अन्य लीगी इसी विभाजनकारी मानसिकता से काम करते रहे और देश दो टुकड़ों में बंट गया। स्वतंत्र भारत में निर्वाचित कुछ मुस्लिम सांसद और विधायक संविधान की शपथ लेने के बाद भी सदन में इस गीत का अनादर करते रहते हैं। ऐसे ही चंद सिरफिरे मुस्लिमों ने आजाद हिंद फौज के नारे, 'जय हिंद' का भी विरोध किया था। दैनिक अखबार 'डान' ने वंदे मातरम् की आलोचना की थी, तब गांधी को कहना पड़ा था, 'वंदे मातरम् कोई धार्मिक नारा नहीं है, यह विशुद्ध राजनीतिक नारा है।' यही नारा था, जिसने सोये हुए भारत को जगाने का काम करके, आजादी हासिल कराई थी। अतएव संसद में इस गीत के इतिहास में झांकने की बहस को एक सबक के रूप में लेना चाहिए,जिससे भविष्य में देश की संप्रभुता एवं अखंडता से खिलवाड़ की गुंजाइश ही नहीं रह जाए?

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

मुस्लिम तुष्टिकरण की बुनियाद पर भारत को जितनी हानि उठानी पड़ी है, दुनिया के अन्य किसी देश ने नहीं उठाई। इसकी शुरुआत अंग्रेजों ने बंगाल विभाजन से की। इसी कड़ी में वंदे मातरम् गीत के टुकड़े किए गए और फिर देश का भी बंटवारा जिन्ना की अलग मुस्लिम राष्ट्र बनाने की जिद के चलते हो गया, जबकि संपूर्ण वंदे मातरम् गीत भारत की शाश्वत संकल्पना है। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में हुई चर्चा के दौरान गीत के विभाजन के लिए पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सीधे जिम्मेवार ठहराया। अतएव संसद में इस गीत के इतिहास में झांकने की बहस को एक सबक के रूप में लेना चाहिए।

दिवस विशेष

डॉ. लोकेन्द्र सिंह

भाषा जोड़ती है, तोड़ती नहीं

जब कहीं से यह समाचार पढ़ने/सुनने को मिलता है कि मराठी, तमिल या अन्य कोई भाषा नहीं बोलने के कारण व्यक्ति के साथ मारपीट कर दी गई, तो दुःख होता है कि संकीर्ण राजनीति हमें किस दिशा में ले जा रही है। हम अपनी ही भाषाओं का सम्मान क्यों नहीं कर रहे हैं? जो भाषाएं आपस में जुड़ी हैं, उनके नाम पर हम एक-दूसरे से दूर क्यों हो रहे हैं? भारत की सभी भाषाओं के शब्द भंडार एक-दूसरे के शब्दों से समृद्ध हैं। हमें तो भाषायी विविधता का उत्सव मनाना चाहिए। भारत की संस्कृति की विशेषता है कि वह विविध रूपों में प्रकट होती है। हम सब मिलकर 11 दिसंबर को महान तमिल कवि सुब्रह्मण्यम भारती की जयंती प्रसंग पर 'भारतीय भाषा दिवस' मनाते हैं। यह प्रसंग ही हमें भाषाओं के प्रति संवेदनशील होने की ओर संकेत करता है और बताता है कि भाषाएं मानवीय संबंधों में सेतु का कार्य करती हैं। एक-दूसरे से जोड़ती हैं। सुब्रह्मण्यम भारती ने तमिल को शास्त्रीय स्वरूप से बाहर निकालकर सरल और आम बोलचाल की तमिल का प्रयोग किया ताकि उनके विचार और तमिल साहित्य का ज्ञान आम लोगों तक पहुंच सके। तमिल को प्राथमिकता देने के बावजूद भारती ने हिन्दी और तेलुगु सहित अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति भी सम्मान दिखाया। वह चाहते थे कि सभी भारतीय भाषाओं के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान हो, जिससे भारत एक सशक्त राष्ट्र बन सके। उनका स्पष्ट दृष्टिकोण था कि भारत की विभिन्न भाषाएं उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी शक्ति और सुंदरता हैं। भाषा मनुष्यों के बीच विचारों, भावनाओं और सूचनाओं के सुचारु आदान-प्रदान को संभव बनाती है। यदि भाषा न हो, तो यह सब संभव नहीं हो सकता। भाषा को लेकर अगर हम किसी संकीर्ण विचार से ग्रसित नहीं है, तब यह हमें एक अलग दुनिया की सैर कराती है, जहां एक-दूसरे के प्रति सम्मान है, अपनत्व है, एक-दूसरे से जुड़ने की ललक है। आपने कभी सोचा है कि कितना अपनापन लगता है जब कोई हमारी मातृभाषा में बात करता है या फिर हम सामने वाले की मातृभाषा में बात करने की कोशिश करते हैं। सच, मानिए यह पहल हृदयों को मिलाने का काम करती है। भारतीय राजनीति में इसका उदाहरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में हमारे सामने है। संपूर्ण देश में उनकी लोकप्रियता का कारण है कि वे जिस स्थान पर और जिन लोगों के बीच भाषण दे रहे होते हैं, उनके साथ संवाद स्थापित करने के लिए अभिवादन उनकी ही भाषा में करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के अलग-अलग देशों के राष्ट्राध्यक्षों को सोशल मीडिया पर बधाई-शुभकामना एवं अन्य विषयों से जुड़े महत्वपूर्ण पोस्ट भी उनकी ही भाषा में करते हैं। यानी देश-दुनिया को जोड़ने के लिए भाषा को बेहतरीन उपयोग हम प्रधानमंत्री मोदी से सीख सकते हैं। अनुवाद और बहुभाषावाद के माध्यम से भाषाएं सांस्कृतिक दूरियों को कम करती हैं। एक भाषा सीखना दूसरे समुदाय के विचारों और जीवनशैली को समझने का द्वार खोलता है, जिससे हमारे पूर्वाग्रह भी कम होते हैं। इसलिए व्यक्ति को अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा सीखने का प्रयास भी करना चाहिए। 'भाषा जोड़ती है, तोड़ती नहीं', यह आदर्श विचार इस दृष्टिकोण पर आधारित है कि भाषा लोगों को एक-दूसरे से जुड़ने, भावनाएं साझा करने और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने में सहायता करती है। भाषा के नाम पर भारतीय समाज को तोड़ने की साजिश का हिस्सा बन रहे लोगों को यह बात भली प्रकार से समझनी चाहिए। उन्हें अपनी ऊर्जा भारतीय भाषाओं को समृद्ध करने में लगाना चाहिए। विशेषकर, संकीर्ण राजनीति के प्रभाव में आकर हिन्दी का विरोध करने वाले बंधुओं को यह देखना चाहिए कि हिन्दी का विकास एवं विस्तार अहिन्दी भाषी महानुभावों ने अधिक किया है, जिनमें प्रमुख हैं- स्वामी दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, माधवराव सप्रे, विनोबा भावे, गोपालस्वामी अय्यंगर, डॉ. चलसानि सुब्बाराव, काका कालेलकर, आर. वेंकटरमण, ज्योतिराव फुले इत्यादि। हिन्दी की पहली कहानी 'एक टोकरी भर मिट्टी' के रचनाकार प्रख्यात पत्रकार माधवराव सप्रे संदेश देते हैं कि "मैं मराठी हूँ लेकिन हिन्दी के विषय में मुझे उतना ही अभिमान है, जितना किसी हिन्दी भाषी को हो सकता है"। वहीं, स्वामी दयानंद सरस्वती मानते थे कि "हिन्दी द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है"। इस प्रकार के राष्ट्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो भाषा के वास्तविक उद्देश्यों को स्थापित करता है। स्मरण रखें कि जब भाषा को सम्मान, समावेश और समझ के साथ प्रयोग किया जाता है, तो यह निश्चित रूप से 'जोड़ती' है। हमारे पुरखों ने ऐसा करके दिखाया है। संपूर्ण भारत में इसके अनुकरणीय उदाहरण हमें मिलते हैं। इसलिए हमें अपनी भाषाई विविधता का उत्सव मनाना चाहिए और हर भाषा को सम्मान देना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक भाषा एक अनमोल सांस्कृतिक खजाना है। हम एक-दूसरे की भाषा को सीखें, समझें और भावनाओं से लेकर शाब्दिक आदान-प्रदान करें।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी विवि में सहायक प्राध्यापक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन को स्थिर रखना ही है जीवन का सूत्र

संकलित

दर्शन

काम, क्रोध, लोभ और मोह की स्वाभाविक वृत्तियों से घिरा हुआ मनुष्य जब अपनी असत दृष्टि से इनमें आनंद का अनुभव करने लगता है, तो उसे यह संसार खुशनुमा लगने लगता है। काम अर्थात इच्छा। जब भी किसी व्यक्ति के मन में उठी इच्छा की पूर्ति होती है, तो वह परम आनंद को प्राप्त होता है, पर वह यह भूल जाता है कि उसकी यह इच्छापूर्ति उसी तरह से उसके मन में एक और इच्छा जागृत करके उसके चित्त को अव्यवस्थित कर देगी, जिस तरह से जलती हुई अग्नि पूरी मात्रा में घी पाने पर भी बुझती नहीं है, अपितु और वेग से जलने लगती है। इसी भांति से यदि अन्य किसी व्यक्ति के साथ विचार भिन्नता होती है तो वे दोनों ही पक्ष एक-दूसरे की हानि करने के लिए तत्पर हो जाते हैं और अपने चित्त की सहज शांति खो बैठते हैं। इस स्थिति में जिसकी हानि होती है वह तो दुखी होता ही है, जो लाभ में रहता है वह भी हारे हुए पक्ष की ओर से आने वाली संभावित प्रतिक्रिया से हर दम चिंता में डूबा रहता है। और इस तरह से क्रोध भी व्यक्तियों को पीड़ित करने का कारण ही बनता है। वहीं लोभ और मोह की असीमित शक्ति का तो यह हाल है कि हम अपना पूरा का पूरा जीवन इसमें लगा देते हैं कि हमारे पास इतनी अथाह संपत्ति हो, जिसकी बराबरी धरती का कोई भी दूसरा व्यक्ति कभी न कर सके और हमारी अपनी संतान भी ऐसी हो, जिसकी सुंदरता और बुद्धिमत्ता का कोई मुकाबला न हो सके। रावण से लेकर कंस आदि के उदाहरण हमारे सामने हैं, जो अपने जीवन में अपनी ऐसी ही मानसिक विकृतियों से कभी भी पार नहीं पा सके।

भगवान को धन की कोई आवश्यकता नहीं

संकलित

प्रेरणा

एक सेठ के पास एक व्यक्ति काम करता था। सेठ उस व्यक्ति पर बहुत विश्वास करता था। वो व्यक्ति भगवान का बहुत बड़ा भक्त था। वह सदा भगवान के चिंतन भजन कीर्तन स्मरण सत्संग आदि का लाभ लेता रहता था। एक दिन उस ने सेठ से श्री जगन्नाथ धाम यात्रा करने के लिए कुछ दिन की छुट्टी मांगी सेठ ने उसे छुट्टी देते हुए कहा- भाई! मैं तो हूं संसारी आदमी हमेशा व्यापार के काम में व्यस्त रहता हूं, तुम जा ही रहे हो तो यह लो 100 रुपए मेरी ओर से श्री जगन्नाथ प्रभु के चरणों में समर्पित कर देना। भक्त सेठ से सौ रुपए लेकर श्री जगन्नाथ धाम यात्रा पर निकल गया। वह श्री जगन्नाथ पुरी पहुंचा। मंदिर की ओर प्रस्थान करते समय उसने रास्ते में देखा कि बहुत सारे संत, भक्त जन, वैष्णव जन, हरि नाम संकीर्तन बड़ी मस्ती में कर रहे हैं। भक्त भी वहीं रुक कर हरिनाम संकीर्तन का आनंद लेने लगा। उसने सोचा क्यों ना सेठ के सौ रुपए से इन भक्तों को भोजन करा दूँ। सबको भोजन कराने में उसे कुल 98 रुपए खर्च करने पड़े। उसके पास दो रुपए बच गए उसने सोचा चलो अच्छा हुआ दो रुपए जगन्नाथ जी के चरणों में सेठ के नाम से चढ़ा दूंगा। भक्त ने श्री जगन्नाथ जी के दर्शन किए और अंत में उसने सेठ के दो रुपए श्री जगन्नाथ जी के चरणो में चढ़ा दिए। भगवान को आपके धन की कोई आवश्यकता नहीं है। भगवान को वह 98 रुपए स्वीकार है जो जीव मात्र की सेवा में खर्च किए गए और उस दो रुपए का कोई महत्व नहीं जो उनके चरणों में नगद चढ़ाए गए।

अंतर्मन

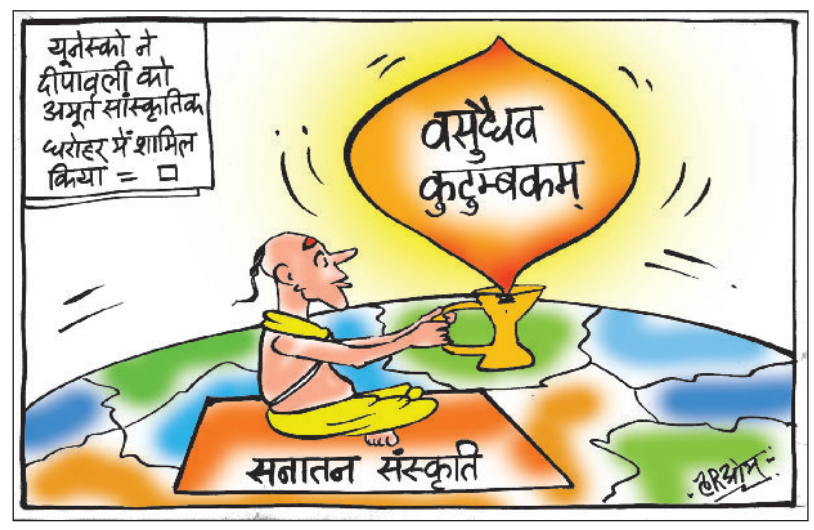

आज की पाती

मानवाधिकार दिवस का औचित्य

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 को पेरिस में एक घोषणा पत्र जारी किया था। इसमें मानवाधिकारों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पहल की गई थी। इसमें यह चीजें थी कि दुनियाभर में किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव न करते हुए सभी लोगों को बराबर अधिकार उपलब्ध करवाए जाएं। आज दुनिया में बहुत से देश ऐसे भी हैं जहां के नागरिक स्वतंत्रता, समानता और न्याय के अधिकारों से वंचित होंगे। इसका मुख्य कारण यह है कि वहां लोकतंत्र मजबूत नहीं है। खासतौर पर महिलाओं, बच्चों और मजदूरों को इससे वंचित रखा जाता है। मानवाधिकार आयोग को दुनिया में होने वाले युद्धों के लिए भी कोई ऐसे कदम उठाने चाहिए कि किसी भी देश में कोई युद्ध न छेड़े। तभी इस दिवस का औचित्य है। - *सतीश उपाध्याय, अंबिकापुर*

ट्रेंड

सभ्यता की आत्मा

हमारे लिए, दीपावली हमारी संस्कृति और लोकाचार से बहुत गहराई से जुड़ी हुई है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में दीपावली के शामिल होने से इस त्यौहार की वैश्विक लोकप्रियता और भी बढ़ जाएगी।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

गौरव का क्षण

दीपावली का यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होना हर भारतीय के लिए गौरव का क्षण है। यह हमारी सनातन संस्कृति, प्रकाश, सत्य और धर्म के शाश्वत मूल्यों की वैश्विक स्वीकार्यता है। यह उपलब्धि भारत की सांस्कृतिक शक्ति का विश्व मंच पर उत्सव है।

-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री

वोट चोरी बड़ा देशद्रोह

वोट चोरी सबसे बड़ा देशद्रोह है। भारत न केवल दुनिया का सबसे बड़ा बल्कि सबसे महान लोकतंत्र है। भाजपा और चुनाव आयोग हमारे लोकतंत्र को नष्ट करने और लोगों की आवाज़ छीनने के लिए मिलीभगत कर रहे हैं।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

इंडिगो घटनाक्रम शर्मनाक

इंडिगो एयरलाइंस का पूरा घटनाक्रम बेहद शर्मनाक रहा। पूरी दुनिया भारत की तरफ़ देख रही थी कि हम अपनी एयरलाइंस तक संभाल नहीं पा रहे। एक निजी कंपनी ने भारत सरकार को घुटनों पर ला दिया।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम,नई दिल्ली

करंट अफेयर

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति सरकोजी ने जेल के अनुभव किए साझा

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी ने अपनी एक किताब में उस जेल का वर्णन किया है, जहां उन्होंने 20 दिन बिताए थे। सरकोजी ने जेल को शोरगुल वाली जगह, कठोर और अमानवीय हिंसा से भरी दुनिया बताया है। सरकोजी की इस पुस्तक का बुधवार को विमोचन किया गया जिसमें इस बारे में राजनीतिक सलाह भी दी गई है कि उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को धुर दक्षिणपंथी मतदाताओं को कैसे आकर्षित करना चाहिए।

'डायरी ऑफ ए प्रिजनर' नामक इस पुस्तक में 70 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति ने कहा है कि अपराध के प्रति उनके अपने सख्त रुख ने एक नया रूप ले लिया है। सरकोजी को 2007 के अपने विजयी चुनावी अभियान को लीबिया से प्राप्त धन से वित्तपोषित करने के मामले में आपराधिक साजिश का दोषी पाया गया था। अदालत ने सितंबर में सरकोजी को पांच साल की जेल की सजा सुनाई, जिसके खिलाफ उन्होंने अपील की। करीब 20 दिन जेल में बिताने के बाद उन्हें न्यायिक निगरानी में रिहा कर दिया गया। यह पुस्तक पेरिस की ला सैंटे जेल के अंदर की दुर्लभ झलक पेश करती है, जहां सरकोजी को एकांत कारावास में रखा गया था और सुरक्षा कारणों से उन्हें अन्य कैदियों से सख्ती से अलग रखा गया था।

ऑफ बीट

बीएमआई नहीं बता सकता कि हम स्वस्थ हैं या नहीं

हम जानते हैं कि 'बॉडी मास इंडेक्स' (बीएमआई) किसी के वजन और उससे जुड़े स्वास्थ्य के आकलन के लिए उपयुक्त प्रक्रिया नहीं है, लेकिन यह

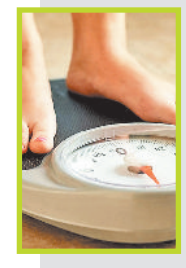

चिकित्सकों, जनसंख्या शोधकर्ताओं और निजी प्रशिक्षकों के लिए यह उपयोगी उपकरण बना हुआ है। बीएमआई लोगों को चार वजन श्रेणियों में वर्गीकृत करने की एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त जांच विधि है : कम वजन (बीएमआई 18.5 से कम), सामान्य वजन (18.5 से 24.9), अधिक वजन (25.0 से 29.9) या मोटापा (30 या अधिक)। किसी के वजन को उसकी लंबाई के वर्ग से विभाजित करके इसका पता लगाया जाता है। बेल्जियम के गणितज्ञ लैम्बर्ट एडोल्फ जैकस क्यूटलेट (1796-1874) ने औसत पश्चिमी यूरोपीय व्यक्ति की शारीरिक विशेषताओं का पता लगाने के लिए 1832 में एक गणितीय मॉडल 'बीएमआई' को इजाद किया था। इसे शुरू में क्यूटलेट इंडेक्स कहा गया और इसे कभी भी चिकित्सकीय आकलन का उपकरण नहीं माना गया। 1972 में क्यूटलेट इंडेक्स को 'बॉडी मास इंडेक्स' कहा गया। गणितीय सूत्र का उपयोग करके किसी के स्वास्थ्य का पूरा आकलन करना संभव नहीं है। बीएमआई शरीर की अतिरिक्त चर्बी को नहीं मापता, यह केवल 'अतिरिक्त' वजन को मापता है।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर

फोन: 401050,271016,फैक्स-271018

ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com

वेब-साइट: www.haribhoomi.com

भड़के कांग्रेस नेता ने कहा- बिना पूछे किया मेरे नाम का चयन

थरूर को 'वीर सावरकर' पुरस्कार, सम्मान लेने से किया इंकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस नेता शशि थरूर को 'वीर सावरकर' पुरस्कार से सम्मानित करने का फैसला किया गया है। इस खबर के बाद माना जा रहा था कि कांग्रेस पार्टी और तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर के बीच फिर से तनातनी हो सकती है। लेकिन थरूर ने ये पुरस्कार लेने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें इसके आयोजक के बारे में कोई जानकारी नहीं है और ये बिना उनकी सहमति के दिया जा रहा था। थरूर ने राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से कहा कि उन्हें इस पुरस्कार के बारे में मंगलवार को ही पता चला और वे समारोह में नहीं जा रहे हैं। उन्होंने पुरस्कार समारोह में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर जवाब दिया कि मुझे इसके बारे में कल ही पता चला, मैं नहीं जा रहा हूं।

आयोजक एचआरडीएस इंडिया के रवैये को बताया गैर-जिम्मेदाराना

वीर सावरकर पर अवॉर्ड

तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद को बुधवार को नई दिल्ली में एचआरडीएस इंडिया द्वारा पहला 'वीर सावरकर इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवार्ड 2025' देने का ऐलान किया गया था। थरूर ने मंगलवार को यहां पत्रकारों से कहा था कि उन्हें इस पुरस्कार के बारे में मीडिया से पता चला और उन्हें यह नहीं पता कि इसे कौन दे रहा है। उन्होंने कहा था, "मुझे पुरस्कार से संबंधित किसी भी बात की जानकारी नहीं है।

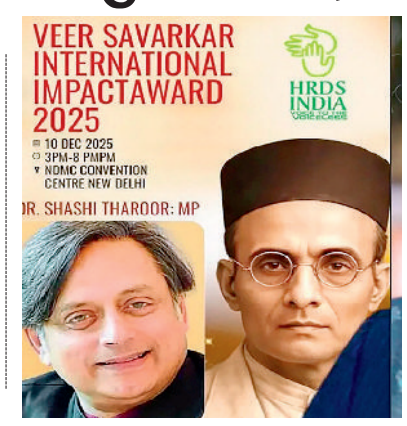

यह कांग्रेस का अपमान

थरूर के इनकार करने के बाद कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने बुधवार को कहा कि सांसद शशि थरूर समेत पार्टी के किसी भी सदस्य को वीर सावरकर के नाम पर कोई पुरस्कार स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि उन्होंने अंग्रेजों के सामने सिर झुकाया था। मुरलीधरन ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं होता कि थरूर यह पुरस्कार स्वीकार करेंगे क्योंकि ऐसा करना कांग्रेस का अपमान और शर्मिंदगी की बात होगी।

बीजेपी के रोल मॉडल हैं सावरकर

मालूम हो कि वीर सावरकर को बीजेपी अपना रोल मॉडल मानती है, वहीं कांग्रेस इसका विरोध करती है। यही वजह है कि शशि थरूर का नाम वीर सावरकर अवॉर्ड के लिए सामने आने के बाद चर्चाओं का दौर शुरू था। हालांकि, अब सांसद थरूर ने स्पष्टीकरण जारी कर दिया है।

'वीर सावरकर पुरस्कार' : समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, वीर सावरकर इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवॉर्ड 2025 का आयोजन 10 दिसंबर को नई दिल्ली में होना था। इसमें यह भी बताया गया था कि यह कार्यक्रम एनडीएमसी कन्वेंशन हॉल में होगा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी समारोह में मौजूद रहेंगे।

कांग्रेस से तल्खी भाजपा से नजदीकी

बता दें, हालिया दिनों में कांग्रेस व थरूर के बीच रिश्ते तल्खी भरे रहे हैं। कई मुद्दों पर उन्होंने पार्टी लाइन से हटकर मोदी सरकार का समर्थन किया है। उन्हें सरकार ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में शुक्रवार रात को राष्ट्रपति भवन में भव्य डिनर का न्योता भेजा था, जिसमें वे शामिल भी हुए थे, जबकि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को कोई न्योता नहीं भेजा गया था। कांग्रेस ने इस पर प्रतिक्रिया भी दी है। इसके पहले भी मोदी सरकार के साथ उनकी नजदीकी सुर्खियां पाती रही हैं।

सूचना आयुक्त, और एक सतर्कता आयुक्त की नियुक्तियों पर चर्चा

मोदी, शाह के साथ राहुल की हुई मीटिंग, लिखित में दी आपत्ति!

सूचना आयोग में अभी 8 पद खाली

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संसद में प्रधानमंत्री के कक्ष में मुलाकात की। यह मीटिंग मुख्य सूचना आयुक्त और केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) में सतर्कता आयुक्त के चयन के लिए हुई। इस बैठक में केंद्रीय सूचना आयोग में खाली चल रहे आठ पदों पर नियुक्ति पर भी चर्चा हुई। जानकारी के मुताबिक, गांधी ने बैठक में सीआईसी की नियुक्ति पर डिसेंट नोट सौंपा। उन्होंने सभी 8 नियुक्तियों पर आपत्ति दर्ज कराई है।

पहले भी दर्ज कराई है

प्रधानमंत्री कक्ष में हुई इस बैठक में क्या फैसला लिया गया, अभी इसकी डिटेल्स सामने नहीं आई है। लेकिन सूत्रों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस नेता ने लिखित में अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। इससे पहले जब भी इन नियुक्तियों को लेकर बैठक हुई है तो विपक्ष का नेता होने के नाते चाहे खड़गे हो या राहुल, उन्होंने अपनी आपत्तियां दी हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ है।

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) में मुख्य सूचना आयुक्त सहित अभी 8 पद खाली है। कुछ महीनों पहले तक हीरालाल सामरिया भारत के मुख्य सूचना आयुक्त थे, लेकिन 13 सितंबर, 2025 को सामरिया के रिटायर होने के बाद से मुख्य सूचना आयुक्त का पद खाली है। दरअसल बुधवार को पीएमओ में हुई इस बैठक की लंबी टाइमिंग को लेकर चर्चाओं का दौर चल रहा है। क्योंकि जानकारी केवल मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की थी।

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड

पिछले रविवार हादसे में गई थी 25 लोगों की जान

4 मालिकों में से एक पकड़ा गया बोला- मैं सिर्फ बिजनेस पार्टनर

इधर, थाईलैंड भागे लूथरा ब्रदर्स ने कहा- 'हम भी पीड़ित हैं'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड में गुनहगारों की धरपकड़ जारी है। बुधवार सुबह दिल्ली क्राइम ब्रांच ने 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब के तीसरे मालिक अजय गुप्ता को दिल्ली के अस्पताल से धर दबोचा। पुलिस ने अजय गुप्ता के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था।

पुलिस टीम दिल्ली स्थित गुप्ता के घर पर पहुंची थी, लेकिन वह नहीं मिले थे। क्लब के दो और मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा थाइलैंड भाग चुके हैं। उनके खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। इस मामले में अब तक छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। गोवा पुलिस इस चौकड़ी के एक और किरदार सुरिंदर कुमार खोसला को भी तलाश रही है। उसके खिलाफ भी सर्कुलर जारी है। खोसला क्लब का चौथा मालिक है या फिर साझेदार अभी यह क्लियर नहीं है।

खुद को बताया बेकसूर : पुलिस ने बताया, गुप्ता को गोवा लाया जाएगा, जहां उससे आगजनी की घटना के संबंध में पूछताछ की जाएगी। मीडिया के सवाल पर गुप्ता खुद को बेकसूर बताते नजर आए। गुप्ता ने कहा कि मैं सिर्फ क्लब में पार्टनर था, बाकी इससे मेरा कुछ संबंध नहीं है। इस बीच, दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को गुप्ता की 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड की अनुमति दे दी।

गोवा के अरपोरा इलाके में रविवार सुबह नाइट क्लब में लगी भीषण आग ने 25 लोगों की जान ले ली थी। इनमें 5 पर्यटक और 20 स्टाफ मेंबर शामिल हैं। इस हादसे के बाद सरकार, पुलिस और प्रशासन हरकत में आया और तीन बड़े अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि क्लब में फायर सेफ्टी के नियमों का पालन नहीं किया गया था।

कई बड़े अफसर किए गए सस्पेंड

लूथरा बंधुओं को कोर्ट से नहीं मिली अंतरिम राहत

गोवा के 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा बुधवार को दिल्ली की एक अदालत से अंतरिम राहत पाने में असफल रहे। रोहिणी कोर्ट ने गिरफ्तारी से तुरंत अंतरिम सुरक्षा देने से मना कर दिया। अदालत ने उनकी ट्रांजिट अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई अगले दिन के लिए स्थगित कर दी। दोनों भाइयों ने चार सप्ताह की अग्रिम जमानत का अनुरोध किया है, ताकि थाईलैंड से दिल्ली लौटने के तुरंत बाद उन्हें गिरफ्तार न किया जाए। उन्होंने कोर्ट से कहा, 'हम भी पीड़ित हैं।' लूथरा बदर्स ने आरोप लगाया है कि अधिकारियों द्वारा उनके खिलाफ बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। अदालत में उनकी ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता और उनके पार्टनर दिल्ली से काम करते हैं और रोजाना का कामकाज नहीं देखते, रेस्टोरेंट का रोजाना का काम ऑन-ग्राउंड मैनेजर और रेस्टोरेंट मैनेजर संभालते हैं।

वनतारा को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

वनजीव संरक्षण के लिए अनंत को अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका में आयोजित एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय समारोह में वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अनंत अंबानी को 'ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें वनतारा प्रोजेक्ट के जरिए घायल, बीमार और संकटग्रस्त जानवरों के बचाव, उपचार और पुनर्वास में किए जा रहे उनके कार्यों के लिए दिया गया। इस उपलब्धि के साथ अनंत अंबानी सबसे कम उम्र में यह सम्मान प्राप्त करने वाले पहले एशियाई भी बन गए हैं। इस सम्मान के बाद एक बार फिर वनतारा की पहल विश्वभर में चर्चा का विषय बन गई है। वनतारा को आज दुनिया के सबसे बड़े और अनोखे वन्यजीव संरक्षण मॉडल के रूप में देखा जाता है, जहां न सिर्फ जानवरों का बचाव किया जाता है, बल्कि विलुप्तप्राय प्रजातियों को सुरक्षित वातावरण में पुनर्स्थापित करने पर भी काम होता है। अवॉर्ड ग्रहण करते हुए अनंत अंबानी ने कहा कि यह सम्मान उन्हें 'सर्वभूत हित' के मार्ग पर और दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

ALLEN
हर प्रतिभा को पहचान, सफलता की नई उड़ान
आज ही शुरू करें JEE, NEET & Foundation में अपनी सफलता की तैयारी

ADMISSIONS OPEN
NEET | JEE | Olympiads | Class 8th to 12th & 12th pass

CLASS 11th
Nurture Course
JEE (Main+Adv.) : 23 March & 15 April '26
NEET (UG) : 23 March & 15 April '26

CLASS 12th
Enthusiast Course
JEE (Main+Adv.) : 3 April '26
NEET (UG) : 3 April '26

CLASS 8th to 10th
Pre-Nurture & Career Foundation
8th to 10th: 26 March & 23 April '26

CBSE Board Test Series & Guidance Session
For Class 10th
Starting from 22 Dec. '25
for more details visit
workshop.allen.ac.in

National Mathematics Talent Contest (NMTC) Workshop
For Class 7th to 10th
Starting from 22 Dec. '25
for more details contact
99753 48571

Career Guidance Seminar For Class 7th to 10th, JEE & NEET Aspirants
14 Dec.'25 | 01:00 PM
ALLEN, Shri Balaji Emporium 2nd Floor, Above Westside, Main Road, Vyapar Vihar

Don't Miss Your Special Fee Benefit!
VALID TILL 20 DEC. 2025
TALLENTEX or ASAT winner receive a dual advantage: Scholarship + SFB

ASAT SCHOLARSHIP TEST
TEST DATE 14 & 21 DEC.
GET UP TO 90% SCHOLARSHIPS*
SCAN TO REGISTER

*Subject to the scholarship rules and the T&Cs.

ALLEN BILASPUR +91 8951395460 www.allen.ac.in/bilaspur
Regd. & Corporate Office ALLEN KOTA
0744-3556677 allen.ac.in
Disclaimer: We provide an academic ecosystem and environment for the students to prepare for their target examinations. Studying at a coaching institute does not guarantee selection in the examinations. Selection also depends on other factors like preparation, available admission seats in the competitive exam, and the number of applicants appearing. The students mentioned here were enrolled on full-time paid courses.

इन उपायों से कंट्रोल रहेगी थायरॉइड की प्रॉब्लम

अस्त-व्यस्त जीवनशैली और खान-पान से आजकल अनेक लोग थायरॉइड संबंधी समस्या से ग्रस्त हो रहे हैं। ऐसे में अगर आप अपनी जीवनशैली सुधारने के साथ आयुर्वेदिक उपचार करवाएं तो आपको काफी राहत मिल सकती है। इस बारे में जानिए।

रोगोपचार

संध्या रानी

हालांकि थायरॉइड ग्रंथि की कम या अधिक सक्रियता कोई गंभीर बीमारी नहीं है, लेकिन इससे निकलने वाले हार्मोन कई शारीरिक क्रियाओं को संतुलित रखते हैं। जब हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं, तो कई तरह की समस्याएं शुरू हो जाती हैं और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होती है। थायरॉइड गले में मौजूद तितली के आकार की एक ग्रंथी होती है, जो जरूरी हार्मोन बनाती है। इसके असंतुलन होने से ही यह समस्या पैदा होती है। आजकल थायरॉइड संबंधी समस्या तेजी से बढ़ रही है। हर दूसरे-तीसरे घर में कोई न कोई इसका रोगी मिल जाता है। खास बात यह है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं इससे ज्यादा प्रभावित होती हैं, क्योंकि महिलाओं के शरीर में कई अन्य हार्मोन उनके पीरियड्स, गर्भावस्था संबंधी प्रक्रियाओं को कंट्रोल करते हैं।

दो प्रकार की समस्या: थायरॉइड की समस्या दो तरह की होती है। एक हाइपरथायरॉइडिज्म और दूसरा हाइपोथायरॉइडिज्म। दोनों ही स्थितियों में शरीर का हार्मोन स्तर प्रभावित होता है।

हाइपरथायरॉइडिज्म: इसमें सबसे पहले रोगी का वजन कम होने लगता है, घबराहट बढती है, चिड़चिड़ापन होता है, दिल की धड़कन तेज हो जाती है, पसीना अधिक आता है, गर्मी ज्यादा लगती है, हाथ-पैर कांपने लगता है, नींद कम होने लगती है। जब इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगे तब जांच जरूर कराना चाहिए।

हाइपोथायरॉइडिज्म: इसमें लगातार थकान रहती है, वजन बढ़ने लगता है, दिल की धड़कन धीमी हो जाती है, ठंड ज्यादा लगती है और कभी-कभी मूड भी स्विंग करता है। इसके अलावा बालों का झड़ना, त्वचा का रूखा होना, डिप्रेशन होना आदि लक्षण दिखाई दें, तो ऐसी स्थिति में डॉक्टर से जरूर कंसल्ट करें।

आयुर्वेद उपचार में यह देखा जाता है कि रोगी की उम्र क्या है? यह बीमारी कितने साल से है? वह नौकरी किस तरह की करते हैं? इनकी जीवनशैली कैसी? इनका पेट साफ रहता है या नहीं, तनाव में तो नहीं रहते हैं? इनके आधार पर रोगी की जांच की जाती है।

क्या खाएं-क्या न खाएं: इस समस्या से राहत पाने के लिए यह जानना बेहद आवश्यक है कि भोजन में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं? थायरॉइड संबंधी रोग में मेटाबॉलिज्म कमजोर हो जाता है, इसलिए वही चीजें खानी चाहिए, जो आसानी से पच जाएं। खाने में गेंहू की रोटी की जगह जौ की रोटी खाएं। इससे पेट भी हल्का रहेगा और यह आसानी से पच भी जाता है। सफेद चावल की जगह भूरे चावल खाएं। टोफू और सोयाबीन न खाएं। इसके साथ ही पनीर, चीज, मोयोनेज से दूरी रखें। जहां तक हो सके तला, भुना खाने से परहेज करें। भोजन के लिए समय जरूर निश्चित करें और हमेशा समय पर ही भोजन कर लें। भोजन हमेशा हल्का लें। इसके अलावा अपनी दिनचर्या को नियंत्रित रखें। रात में 10 बजे तक सोने की आदत डालें।

योग को अपनाएं: अपनी दिनचर्या में योग को जरूर जगह दें, ताकि शरीर के साथ आपका मन भी स्वस्थ रहे, क्योंकि मन और शरीर एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। अगर आपका मन मजबूत है, तो आप किसी भी बीमारी से आसानी से उबर सकते हैं। जीवन में चाहे जितनी भी व्यस्तता हो, पर अपने लिए दस मिनट का समय निकालना मुश्किल नहीं होना चाहिए। थायरॉइड में उज्जयी, भस्त्रिका, कपालभाति और भ्रामरी प्राणायाम बहुत मदद करते हैं। इसके अलावा हलासन भी करें। अपने को स्वस्थ रखने के लिए जीवन में कुछ संयम और नियम रखना बेहद जरूरी होता है।

मौसमी फल-सब्जियां खाएं: हमेशा मौसम के अनुसार ही पके फल और पकी सब्जियां खाएं। कच्ची सब्जियां और सलाद पाचन पर अधिक जोर डालते हैं, इसलिए इन्हें खाने से जहां तक हो सके बचें। दही की जगह छाछ का प्रयोग करें। इसके अलावा घी को अपने भोजन में जरूर शामिल करें, क्योंकि इसमें कई विटामिन होते हैं और यह आसानी से पच भी जाता है। इसके साथ ही सौंफ, पिपली और काली मिर्च को बराबर मात्रा में मिलाकर पीस लें और थोड़ी मात्रा में लेते रहें, यह पाचन के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। *

(आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. अमृता शर्मा से बातचीत पर आधारित)

पंचकर्मा उपचार

इसे मानस प्रकृति परीक्षण भी कहा जाता है। सात प्रकार की प्रकृति होती है। आयुर्वेद में यह एक डिटॉक्स थेरेपी है। इस उपचार के द्वारा शरीर के विषाक्त पदार्थो को बाहर निकाल कर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जाता है। जब मौसम बदलता है तब यह क्रिया की जाती है। यह उपचार कोई भी करवा सकता है।

जाड़े के मौसम में देश के अनेक शहरों में वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर रूप धारण कर लेती है। एक्यूआई इतना खराब हो जाता है कि सांस लेने में परेशानी होने लगती है। ऐसे में केवल बच्चे, बूढ़े और बीमार लोगों को ही नहीं स्वस्थ लोगों को भी कुछ सावधानियां बरतनी जरूरी है। यहां बताए जा रहे उपायों को अपनाकर आप वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों से काफी हद तक बचे रह सकते हैं।

बरकरार है वायु प्रदूषण का संकट कारगर उपायों से मिलेगी राहत

अवेयरनेस

डॉ. मोनिका शर्मा

दमघोंटू हवा, इन दिनों देशभर के कई राज्यों में स्वास्थ्य से जुड़ा बड़ा संकट बनी हुई है। प्रदूषण की मार बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी झेल रहे हैं। सेहत से जुड़ा हर पहलू हवा की गुणवत्ता से प्रभावित होता है। तकलीफदेह है कि सर्दियों में तो एयर क्वालिटी और खराब हो जाती है। हमें चारों ओर से घेरते धूल और धुएं के गुबार को काबू करने के लिए कई मोर्चों पर प्रभावी कदम उठाने की दरकार है, पर ठंड के इस मौसम में प्रदूषण के वार से अपनी सेहत को बचाने के लिए छोटे-छोटे सहज से तौर-तरीके जरूर कारगर साबित हो सकते हैं।

स्वच्छता का रखें ध्यान

घर के बाहर सांस लेने लायक हवा को बनाए रखना मुश्किल है। लेकिन घर के भीतर साफ-सफाई का ध्यान रखकर हवा को शुद्ध रखा जा सकता है। इसके लिए इन दिनों जितना अधिक संभव हो अपने घर की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखने चाहिए। इससे बाहर की धूल, धुआं और प्रदूषक तत्व घर में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। साथ ही सफाई के लिए ज्यादा झाड़-पोंछ भी न करें। ठंड से राहत पाने के लिए घर के भीतर कोयला आदि जलाने से भी बचें। घर के भीतर हवा शुद्ध करने वाले पौधे यानी एयर प्यूरीफाइंग प्लांट्स लगाना भी काफी कारगर उपाय हो सकता है।

इन उपायों पर भी करें अमल

बार-बार अच्छे से हाथ भी धोते रहें। खासकर जब घर के बाहर से आएं तो अच्छे से हाथ धोना जरूरी है। हाथों को साफ रखने की यह सजगता स्किन पर जमे प्रदूषण के कण यानी पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) को हटाने के लिए बहुत जरूरी है। असल में पीएम कण हवा में मौजूद सूक्ष्म ठोस कण या तरल बूंदें होती हैं। ये कण सांस के जरिए तो शरीर में जाते ही हैं, गंदे हाथों से खाना खाने और शरीर के दूसरे अंगों को छूने पर भी नुकसानदेह साबित होते हैं। यहां तक कि स्किन इंफेक्शन होने का भी खतरा रहता है। इन दिनों गरम पानी से गरारे कर गले को साफ करने की एक्टिविटी को भी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। इससे भी हवा में मिले धूल और धुएं के कणों के शरीर में पहुंचने पर बहुत हद तक काबू पाया जा सकता है।

रेग्युलर एक्सरसाइज करना है बहुत फायदेमंद

ठंड के मौसम में शारीरिक सक्रियता से दूरी न बनाएं। हालांकि स्मॉग से ढंकी सुबह या शाम कसरत करने के लिए सही नहीं पर घर के अंदर योगाभ्यास, ट्रेडमिल, इंडोर साइक्लिंग आदि के जरिए खुद को एक्टिव रखें। विशेष रूप से सुबह और शाम के समय हवा की गुणवत्ता अनहेल्दी हो तो स्वास्थ्य जोखिम बढ़ाने वाली होती है। ऐसे में प्रदूषण के समय घर के बाहर जाकर एक्सरसाइज करने के बजाय, घर के अंदर ही व्यायाम, योग या किसी भी तरह की कसरत करना सही रहता है।

ये एक्टिविटीज करने से बचें

प्रदूषित हवा में तेज दौड़ने या हाई-इंटेंसिटी एक्सरसाइज जैसे जंप स्क्वैट्स, माउंटेन क्लाइंबर्स, स्प्रिंट्स और पुश-अप्स जैसे व्यायाम करने से बचें। असल में हाई-इंटेंसिटी एक्सरसाइज करते हुए व्यक्ति बहुत तेज और गहरी सांस भरता है। इस कंडीशन में समझना मुश्किल नहीं कि सामान्य की तुलना में फेफड़ों में ज्यादा प्रदूषक तत्व पहुंचते हैं। तकनीकी सुविधाओं के इस दौर में कसरत के लिए बाहर निकलने से पहले अपने क्षेत्र की एयर क्वालिटी यानि एक्यूआई को भी जांचें। पार्क में सैर या सहज रूप से वॉक पर जाने के लिए अच्छी क्वालिटी के मास्क का उपयोग करना भी आपकी सेहत सहेजने में मददगार बनेगा।

खान-पान भी हो पौष्टिक

शरीर की अच्छी रोग प्रतिरोधक क्षमता, प्रदूषण से लड़ने में भी मदद करती है।

इसीलिए इन दिनों फल और सब्जियों का भरपूर मात्रा में सेवन करें। परंपरागत रूप से भी इन दिनों खाया जाने वाला भोजन इम्यूनिटी बढ़ाने वाला ही लेना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां, मोटे अनाज, घी, आंवला आदि का सेवन अधिक करें। ऐसी सभी चीजें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती हैं। खासकर विटामिन-सी के सेवन से शरीर को मिलने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट्स इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाते हैं। इसके लिए संतरा, गाजर और आंवला जैसे फल जरूर खाएं। इससे आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होगी और प्रदूषण के दुष्प्रभावों का सामना करने की शक्ति आपके भीतर उत्पन्न होगी।

इनका सेवन है लाभकारी

ठंड के मौसम में तुलसी, अदरक, कच्ची हल्दी या दूसरी हर्बल चीजों से बनी चाय भी गले को साफ रखने में मदद करती हैं। साथ ही सूप, दूध और नीबू-शहद का गर्म पानी जैसे गर्म पेय प्रदूषण और स्मॉग के असर को कम करने में मददगार बनते हैं। इन ड्रिंक्स के साथ दालचीनी, काली मिर्च और सोंठ जैसे मसालों का संतुलित मात्रा में उपयोग करना तो इन्हें स्वास्थ्य रक्षा करने वाले पेय पदार्थ बना देता है। साथ ही इनके नियमित सेवन से आपका शरीर हाइड्रेटेड भी रहता है। यहां बताए गए परंपरागत तौर-तरीकों और मौजूदा समय की जरूरत के अनुसार जागरूकता का यह मेल प्रदूषण के घेरे में भी बहुत हद तक आपका स्वास्थ्य सहेजने में सहायक होगा। *

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. दीपक भंगाले

गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट-कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई

पाचन तंत्र के बिगड़ने से कब्ज की समस्या होती है। इससे बचाव के लिए जीवनशैली और खान-पान की आदतों में सुधार करना जरूरी है। कब्ज जागरूकता माह (दिसंबर) के अवसर पर आपको इस बारे में दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

कब्ज की समस्या से ऐसे मिलेगा छुटकारा

वास्तव में कब्ज अपने में कोई बीमारी नहीं है लेकिन यह पाचन तंत्र संबंधी कई स्वास्थ्य समस्याओं को बुलावा दे सकती है।

कभी-कभार होने वाली कब्ज की समस्या विभिन्न उपायों पर अमल करने से दूर हो जाती है, लेकिन अगर कब्ज की समस्या काफी दिनों तक लगातार बनी रहती है तो उसे पुराना कब्ज (क्रॉनिक कॉन्स्टिपेशन) कहा जाता है। ऐसा कब्ज व्यक्ति के स्वास्थ्य और उसके जीवन की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर डालता है। इसलिए कब्ज को हल्के में लेना सही नहीं है।

इसलिए होता है कब्ज: कब्ज होने की कई वजहें हो सकती हैं। भोजन में साबुत अनाजों के स्थान पर मैदा निर्मित खाद्य पदार्थों को वरीयता देना, जीवनशैली में शारीरिक श्रम और व्यायाम को महत्व न देना और जंक फूड्स और चिकनाई युक्त खाद्य पदार्थों को आहार में वरीयता देना, पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना, फाइबर युक्त डाइट (जैसे- फल, ड्राई फ्रूट्स, हरी सब्जियां और बींस आदि) कम लेना या फिर न लेना, एक निश्चित समय पर भोजन न करना, देर रात खान-पान। अकसर तनावग्रस्त या चिंतित रहने वाले लोग कब्ज के शिकार होते हैं, क्योंकि तनावपूर्ण स्थिति में जो हार्मोन रिलीज होते हैं, वे आंतों के मूवमेंट पर प्रतिकूल असर डालते हैं। उम्र बढ़ने के साथ खासकर वृद्धों में आंतों का मूवमेंट स्वाभाविक रूप से कम होने लगता है। हाइपर थायरॉइडिज्म होना या फिर शरीर में हार्मोंस का असंतुलन। लिवर या पेट से संबंधित किसी बीमारी से ग्रस्त होना। मधुमेह की समस्या भी कब्ज उत्पन्न कर सकती है। गर्भवती महिलाएं और ऐसी महिलाएं जिनकी गायनेकोलॉजिकल सर्जरी हो चुकी है, उनके पेट की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिसके कारण वे अकसर कब्ज की समस्या से ग्रस्त हो सकती हैं। रक्त में कैल्शियम की मात्रा कम होना, धूम्रपान, मद्यपान या फिर अन्य मादक पदार्थों का सेवन करना, रोज लगभग 6 से 8 घंटे की गहरी नींद न लेना, कुछ एंटीबायोटिक्स और पेनकिलर्स लेने वालों में कब्ज की समस्या उत्पन्न कर सकते हैं। भूख से कम मात्रा में खाना। स्वाद के फेर में भूख न होने के बावजूद कई बार खाना-पीना। डाइटिंग करना। रात में खाने के तुरंत बाद सोना।

कब्ज के लक्षण: ये लक्षण कब्ज के हो सकते हैं।

- पेट का फूलना और पेट दर्द।
- भूख न लगना।
- पेट में गैस बनना या भारीपन होना।
- मल के बहुत कड़ा हो जाने के कारण टॉयलेट सीट पर बैठकर पेट पर बहुत ज्यादा जोर लगाना।
- आलस्यग्रस्त होना।
- किसी कार्य में मन न लगना।
- 7 से 8 घंटे की नींद न ले पाना।
- सिर दर्द होना या सिर भारी होना।
- जीभ के ऊपर सफेद या मटमैली परत होना, छाले पड़ना।
- थकान या कमजोरी महसूस करना।
- चक्कर आना या जी मिचलाना।
- सीने में जलन महसूस करना।

पुराने कब्ज से होने वाली जटिलताएं: इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। कब्ज की पुरानी समस्या (क्रॉनिक कॉन्स्टिपेशन)बवासीर के अलावा गुदा संबंधी अन्य रोगों जैसे भगंदर और फिसर के जोखिम को बढ़ा देती है। इससे आंतों में एक विशेष प्रकार का उभार (बल्ज) बन जाता है, जिसे मेडिकल भाषा में 'आउटपाउचिंग' कहते हैं। ऐसी स्थिति में आंतों में संक्रमण हो सकता है या फिर ये सिकुड़ सकती हैं। कई लोग डॉक्टर के परामर्श के बगैर कब्ज दूर करने वाली दवाएं लैक्सेटिव्स या जुलाब लेने लगते हैं। ऐसी दवाओं के साइड या आफ्टर इफेक्ट्स हो सकते हैं। अकसर लोग लैक्सेटिव्स के आदी बन जाते हैं। पुराने कब्ज की समस्या आंतों या कोलन कैंसर का कारण बन सकती है।

ऐसे होगी रोकथाम: उपरोक्त जिन कारणों से कब्ज उत्पन्न होता है, उन कारणों को दूर करना ही कब्ज की रोकथाम करना है। जैसे- जंक फूड्स से परहेज करें। अपने आहार में फाइबर्स (मौसमी फलों, हरी पत्तेदार सब्जियों और बींस) को वरीयता दें।

अपनी शारीरिक क्षमता और उम्र के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करें। व्यायाम करने से पूर्व अपने डॉक्टर और फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श लेना हितकर है। प्यास लगने के अलावा भी पानी पीने की आदत डालें। कोई भी मौसम हो लगभग 2 लीटर पानी और तरल पदार्थ जैसे सूप आदि लें। कब्ज दूर करने में पपीता किसी वरदान से कम नहीं। इसके अलावा अमरूद, संतरा और सेब पौष्टिक होने के साथ कब्ज दूर करने में भी सहायक हैं। भूख से कम भी न खाएं और भूख से ज्यादा भी न खाएं। भोजन को अच्छी तरह चबाकर तरल रूप में निगलें। देर रात भोजन से परहेज करें। रात में भोजन करने के बाद तुरंत न सोएं। सोने से पूर्व लगभग 200-250 कदम टहलें। मैदा और अत्यधिक चिकनाईयुक्त आहार के स्थान पर साबुत अनाजों को वरीयता दें।

उपचार: कब्ज की गंभीर और जटिल स्थिति में डॉक्टर कुछ समय के लिए दवाएं, लैक्सेटिव्स देते हैं। प्रत्येक रोगी की समस्या के मद्देनजर उसके लक्षणों के आधार पर इलाज सुनिश्चित किया जाता है। जैसे पेटदर्द और सिरदर्द आदि के लिए अलग-अलग दवाएं देते हैं। लेकिन कभी भी कोई दवा अपने मन से नहीं लेनी चाहिए। कब्ज खासकर पुराने कब्ज की समस्या दूर करने में एनिमा लेना अत्यंत लाभप्रद है। आंतों में एकत्र मल की सफाई करने में एनिमा काफी कारगर है, लेकिन एनिमा लेने से पहले चिकित्सक से परामर्श लें। कब्ज की समस्या का स्थाई इलाज सकारात्मक जीवनशैली में निहित है। सकारात्मक जीवनशैली के अंतर्गत प्रमुख तौर पर समुचित शारीरिक श्रम, नियमित व्यायाम और उपयुक्त खानपान को शामिल किया जाता है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी 2030 तक अपने कारोबार में करेगी निवेश

अमेजन भारत में करेगी 35 अरब डॉलर का निवेश, मिलेगी 10 लाख नौकरियों की सौगात

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- एआई संचालित डिजिटलीकरण और रोजगार सृजन पर करेगी ध्यान केंद्रित
- निवेश से भारत में अतिरिक्त 10 लाख नौकरियां उत्पन्न करने में मिलेगी मदद
- माइक्रोसॉफ्ट भारत में 2030 तक डेटा सेंटर, एआई और क्लाउड में करेगी निवेश

अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने भारत में 2030 तक अपने सभी व्यवसायों में 35 अरब अमेरिकी डॉलर का भारी निवेश करने की योजना की बुधवार को घोषणा की। कंपनी का मकसद कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित डिजिटलीकरण, निर्यात वृद्धि और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करना है।

अमेजन ने यह घोषणा माइक्रोसॉफ्ट द्वारा भारत में 2030 तक डेटा सेंटर, एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिज्ञा जताने के एक दिन की है। इससे पहले गूगल ने अगले पांच वर्षों में एआई डेटा सेंटर बनाने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

लॉजिस्टिक्स जैसे बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ेगा

अमेजन ने कहा कि 2030 तक कृत्रिम मेधा और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में उसके निवेश से भारत में अतिरिक्त 10 लाख नौकरियां उत्पन्न करने में मदद मिलेगी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन..वॉलमार्ट समर्थित फ्लिपकार्ट के साथ-साथ अरबपति मुकेश अंबानी की घरेलू कंपनियों और इटर्नल लिमिटेड की ब्लिंकट, स्विगी लिमिटेड की इंस्टामार्ट एवं जेप्टो जैसी तुरंत 'डिलीवरी' करने वाली कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए निवेश बढ़ा रही है।

अमेजन भारत में सबसे बड़ा निवेशक

अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने अब तक भारत में 40 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों से संकलित 'कीस्टोन' की एक रिपोर्ट के अनुसार यह भारत में सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है। अमेजन ने मई 2023 में तेलंगाना और महाराष्ट्र में अपने स्थानीय क्लाउड एवं एआई बुनियादी ढांचे में 2030 तक भारत में 12.7 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना की घोषणा की।

रोजगार सृजन पर ध्यान होगा केंद्रित

कंपनी ने कहा कि यह निवेश ''रणनीतिक रूप से भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है और एआई क्षमताओं के विस्तार, लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, छोटे व्यवसायों के विकास का समर्थन करने तथा रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

संभव शिखर सम्मेलन में घोषणा

उभरते बाजारों के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने 'अमेजन संभव शिखर सम्मेलन' के दौरान कहा, '' लाखों भारतीयों के लिए एआई तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाते हुए हम भारत की वृद्धि के लिए उत्प्रेरक बने रहने को लेकर उत्साहित हैं।''

कंपनी का भारत से निर्यात 80 अरब डॉलर करने का लक्ष्य

अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने भारत से निर्यात को चौगुना कर 80 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है जो अभी करीब 20 अरब डॉलर है। साथ ही 2030 तक अतिरिक्त 10 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य रखा है। अग्रवाल ने कहा, ''अमेजन ने 2010 से अब तक भारत में 40 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। अब हम 2030 तक भारत में अपने सभी व्यवसायों में 35 अरब अमेरिकी डॉलर का और निवेश करेंगे।''

अमेजन भारत में 3.7 अरब डॉलर का कर चुकी निवेश

कंपनी 2016 और 2022 के बीच भारत में पहले ही 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश कर चुकी है। अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया है जिसमें पूर्ति केंद्र, परिवहन नेटवर्क, डेटा केंद्र, डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचा एवं प्रौद्योगिकी विकास शामिल हैं।

कंपनी ने 2024 में 28 लाख नौकरियां की है सृजित

'कीस्टोन' रिपोर्ट के अनुसार अमेजन ने 1.2 करोड़ से अधिक छोटे व्यवसायों का डिजिटलीकरण किया है और 20 अरब अमेरिकी डॉलर के संचयी ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम बनाया है जबकि 2024 में भारत में विभिन्न उद्योगों में लगभग 28 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नौकरियों सृजित की हैं।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट सेंसेक्स 275 अंक टूटा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- निजी बैंकों और आईटी शेयरों में रही बिकवाली
- निफ्टी में आई 82 अंक की गिरावट

टिकाऊ उपभोक्ता, निजी बैंकों और आईटी शेयरों में बिकवाली के बीच स्थानीय शेयर बाजार के मानक सूचकांक बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 275 अंक गिर गया जबकि निफ्टी में 82 अंक की गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 275.01 अंक गिरकर 84,391.27 अंक पर बंद हुआ। यह 11 नवंबर के बाद इसका सबसे निचला स्तर है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 85,020.34 के ऊपरी और 84,313.62 के निचले स्तर को छुआ। निफ्टी भी अंतिम घंटे की बिकवाली के दबाव में 81.65 अंक गिरकर 25,758 अंक पर बंद हुआ। शुरुआती बढ़त को खत्म कर दिया और सेंसेक्स एवं निफ्टी एक महीने के निचले स्तर पर बंद हुए। जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''भारतीय बाजारों ने वैश्विक सतर्कता का अनुसरण किया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली, रुपये की कमजोरी और अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता में अनिश्चितता से धारणा प्रभावित हुई।'' एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट, जापान का निक्केई, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट में बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग हरे निशान में था।

एयरटेल, इंफोसिस में रही गिरावट

सेंसेक्स के शेयरों में इटर्नल, ट्रेंट, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर गिरावट में रहे।

ये शेयर रहे लाभ में

हालांकि टाटा स्टील, सन फार्मास्यूटिकल्स, आईटीसी, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, पावरग्रिड और एशियन पेंट्स के शेयरों में बढ़त रही।

बिलासपुर में बनाएं अपने सपनों का घर

बिलासपुर। अगर लोग अपने सपनों का आशियाना बनाने की सोच रहे हैं, तो उनकी खुशियों का नया पता ढूंढने की आवश्यकता नहीं है। अलास्का होम्स में उन्हें सारी खुशियों के साथ अन्य सुविधाएं भी मिल सकती है।

अलास्का होम्स एक नया प्रोजेक्ट लेकर आ रहा है। अगर कोई शहर में अपने सपनों का आशियना बनाना चाहता है तो उन्हें इसके लिए कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं है। अलास्का होम्स बिजौर-बहतराई रोड के बीच में 13 एकड़ के क्षेत्र में रेरा एप्रूव्ड बेहतरीन टाउनशिप शुरु कर रहा है, जिसमें लोग निवेश कर सकते हैं। यह कालोनी पूरी तरह से शासन के नियमों का पालन करते हुए विकसित की जा रही है, जिसमें मजबूत स्ट्रक्चर और इंजीनियरों की देखरेख में शानदार मकान का निर्माण हो रहा है। अलास्का होम्स लोगों की जरूरतों को पूरा करते हुए टीएनसी यानि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग रेरा से स्वीकृत प्रोजेक्ट है, जो हरियाली से पूर्ण स्थान पर स्थित है। ग्राहकों की पसंद के अनुरूप यहां सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है, जिसका अलास्का होम्स में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। यहां बनाए गए मकानों की बुकिंग के लिए ग्राहकों की होड़ लग गई है। शीघ्र ही लोग अपने मनपसंद आवास की बुकिंग करा सकते हैं। यह शहर के नजदीक होने के साथ मुख्य बाजार, हास्पिटल व स्कूल के काफी नजदीक है, जिससे लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।

स्वतंत्र आवासीय कालोनी

संचालक अनुराग शुक्ला एवं आनंद सोमावार ने बताया कि अलास्का होम्स में 141 मकानों की स्वतंत्र आवासीय कालोनी है, जिसे आम नागरिकों की सभी मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है। सुरक्षागत कारणों से सीसीटीवी कैमरे व सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था भी की गई है। रात में स्ट्रीट लाइट पूरी कालोनी में उपलब्ध है। अलास्का होम्स के हर घर में वाटर हार्वेस्टिंग की सुविधा दी जा रही है, जिससे जमीन पर जल संचय अधिक से अधिक होगा। प्रतिवर्ष हजारों लीटर पानी बरसात में अलास्का होम्स के भूमिगत जल स्तर में बढ़ोत्तरी के लिए प्रयोग किया जा रहा है।

योग के लिए ग्रीन गार्डन

अलास्का होम्स में निवास करने वाले लोगों के लिए अन्य सुविधाएं भी दी गई है, जिसमें एक भव्य मंदिर के साथ बच्चों के मनोरंजन की सुविधा, योग के लिए गार्डन, 24 घंटे बिजली पानी की व्यवस्था, अंडरग्राउंड नाली जिसमें मच्छर मक्खियां न आ सकें। अलास्का होम्स के पास ही बिरला पब्लिक स्कूल, ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल और वाटर पार्क भी स्थित है। यहां वर्तमान में 30 से अधिक खुशहाल परिवार निवासरत है।

एयरपे को सीमापार भुगतान 'एग्रीगेटर' की मंजूरी मिली

मुंबई। एयरपे पेमेंट सर्विसेज को सीमापार भुगतान 'एग्रीगेटर' के रूप में काम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से मंजूरी मिल गई है। ऑनलाइन, भौतिक एवं सीमापार श्रेणियों में भुगतान 'एग्रीगेटर' के रूप में काम करने का लाइसेंस मिल गया है। यह उपलब्धि एयरपे को घरेलू एसएमई के लिए एक पूर्ण भुगतान रूप में स्थापित करती है।

रुपया नौ पैसे टूटकर 89.96 डॉलर पर बंद

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुझान और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच रुपया बुधवार को नौ पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.96 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि निवेशक निर्णायक रुख अपनाने से पहले अमेरिकी फेडरल रिजर्व से स्पष्टता की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

अब तक दो लाख से अधिक फर्मों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता

- मान्यता प्राप्त फर्म आयकर छूट जैसे प्रोत्साहनों का लाभ उठाने होती है पात्र

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि सरकार ने अब तक दो लाख से अधिक फर्मों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी है। 'स्टार्टअप इंडिया' पहल के तहत मान्यताप्राप्त फर्म आयकर छूट जैसे प्रोत्साहनों का लाभ उठाने के लिए पात्र हो जाती हैं।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''आज की तारीख तक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने कुल 2,01,335 स्टार्टअप को मान्यता दी है। इन स्टार्टअप ने देश भर में 21 लाख से अधिक रोजगार सृजित किए हैं। बयान के मुताबिक, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 14 क्षेत्रों में जून 2025 तक 1.88 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वास्तविक निवेश हासिल किया जा चुका है। पीएलआई योजनाओं के तहत 7.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात भी हुआ है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक, औषधि, दूरसंचार व नेटवर्किंग उत्पाद और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

अब तक 47,000 से अधिक अनुपालन नियम हट चुके

डिजिटल वाणिज्य के लिए खुले नेटवर्क की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा गया कि सरकारी ई-कॉमर्स मंच ओएनडीसी ने अक्टूबर 2025 तक 32.6 करोड़ से अधिक ऑर्डर पूरे किए हैं। कारोबारी सुगमता पर मंत्रालय ने कहा कि नवंबर, 2025 तक 47,000 से अधिक अनुपालन नियमों को हटाया जा चुका है।

इंटेल भारत के चिप मिशन के समर्थन के लिए प्रतिबद्ध...

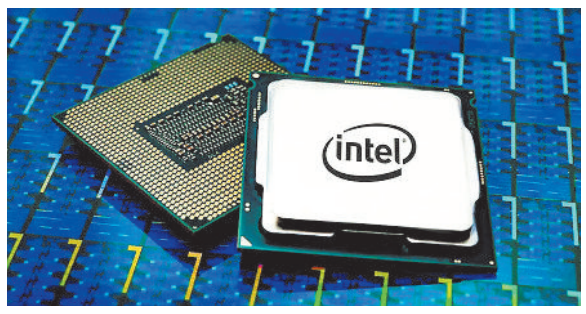

नई दिल्ली। अमेरिकी कंप्यूटर चिप कंपनी इंटेल के सीईओ लिप-बू टैन ने कहा कि कंपनी सरकार के भारत सेमीकंडक्टर मिशन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। टैन का यह बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात के बाद आया है।टैन ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट किया ' नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर सम्मानित महसूस हुआ। हमने प्रौद्योगिकी, कंप्यूटिंग और भारत के लिए जबरदस्त क्षमता से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा की। मैं एक व्यापक सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण नीति लागू करने के लिए प्रधानमंत्री की सराहना करता हूं और इंटेल भारत के सेमीकंडक्टर मिशन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।' इंटेल लगभग चार दशकों से भारत में है।

वाहन कलपुर्जों पर शुल्क रियायत दें सोच समझकर

नई दिल्ली। एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल कुमार मिंडा ने यूरोपीय संघ के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के तहत मोटर वाहन कलपुर्जों पर आयात शुल्क में अंधाधुंध कटौती को लेकर आगाह किया और कहा कि घरेलू विनिर्माताओं

खासतौर पर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को नुकसान से बचाने के लिए ऐसी रियायतें ''सोच-समझकर'' दी जानी चाहिए। मिंडा ने कहा कि यदि प्रस्तावित समझौते के तहत यूरोपीय संघ (ईयू) को दी जाने वाली शुल्क रियायतों से घरेलू कंपनियों को उन्नत प्रौद्योगिकी, बड़े बाजारों एवं स्थिर आपूर्ति श्रृंखलाओं तक पहुंच मिलती है तो उन पर विचार करना सही होगा खासकर उन उत्पादों के लिए जिनमें भारत को लागत के मामले में लाभ मिलता है।

एमएसएमई को हो सकता है नुकसान

मिंडा ने कहा, हालांकि पूर्ण कटौती से घरेलू आपूर्तिकर्ताओं खासतौर पर एमएसएमई को नुकसान हो सकता है क्योंकि यूरोपीय संघ के घटक अक्सर मजबूत पैमाने, स्वचालन एवं सब्सिडी वाले होते हैं।'' भारत और 27 देशों का यूरोपीय संघ 2007 से एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। नौ दिसंबर को दोनों पक्षों ने समझौते पर एक उच्च स्तरीय बैठक की। मिंडा अग्रणी मोटर वाहन उपकरण विनिर्माता कंपनी ऊनो मिंडा के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) भी हैं। उन्होंने कहा, '' इसलिए किसी भी रियायत को स्पष्ट पारस्परिकता, चरणबद्ध समयसीमा और सुरक्षा उपायों से जोड़ा जाना चाहिए ताकि भारत के विनिर्माण आधार की निरंतर वृद्धि सुनिश्चित हो सके।''

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल / महा.प्र. / कुस.क्षेत्र / भू.रा. / 2025 / 1284 दिनांक 16.11.2025

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र द्वारा ग्राम खोड़री के 120.959 हे. की भूमि का अर्जन सी.बी.ए.एक्ट (ए.एण्ड डी) अधिनियम 1957 के तहत किया गया है, जिसमें लागू सी.आई.एल. (आर.एण्ड आर.) पालिसी 2012 के अनुसार घटते क्रम (रकबा के) Concept के आधार पर 113 भू-स्वामियों / आश्रितों की पात्रता बनती है, जिसमें से 03 भूस्वामी / आश्रित द्वारा रोजगार हेतु नामांकन पत्र जमा किया गया है, जिसका विवरण अधो लिखित तालिकानुसार है:-

क्र.	स्टेटमेंट 5 के अनुसार भूस्वामी का नाम / पिता का नाम	खसरा नम्बर	रकबा (हे. में)	कुल रकबा (हे. में)	उम्मीदवार का नाम (नामांकित व्यक्ति का नाम) एवं खातेदार से संबंध	भूस्वामियों / नामित उम्मीदवार द्वारा जमा किए गए पत्रों में भूस्वामी / उम्मीदवार का नाम			टिप्पणी
						विभिन्न दस्तावेज	विभिन्न दस्तावेज के आधार पर खातेदार का नाम	विभिन्न दस्तावेज के आधार पर उम्मीदवार का नाम	
1	नकुलसिंह पिता पुरन सिंह	3 / 1 29 / 1 29 / 5 35 / 1 35 / 4 60 / 1 90 113 / 1 148 / 1 156 / 1 242 / 1 ज 319 / 1 328 / 1 333 / 1 25 / 3	0.133 0.081 0.101 0.133 0.061 0.125 0.040 0.117 0.061 0.040 0.081 0.036 0.045 0.093 0.089	1.236	दूज बाई पति नकुल सिंह (संबंध- पत्नि)	नामांकन पत्र	नकुल सिंह पिता पुरन सिंह	दूज बाई पति नकूल सिंह	खातेदार एवं उम्मीदवार के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार विभिन्न पत्रों / दस्तावेजों में भिन्न भिन्न नाम एक ही व्यक्ति के है।
						सत्यापन	नकुल सिंह पिता पुरन सिंह	दूजबाई पति नकुल सिंह	
						घटते क्रम सूची के अनुसार क्र. - 11	नकुलसिंह पिता पुरन सिंह	---	
						स्टेटमेंट 1 A	नकुलसिंह पिता पुरन सिंह	---	
						बी- 1 वर्ष 2017-17	नकुलसिंह पुत्र पुरनसिंह	---	
						बी- 1 वर्ष 2022-23	नकुलसिंह पुत्र पुरनसिंह	---	
						पी- 2 वर्ष 2016-17- 2020-21	नकुलसिंह पुत्र पुरनसिंह	---	
						पी- 2 वर्ष 2022-23	नकुलसिंह पुत्र पुरनसिंह	---	
						ऋण पुस्तिका	नकुलसिंह व. पूरनसिंह	---	
						नामांतरण पंजी	नकुलसिंह - पूरनसिंह	---	
						वंशवृक्ष	नकुल सिंह पिता स्व. पूरन सिंह	दूज बाई पति नकुल सिंह	
						निवास प्रमाण पत्र	----	दूज बाई पति नकुल सिंह	
						जाति प्रमाण पत्र	----	दूज कुंवर पिता अनंद सिंह	
						शैक्षणिक प्रमाण पत्र	---	---	
						रोजगार पंजी	----	DUJ BAI W/O NAK	
						आधार कार्ड	नकुल सिंह पिता पूरनसिंह	दूज बाई पति नकुल सिंह	
1	गोपालसिंह पिता दुलारसाय कंवर	62 / 2 97 144 / 2 161 168 / 2 181 323 / 2 325 / 2	0.093 0.251 0.040 0.065 0.109 0.053 0.061 0.117	0.789	गोपाल सिंह पिता दुलारसाय (संबंध-स्वयं)	नामांकन पत्र	गोपाल सिंह पिता दुलारसाय कंवर	गोपाल सिंह पिता दुलारसाय कंवर	खातेदार एवं उम्मीदवार के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार विभिन्न पत्रों / दस्तावेजों में भिन्न भिन्न नाम एक ही व्यक्ति के है।
						सत्यापन	गोपाल सिंह पिता दुलारसाय कंवर	गोपालसिंह पिता दुलारसाय कंवर	
						घटते क्रम सूची के अनुसार क्र. - 27	गोपालसिंह पिता दुलारसाय कंवर	---	
						स्टेटमेंट 1 A	गोपालसिंह पिता दुलारसाय कंवर	---	
						बी- 1 वर्ष 2016-17	गोपालसिंह पिता दुलारसाय कंवर	---	
						बी- 1 वर्ष 2019-20	गोपाल सिंह पिता दुलार साय	---	
						पी- 2 वर्ष 2016-17- 2020-21	गोपाल सिंह पिता दुलारसाय	---	
						पी- 2 वर्ष 2019-20	गोपाल सिंह पिता दुलार साय	---	
						ऋण पुस्तिका	गोपाल पिता दुलारसाय कंवर	---	
						नामांतरण पंजी	गोपालसिंह पि0 दुलारसाय कंवर	---	
						वंशवृक्ष	गोपाल सिंह पिता दुलार साय	गोपाल सिंह पिता दुलार साय	
						निवास प्रमाण पत्र	----	गोपाल सिंह पिता दुलार साय	
						जाति प्रमाण पत्र	----	गोपाल सिंह पिता दुलार साय	
						शैक्षणिक प्रमाण पत्र	---		
						रोजगार पंजी	----		
						आधार कार्ड	गोपाल सिंह पिता दुलारसाय	गोपाल सिंह पिता दुलारसाय	
1	रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह	52 / 4 221 / 3 240 / 9 240 / 11 335 / 4	0.154 0.097 0.045 0.040 0.085	0.421	सरिता कंवर पति रामेश्वर सिंह (संबंध- पत्नि)	नामांकन पत्र	रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह	सरिता कंवर पति रामेश्वर सिंह	खातेदार एवं उम्मीदवार के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार विभिन्न पत्रों / दस्तावेजों में भिन्न भिन्न नाम एक ही व्यक्ति के है।
						सत्यापन	रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह	सरिता कंवर पति रामेश्वर सिंह	
						घटते क्रम सूची के अनुसार क्र.- 88	रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह	---	
						स्टेटमेंट 1	रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह	---	
						बी- 1 वर्ष 2017-17	रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह	---	
						बी- 1 वर्ष 2019-20	रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह	---	
						पी- 2 वर्ष 2016-17- 2020-21	रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह	---	
						पी- 2 वर्ष 2019-20	रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह	---	
						ऋण पुस्तिका	रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह	---	
						नामांतरण पंजी	रामेश्वर सिंह पि. लछनसिंह कंवर	---	
						वंशवृक्ष	रामेश्वर सिंह पिता स्व. लछन सिंह	सरिता कंवर पति रामेश्वर सिंह	
						निवास प्रमाण पत्र	----	सरिता कंवर पति रामे वर सिंह	
						जाति प्रमाण पत्र	----	सरिता पिता चमरा सिंह	
						शैक्षणिक प्रमाण पत्र	---	-कु. सरिता आत्मजा चमरा सिंह	
						रोजगार पंजी	----		
						आधार कार्ड	रामेश्वर सिंह कंवर पिता लछन	सरिता कंवर पति रामेश्वर सिंह कँवर	

उक्त भूस्वामी / नामांकित व्यक्ति (उम्मीदवार) के रोजगार या उनके नाम के संबंध में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की यदि आपत्ति हो तो वे प्रकाशन दिवस से 7 दिनों के अंदर अपना दावा आपत्ति महाप्रबंधक, कार्यालय एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र में प्रस्तुत कर सकते है, दिये गये समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

SECL/25-26/255

स्टाफ अधिकारी (भू.रा.), एसईसीएल, कुसमुण्डा क्षेत्र

हाईकोर्ट ने अरपा नदी के उदगम स्थल भूमि अधिग्रहण को लेकर शासन से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

बिलासपुर। राज्य की तीन अन्य नदियों के संरक्षण के लिए उनके उदगम स्थल को संवारने जिला कमेटी की घोषणा की गई है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने बुधवार को हुई सुनवाई में अरपा नदी के उदगम स्थल के अधिग्रहण को लेकर शासन से स्टेटस रिपोर्ट मंगाई है। मामले में अगली सुनवाई 20 जनवरी को निर्धारित की गई है।

इससे पूर्व राज्य से निकलने वाली नदियों के उदगम स्थल आखिर क्यों सूख रहे हैं यह जानने और इन स्थलों को तलाशने के लिए राज्य सरकार ने कमेटी बनाने की घोषणा की थी। इसके साथ ही यह तय किया कि प्रदेश की 10 नदियों के संरक्षण और संवर्धन पर यह कमेटी काम करेगी। पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने इसके आदेश दिए थे। इसके साथ ही सभी नदियों और उनके उदगम स्थल को राजस्व रिकार्ड में दर्ज करने का भी आदेश दिया गया। दरअसल रिकार्ड में यह नदियां और उनके उदगम स्थल फिलहाल नाले के रूप में दर्ज है। शासन द्वारा सोमवार को पेश जवाब में कहा गया कि 7 नदियों अरपा, महानदी, हसदेव, तांदूला, पैरी, केलो, मांड के लिए कमेटी का गठन कर दिया गया। हाईकोर्ट ने कोरबा के लीलागर, पेण्ड्रा की सोनभद्र और तिपान नदी को भी संरक्षित करने निर्देशित किया था। आज बुधवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच में हुई सुनवाई में शासन की ओर से बताया गया कि हाईकोर्ट के निर्देश के परिपालन में गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले की सोन नदी एवं तिपान नदी के उदगम स्थलों की पहचान कर नदियों के स्त्रोतों का पुनरूद्धार व पुनर्जीवित करने के लिए उपसमिति का गठन किया गया है। इसमें कलेक्टर जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही अध्यक्ष होंगे जबकि जीपीएम जिला पंचायत सीईओ, जीपीएम वनमंडलाधिकारी, जीपीएम अपर कलेक्टर, जीपीएम कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग मरवाही, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन पेण्ड्रारोड, जिला खनिज अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेण्ड्रारोड, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मरवाही, सीएमओ नगर पालिका परिषद गौरेला, सीएमओ नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा, सीएमओ नगर पंचायत मरवाही को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

उद्गम स्थल को संवारने जिला कमेटी की घोषणा, 20 जनवरी को होगी मामले में सुनवाई

जल संसाधन सचिव ने पेश किया है शपथ पत्र

इसी तरह कोरबा जिले में भी लीलागर नदी के संरक्षण के लिए भी उदगम स्थल को पुनर्जीवित करने एक कमेटी बनाई गई है। इसके बारे में जल संसाधन सचिव ने शपथ पत्र पेश किया है। इसमें बताया गया कि कोरबा जिले में लीलागर और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में सोन और टिपन नदियों के उदगम और रिवाईवल के संबंध में संबंधित कलेक्टरों को कमेटियां या सब कमेटियां बनाने का निर्देश दिया गया है और नदियों के उदगम की पहचान और रिवाइवल के लिए सभी ईमानदारी से कोशिशें की जा रही है।

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय स्थित सभागार में राज्य की योजनाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने सचिवों को निर्देशित किया कि अपने विभाग के लिए अगले तीन वर्षों की कार्ययोजना तैयार करें, ताकि प्रदेश में कुशलता के साथ और तीव्र गति से काम हो सकें।

मेडिकल पीजी में एडमिशन के लिए शासन के नियम को चुनौती

बिलासपुर। मेडिकल पीएडमिशन के लिए राज्य सरकार द्वारा बनाए गए नए नियम को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। पांच चिकित्सकों ने अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच में हुई। कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। डिवीजन बेंच ने नए नियमों के तहत पीजी में प्रवेश को हाई कोर्ट के फैसले से बाधित रखा है। मामले में 2 दिनों में राज्य सरकार से जवाब मांगा गया है।

मेडिकल पीजी में प्रवेश के लिए राज्य सरकार द्वारा बनाए गए नए नियमों को चुनौती देते हुए प्रभाकर चंद्रवंशी व पांच अन्य चिकित्सकों ने अधिवक्ता के जरिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता चिकित्सकों ने अपनी याचिका में कहा है कि राज्य सरकार ने मेडिकल पीजी में एडमिशन के लिए पूर्व में जारी नियमों में बदलाव कर छत्तीसगढ़ में अध्ययनरत मेडिकल छात्रों का अहित कर दिया है। पूर्व के नियमों का हवाला देते हुए याचिका में कहा गया है कि पूर्व में स्टेट और ऑल इंडिया कोटे में बराबर सीटें थी। 50-50 प्रतिशत सीटें ऑल इंडिया और स्टेट कोटे के लिए तय की गई थी। इसमें बदलाव करते हुए राज्य सरकार ने ऑल इंडिया कोटे की सीटें 50 फीसदी से बढ़ाकर 75 फीसदी कर दिया है। स्टेट कोटे की सीटें घटाकर 25 प्रतिशत कर दिया है। इससे छत्तीसगढ़ के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की पढ़ाई के बाद पीजी में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को नुकसान होगा। याचिकाकर्ता चिकित्सकों ने राज्य शासन की शर्तों का जिक्र करते हुए कहा कि एमबीबीएस की डिग्री हासिल करने के बाद दो वर्ष तक दूरस्थ इलाकों में सेवा देने की अनिवार्यता है। दो वर्ष तक दूरस्थ अंचलों में स्थिति अस्पतालों में सेवा देने के बाद ही पीजी में प्रवेश की पात्रता मिलती है। ऑल इंडिया कोटे की सीटें बढ़ा देने और छत्तीसगढ़ सरकार के कड़े शर्तों का पालन करने के बाद स्टेट कोटा की सीटें घटा देने से राज्य के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों को मेडिकल पीजी में एडमिशन से वंचित होना पड़ेगा। याचिकाकर्ता चिकित्सकों ने पूर्व की तरह स्टेट और ऑल इंडिया कोटे के लिए बराबर सीटें आरक्षित रखने की मांग की है।

3 बड़े बकायादारों से 23 लाख से अधिक की वसूली

रायपुर। नगर निगम ने मंगलवार को 3 बड़े बकायादारों के स्थल को सीलबंद करते हुए 23 लाख 54 हजार 60 रुपये की वसूली की। जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी के निर्देश पर जोन 1 की टीम ने बड़े बकायादारों के खिलाफ मुहिम चलाई। चारुलता बेन ईश्वर पेपर मिल गोंदवारा पर 9 लाख 67 हजार 529 रुपये, दीपक कुमार पटेल हिन्द पाइप पर 10 लाख 29 हजार 91 रुपये एवं सुनील टिम्बर मार्केट नरेश गौनियाल पर 3 लाख 57 हजार 440 रुपये की राशि बकाया थी। जोन 1 की टीम ने तीनों संस्थानों पर सीलबंदी करते हुए बकाया राशि की वसूली की।

राशिफल

मेष — कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह — बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु — व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ — मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE BILASPUR, CHHATTISGARH

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 409, 410, 412, 413, 414, 415 एवं 416 दिनांक 17.11.2025 को अपेन्डिक्स 2.10 की कंडिका 4.6 के तहत अपरिहार्य कारणवश निरस्त किया जाता है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

जी 252605356/4

कार्यालय, उपसंचालक, शासकीय आयुर्वेद फार्मेसी, रायपुर (छ.ग.)

ई-मेल :- govt.ayurvedicpharmacy@gmail.com
दूरभाष एवं फैक्स क्र. 0771-2263437

-:: द्वितीय निविदा-सूचना ::-

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक. / 1408 दिनांक 09/12/2025

उपसंचालक, शासकीय आयुर्वेद फार्मेसी, रायपुर (छ.ग.) की ओर से निर्माताओं तथा अधिकृत विक्रेताओं से कच्ची औषधियां एरण्ड मूल, कटेरी बड़ी (वृहन्ती), टंकण (सुहागा), गंधक, तुलसी पत्र, दालचीनी त्वक, देवदारू, नागरमोथा, पिप्पली छोटी, पद्माख, रास्ना पत्र, सौंफ (हरी), काकडाश्रृंगी एवं गुड प्रदाय करने हेतु मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करते हुए (आयकर प्रमाण-पत्र सहित) रूपये 500.00 नगद भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते है। उक्त निविदा पत्र कार्यालय प्राचार्य शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय रायपुर की वेबसाईट www.gacraipurcg.in पर अवलोकन किया जा सकता है।

निविदा बिक्री की अंतिम तिथि,	दिनांक 29.12.2025	समय सायं 04 बजे तक
निविदा डाक से प्राप्त होने / निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक 30.12.2025	समय दोपहर 02 बजे तक
निविदा की अमानत राशि (ई.एम.डी.) लिफाफे खोलने की तिथि	दिनांक 30.12.2025	समय दोपहर 03 बजे

स्थान - कार्यालय, उपसंचालक, शासकीय आयुर्वेद फार्मेसी, जी.ई. रोड, आयुर्वेदिक कॉलेज केम्पस, रायपुर (छ.ग.)

उपसंचालक,
शासकीय आयुर्वेद फार्मेसी
रायपुर (छ.ग.)

जी 252605355/3

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, रायपुर परिक्षेत्र रायपुर (छ.ग.)

जेम पोर्टल निविदा सूचना

जुलाई, 2025 से दिसम्बर, 2025 की अवधि हेतु जेम पोर्टल के आध्यम से 32 मि.मी. व्यास, जी.आई. राईजर पाईप क्रय किये जाने हेतु ऑनलाईन द्वितीय निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	जेम पोर्टल में ऑनलाईन बिड क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	लागत (रू.लाख में)
1	GEM/2025/B/6970191/ 09-12-2025	रायपुर परिक्षेत्र हेतु 32 मि.मी. व्यास, जी.आई. राईजर पाईप क्रय	72.64
2	GEM/2025/B/6970303/ 09-12-2025	बिलासपुर परिक्षेत्र हेतु 32 मि.मी. व्यास, जी.आई. राईजर पाईप क्रय	104.75
3	GEM/2025/B/6969941/0 9-12-2025	जगदलपुर परिक्षेत्र हेतु 32 मि.मी. व्यास, जी.आई. राईजर पाईप क्रय	33.64

Important Events and Time Schedule - Bid Start Date **-09-12-2025,** Pre Bid meeting date-**15-12-2025,** Bid Due Date- **24-12-2025,** PHY Doc. Submission last Date - **24-12-2025.**

नोट :- उपरोक्त निविदाओं की सामान्य शर्तों, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी जेम पोर्टल https://gem.gov.in में उक्त निविदा दिनांक 09.12.2025 से देखी जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता (प्रकोष्ठ प्रभारी)
राज्य स्तरीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय मुख्य अभियंता,
लो.स्वा.यां विभाग, परिक्षेत्र रायपुर (छ.ग.)

जी-252605348/5

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, वृत्त-अम्बिकापुर

प्रथम निविदा आमंत्रण

विज्ञापन क्रं:-152

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, वृत्त अम्बिकापुर के निक्षेप कार्य अंतर्गत जिला-जशपुर अंतर्गत पंडरापाठ तहसील सन्ना विकासखण्ड बगीचा में प्रस्तावित आर्चरी अकादमी परिसर का निर्माण एवं विकास कार्य हेतु निविदा दिनांक 30.12.2025. तक एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाईट www.cghb.gov.in एवं पर http://eproc.cgstate.gov.in उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग जशपुर के मो.नं. - 8224849998 पर संपर्क करें।

सं.46199 उपायुक्त

कार्यालय प्राचार्य डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़

फोन नं 0771.2272399
NAAC Grade B++
ई-मेल drrbgnkm1986@gmail.com
college code-1106

क्र./906 /स्था./2025 रायपुर, दिनांक 9/12/25

अतिथि व्याख्याता हेतु संक्षिप्त विज्ञापन

डॉ. राधा बाई शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय, रायपुर के प्राध्यापक / सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान के रिक्त पद के विरूद्ध अध्यापन व्यवस्था हेतु योग्य एवं निर्धारित अर्हताधारी आवेदकों से अतिथि व्याख्याता, हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदक अपने समस्त प्रमाण-पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन दिनांक 27.12.2025 को सायं 05.00 बजे तक केवल रजिस्टर्ड डाक अथवा वाहक के हस्ते (संबंधित महाविद्यालय के कार्यालय से पावती प्राप्त करे) प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।

नोट :- विस्तृत विज्ञापन संस्था के नोटिस बोर्ड / महाविद्यालय की वेबसाईट www.dnkm.ac.in में अपलोड किया गया है। जिससे विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

संस्था प्रमुख
PRINCIPAL
Dr Radha Bai Naveen Kanya Mahavidyalaya
RAIPUR, (C.G.)

जी 252605360/1

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION

e-Procurement Tender Notice
Main Portal : http://eproc. cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT NO: 824/PWD/Zone -09/2025 **RAIPUR, DATED : 09/12/2025**

Online bids are invited for the following works of works up to Date 02/01/2026 at 17:30 hours.

Sl. No.	System Tender No.	Name of work	Amount of the Estimate	Earnest Money Deposit	Eligible class of contract or/firm	Time allowed for Completion	SOR Applicable
1	181532	लाल बहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक 51 अंतर्गत जोरा मुक्तिधाम का सौंदर्यीकरण कार्य।	6094000/-	45800/-	Class- D & above	06 माह	लोक निर्माण विभाग के भवन एवं सड़क एस.ओ.आर. दिनांक 01.01.2025 से प्रभावशील तथा निविदा तक संशोधित

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh. e-Procurement Portal https: //eproc.cgstate.gov.in from 10/12/2025, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

Note:- **1.** All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal. **2.** Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. **1800 419 9140** or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in **3.** कार्य के लिए निविदा शुल्क देना होगा। कार्य क्रमांक-01 के लिए निविदा शुल्क राशि रु. 3000.00 मात्र देय डिमांड ड्राफ्ट अथवा बैंकर्स चेक आयुक्त, नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से होगा तथा वापसी अयोग्य होगी।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

ZONE COMMISSIONER
ZONE-9
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

Nava RaipurAtal NagarVikas Pradhikaran

Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Atal Nagar, Raipur-492 002, Chhattisgarh.
Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400.Website: www.navaraipuratalnagar.com

Notice Inviting Tender

9396.../6(2)/548B/2661/737/Estate/Nava Raipur Atal Nagar, **Dated, 05/12/2025**

Nava Raipur Atal Nagar Vikas Pradhikaran invites tender for allotment of Residential plots at various locations in Nava Raipur Atal Nagar. The location and Reserve Premium details are as provided below:-

S.N.	Location	Plot No.	Area (Sq.m.)	Reseve land Premium (INR/Sq.mt.)
1	Sector-15	B12/29	312.50	16,695.00
2	Sector-12	U7	506.23	19.020.00
3	Sector-30	D2/10 B5/A11	915.75 130.50	14,080.00

The detailed allottment schedule is as below:-

Last Date of online Tender Document Filling	Tender document can be filled online till 5:00 p.m On 22nd December 2025 of the month Or next working day in case of holiday on 22nd December 2025
Date for Hard Copy Submission and opening of Tender and Financial Proposal	Last date for submission of Hard copy of filled Tender Document * 2:00 p.m till 24 December 2025 of month or next working day in case of holiday on 24th December 2025 * Opening: 3:30 p.m on 24th December 2025 of month or next working day in case of holiday on 24th December 2025. **Financial Proposals shall be opened immediately after opening of Tender.**

The above schedule shall continue till 28th February 2026 or till further order. Units which will be allotted in one cycle will be removed from property list for sale in next cycle and the process will continue till the validity of the Tender process i.e. 28th February 2026 or till further order. Future information shall be only available on website.

(Approved By CEO)

S-46193

Manager (Estate)
NRANVP, Nava Raipur

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, छत्तीसगढ़
विभागाध्यक्ष कार्यालय, स्वास्थ्य भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला रायपुर, छ.ग.
Phone No. 0771-2418990 E-Mail ID-dhseggazted@gmail.com

क्रमांक/ESTB-102(1)/472/2025/विज्ञप्त/1754 नवा रायपुर, दिनांक: 08/12/2025

सूचना

"वर्ष 2025 में पी.जी. (एम.डी./ एम.एस.) पाठ्यक्रम (पुरक परीक्षा) उत्तीर्ण छात्र/छात्राओं को अनुबंध दो वर्ष की शासकीय सेवा का अवसर हेतु काउंसलिंग की तिथि की सूचना"

विषयांतर्गत वर्ष 2025 में छत्तीसगढ़ के चिकित्सा महाविद्यालयों से पी.जी. (एम.डी./एम. एस.) पाठ्यक्रम (पुरक परीक्षा) उत्तीर्ण अनुबंधित छात्र-छात्राओं को उनके द्वारा किये गये अनुबंध अनुसार संविदा नियुक्ति हेतु पदस्थापना के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (NIC) रायपुर, छत्तीसगढ़ के माध्यम से दिनांक 09.12.2025 से 12.12.2025 तक Online Counseling आयोजित की गई है। संचालनालय चिकित्सा शिक्षा से प्राप्त सूची अनुसार उक्त काउंसलिंग में वर्ष 2025 में राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों से पी.जी. (एम.डी./ एम.एस.) पाठ्यक्रम (पुरक परीक्षा) उत्तीर्ण अनुबंधित छात्र-छात्रायें अनिवार्य रूप से भाग लेंगे।

काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्णत: ऑनलाईन राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (NIC) रायपुर, छत्तीसगढ़ के माध्यम से राज्य के स्वास्थ्य संस्थाओं एवं चिकित्सा महाविद्यालयों के रिक्त पदो पर मेरिट के आधार पर पदस्थापना हेतु किये जायेगें। यदि कोई अभ्यर्थी Online Counseling में सम्मिलित नहीं होता अथवा विकल्प का चयन नहीं करने की स्थिति में अंतिम राउंड की काउंसलिंग के उपरांत उक्त अभ्यर्थीयों को आवश्यकतानुसार स्वत: पदस्थापना स्थल Software के माध्यम से आबंटित किया जावेगा।

उक्त काउंसलिंग की संपूर्ण प्रक्रिया, अभ्यर्थीयों की सूची, काउंसलिंग प्रक्रिया का विवरण (User Manual), काउंसलिंग का शेड्यूल एवं काउंसलिंग संबंधित अन्य जानकारी एवं विवरण हेतु अभ्यर्थी निरंतर विभागीय वेबसाईट www.cghealth.nic.in का अवलोकन करते रहें। ऑनलाईन काउंसलिंग हेतु आवेदन करने के संबंध में दिशा-निर्देश :-

1. **रजिस्ट्रेशन (Registration)**
   * उम्मीदवार विभागीय वेबसाईट https://cghealth.nic.in की ऑफिशियल वेबसाइट के नोटिसबोर्ड पर जाकर काउंसलिंग प्रक्रिया का विवरण (User Manual), काउंसलिंग का शेड्यूल एवं काउंसलिंग संबंधित अन्य जानकारी का अवलोकन करने के पश्चात रजिस्ट्रेशन करें। काउंसलिंग वेबसाइट की लिंक विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध है।
2. **चॉइस फिलिंग और लॉकिंग (Choice Filling and Locking)**
   * रजिस्ट्रेशन के बाद उम्मीदवार अपनी पसंद की स्वास्थ्य संस्था की प्राथमिकता क्रम अंकित करते हुए विकल्प (Choice) भरना हैं।
   * स्वास्थ्य संस्था की प्राथमिकता क्रम में चॉइस भरने के बाद उन्हें लॉक करना है।
   * यदि अभ्यर्थी स्वयं लॉक नहीं करते, तो अंतिम भरे विकल्प ऑटोमैटिक लॉक हो जायेंगे।
3. **पदस्थापना स्थल का अलॉटमेंट (Allotment)**
   * पी.जी. (एम.डी./एम.एस.) पाठ्यक्रम (पुरक परीक्षा) की मेरिट एवं अभ्यर्थीयों की संस्था के चॉइस के अनुसार पदस्थापना स्थल अलॉट होंगे।
   * पदस्थापना स्थल अभ्यर्थीवार Allotment की जानकारी काउंसलिंग के चरणानुसार वेबसाइट पर जारी किये जायेगें।
4. **अलॉटमेंट (पदस्थापना स्थल) पत्र डाउनलोड और रिपोर्टिंग (Download Order& Reporting)**
   * जिन उम्मीदवारों को काउंसलिंग उपरांत पदस्थापना स्थल मेरिट के आधार पर अलॉट किया जावेगा, संबंधित अभ्यर्थी अलॉटमेंट पत्र डाउनलोड कर एवं शासन द्वारा पदस्थापना आदेश जारी होने के पश्चात निश्चित समय-सीमा में संबंधित संस्था में रिपोर्ट कर Join करना अनिवार्य होगा।
5. **काउंसलिंग प्रक्रिया का शेड्यूल :-** वर्ष 2025 में छत्तीसगढ़ के चिकित्सा महाविद्यालयों से पी.जी. (एम.डी./एम.एस.) पाठ्यक्रम (पुरक परीक्षा) उत्तीर्ण अनुबंधित छात्र-छात्राओं की पदस्थापना हेतु काउंसलिंग प्रक्रिया का शेड्यूल निम्नानुसार निर्धारित किया गया है :-

क्रमांक	प्रक्रिया	तिथि (संभावित)
01	ऑनलाइन पंजीकरण	09.12.2025 से 12.12.2025
02	चॉइस फिलिंग और लॉकिंग	09.12.2025 से 12.12.2025
	सीट आबंटन	13.12.2025
अंतिम पदस्थ एक्जाई (Compile) आदेश		15.12.2025

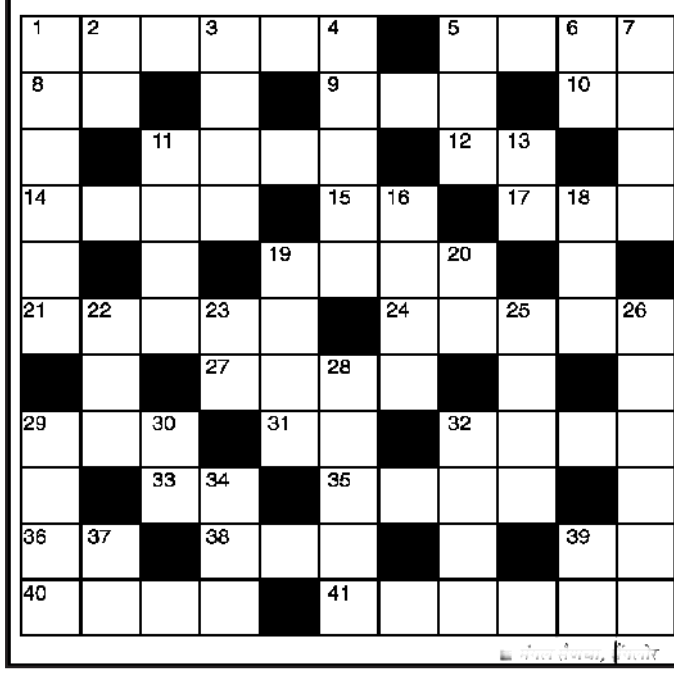

संचालक
स्वास्थ्य सेवायें
छत्तीसगढ़

जी. 252605374/2

शब्द पहेली - 6074

बाएँ से दाए
1. अत्यावश्यक-6
5. कारागार, जेल-4
8. पानी, नीर-2
9. मीन, मत्स्य-3
10. लक्ष्मी, कमला-2
11. कलाकार, फनकार-4
12. मर्द, मादा का विलोम-2
14. हसरत, मुराद-4
15. कैद में, अवरुद्ध, रुका-2
17. भूमि, धरती-3
19. मतवासा, मदहोश-4
21. फिल्मी दुनिया-3,3
24. दुर्भाग्यशाली-5
27. ठोकर लगना, भिड़ना-4
29. दौंडी पीटना-3
31. सांप, सर्प-2
32. दाल-4
33. हूर, अप्सरा-2
35. गाड़ी चलाने वाला-4
36. पिता का छोटा भाई-2
38. पुत्र, बेटा-3
39. टौंटी, नलका-2
40. ललचाना, तड़फाना-4
41. टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे
1. ईश्वर, अनश्वर-3,3
2. तेलहन-2
3. सुखद वस्तु, वर देना-4
4. करधनी, कमर पेटी-5
5. गलीचा-3
6. दिन-2
7. समस्या का हल-4
11. धरोहर, थाती-4
13. मिट्टी, धूल-2
16. चमकना-4
18. वायुसेना का एक विमान-3
19. इतराना-4
20. परत-2
22. जाप करना-3
23. किवाड़, द्वार-2
25. उदाहरणत:-4
26. परवरिश-3,3
28. राग छेड़ना-5
29. भेंट, मेल-मिलाप-4
30. दिया, दीपक-2
32. औषधालय, दवाखाना-4
34. खाली होना-3
37. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. नया, नवीन-2

शब्द पहेली - 6073 का हल

सूडोकू नवताल - 6084

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6083 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

भविष्य की चिंता, दर्जनभर चिकित्सा शिक्षक पहले ही छोड़ चुके नौकरी

संविदा चिकित्सकों की अनदेखी... एसोसिएट प्रोफेसर का इस्तीफा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

चिकित्सा शिक्षा विभाग में सालों तक सेवा देने वाले संविदा चिकित्सा शिक्षकों की विभाग अभी भी अनदेखी कर रहा है। भविष्य सुरक्षित नहीं होने की वजह से लगातार मेडिकल कालेजों के शिक्षक पलायन कर रहे हैं। शासकीय जेएनएम मेडिकल कालेज के एसोसिएट प्रोफेसर ने कुछ ऐसी ही वजह से इस्तीफा स्वीकारने की पेशकश रखी है। उनके पहले भी दर्जनभर डाक्टर नौकरी छोड़ चुके हैं।

राज्य के तमाम शासकीय मेडिकल कालेजों में चिकित्सा शिक्षकों के पद रिक्त हैं। इन कालेजों में 397 चिकित्सा शिक्षक संविदा आधार पर काम कर रहे हैं। इनमें से कई की सेवा को काफी साल बीत चुके हैं और वे रिटायर होने के करीब आ चुके हैं। इन संविदा शिक्षकों को नियमित कर कालेजों की कमी को दूर किया जा सकता है। इससे हर साल मंडराने वाला जीरो ईयर का खतरा भी समाप्त हो सकता है और मेडिकल टीचर्स के पलायन को रोका जा सकता है। चिकित्सा शिक्षा विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है और राजपत्र में प्रकाशित आदर्श सेवा नियम 2019 का पालन नहीं किया जा रहा है। नतीजा डाक्टरों से संविदा सेवा से लगातार इस्तीफा देने के रूप में सामने आ रहा है। शासकीय मेडिकल कालेज के एसोसिएट प्रोफेसर डा. कमलेश जैन ने इस्तीफा दिया है, जिसकी अंतिम तिथि 25 दिसंबर है। डा. जैन के पहले रायपुर मेडिकल कालेज से नेत्र रोग चिकित्सक डा. संतोष पटेल, बायोकेमेस्ट्री विभाग के एचओडी डा. एसके खोडियार, डा. संदीप चंद्राकर, डा. संजय कुमार नौकरी छोड़ चुके हैं। इसके अलावा संविदा सेवा और नियमित होने का चांस नजर नहीं आने की वजह से डीके अस्पताल के डा. सुरेश सिंह, डा. संजीव गुप्ता, डा. अर्पित अग्रवाल और डा. अभिजीत कोहट इस्तीफा देकर निजी हास्पिटल की ओर जा चुके हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग इन्हें नियमित कर मानव संसाधन की कमी को काफी हद तक दूर कर सकता है।

आदर्श सेवा नियम का पालन नहीं, नहीं रुक रहा डाक्टरों का पलायन

राज्य में दस शासकीय मेडिकल कालेज कार्यरत है जिनमें चिकित्सा शिक्षकों के 54 प्रतिशत पद रिक्त हैं। इन कालेजों में स्वीकृत पदों की संख्या 2058 है जिसमें से 1123 पद रिक्त हैं। कार्यरत चिकित्सा शिक्षकों में 538 नियमित और 397 संविदा आधार पर अपनी सेवा दे रहे हैं। संविदा शिक्षकों को नियमित किए जाने से अन्य राज्यों की भांति यहां भी शिक्षकों और विशेषज्ञ डाक्टरों की कमी दूर हो जाएगी और उनके नौकरी छोड़कर जाने का सिलसिला भी थम जाएगा।

कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. कमलेश जैन कार्यकारी प्राध्यापक की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 20 साल तक स्वास्थ्य संचालनालय को अपनी अतिरिक्त सेवा प्रदान की है। कोविड महामारी के नियंत्रण अभियान में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम में लंबे समय तक कार्य किया है। स्वास्थ्य संचालनालय से मुक्त होने के बाद वे मेडिकल कालेज में अध्यापन कार्य पूरा कर रहे हैं। चिकित्सा शिक्षा के साथ उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं का भी काफी लंबा अनुभव रहा है।

मृत और डुप्लिकेट मतदाताओं की सूची सार्वजनिक होगी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे एसआईआर के हिस्से के रूप में, संबंधित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) उन मतदाताओं की बूथ-वार सूचियों को राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों द्वारा नामित बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के साथ साझा करना सुनिश्चित करेंगे, जिन्हें अनुपस्थित, स्थानांतरित या मृत, डुप्लिकेट (एएसडी) के रूप में चिह्नित किया गया है और जिनसे बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा 3 या अधिक बार दौरे के बाद भी संपर्क नहीं किया जा सका। इसे ध्यान में रखते हुए, एसआईआर चल रहे राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 5 लाख बीएलओ राजनीतिक दलों के 12 लाख से अधिक बीएलए के साथ बूथ-वार बैठकें करेंगे और उन्हें एएसडी सूचियां सौंपेंगे। यह एएसडी सूची में शामिल ऐसे प्रत्येक मतदाता की सटीक स्थिति जानने के लिए है, ताकि मसौदा मतदाता सूचियों के प्रकाशन से पहले ही किसी भी त्रुटि को सुधारा जा सके। मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन पर और जैसा कि बिहार एसआईआर के दौरान भी किया गया था। एसआईआर चल रहे सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में बूथ, विधानसभा और जिला-वार एएसडी सूचियां संबंधित डीईओ और जिला कलेक्टरों की वेबसाइटों के साथ-साथ सीईओ की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराई जाएंगी। यह इपिक खोज योग्य मोड में भी उपलब्ध होगी।

इंडियन बैंक Indian Bank इंडियन बैंक
इलाहाबाद ALLAHABAD
शाखा : एमपीसी बिलासपुर
ई-नीलामी
दिनांक - 31.01.2026, समय प्रातः 11 से सायं 5 बजे

प्रस्तावित विक्रय की सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 6(2) और 8(6) के तहत अचल संपत्तियों के प्रस्तावित विक्रय की सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को तथा उधारकर्ता एवं जमानदारों को विशेष रूप से सूचित किया जाता है कि रक्षित लेनदार के पास बंधक रखी गई निम्नलिखित अचल संपत्तियों जिसका **कब्जा** दिनांक 29.10.2025 को रक्षित लेनदार इंडियन बैंक, **एमपीसी बिलासपुर शाखा**, के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, का विक्रय **''जैसा है जहां है'', ''जैसा है जो है''**, और **''जो कुछ भी है''** के आधार पर ऊपर उल्लेखित दिनांक को रक्षित लेनदार इंडियन बैंक, **एमपीसी बिलासपुर शाखा** द्वारा उधारकर्ता तथा जमानतदारों से निम्नानुसार बैंक को देय धनराशि की वसूली हेतु किया जाएगा।

ई-नीलामी के माध्यम से विक्रय की जाने वाली संपत्ति का विशिष्ट विवरण निम्नलिखित है:

क्र.	उधारकर्ता व जमानतदार का नाम, पता एवं शाखा का नाम	बंधक संपत्तियों का विवरण	बकाया राशि	आरक्षित मूल्य	अग्रिम राशि	बोली जमा करने की वृद्धिशील राशि	संपत्ति आईडी क्र.
1.	1. **श्री रामनारायण राजपूत** पिता स्व. बैसाखू राम राजपूत, 2. **श्रीमती बबीता राजपूत** पति श्री रामनारायण राजपूत, दोनों निवासी - भूखण्ड क्र. 472, प.ह.नं. 24/43 सिद्धी विनायक नगर, ग्राम पंचायत - घुरू, रा.नि.मं. - सकरी, ग्राम- तखतपुर, जिला-बिलासपुर	आवासीय भवन भूखण्ड क्र. 472, प.ह.नं. 24/43, ब्लॉक क्र. एन/ए, सिद्धी विनायक नगर, सर्वे क्र. 366/21 मौजा ग्राम पंचायत - घुरू, रा.नि.मं. - सकरी, ग्राम - तखतपुर, उप पंजीयन जिला - बिलासपुर के अंतर्गत, कुल भूमि क्षेत्रफल 1010 वर्गफीट, निर्मित क्षेत्रफल 844 वर्गफीट।	रु. 20,91,283/- दिनांक 12.08.2025+ ब्याज एवं अन्य खर्च	रु. 28.00 लाख	रु. 2.80 लाख	रु. 10,000/-	IDIB6603555434
				संपर्क व्यक्तिः- विनोद तिर्की मो. 9589238484			

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें : 9089854157, 9644967004

नोट : यह नोटिस उधारकर्ता/जमानतदार/बंधककर्ता और कानूनी उत्तराधिकारियों के लिए भी है

इच्छुक बोलीदाताओं/क्रेताओं से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी का उपयोग करके ऑनलाइन पोर्टल (**https://www.ebkray.in**) पर पंजीकरण करें। इसके अलावा, अपना ईकेवाईसी पूरा करने के बाद, इच्छुक बोलीदाताओं/क्रेताओं को **31.01.2026**, यानी पोर्टल में ई-नीलामी तिथि और समय से पहले धरोहर जमा राशि अपने ई-वॉलेट में स्थानांतरित करनी होगी। पंजीकरण, ईकेवाईसी और वॉलेट में धरोहर जमा राशि का हस्तांतरण नीलामी से पहले ही पूरा किया जाना चाहिए।

संपत्ति के विवरण और संपत्ति की फोटो एवं नीलामी के नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया देखें: **https://www.ebkray.in** तथा इस पोर्टल से संबंधित स्पष्टीकरण के लिए, कृपया संपर्क करें **(फोन 8291220220, ईमेल आईडीः- support.ebkray@psballiance.com)**।

बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे **https://www.ebkray.in** वाली वेबसाइट पर संपत्ति खोजते समय ऊपर उल्लेखित संपत्ति आईडी नंबर का उपयोग करें।

स्थानः बिलासपुर, दिनांक : 05.12.2025
प्राधिकृत अधिकारी, इण्डियन बैंक

हवाई यात्रा की कठिनाइयों पर विधायक सोनी ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुनील सोनी ने बुधवार को केन्द्रीय उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से हवाईयात्रा में हो रही कठिनाइयों तथा नई सुविधाओं के विस्तार को लेकर नई दिल्ली में मुलाकात कर पत्र सौंपा। अपने पत्र में उन्होंने लिखा है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश से संचालित हवाई यात्रा की सुविधा में प्रदेशवासियों को केवल इंडिगो पर ही निर्भर रहना पड़ रहा है। अन्य कंपनियों की फ्लाइट संचालन की मांग उठाई।

पत्र लिखकर दिया- एयर इंडिया, अताषा, स्पाइस जेट एयरवेज का संचालन हो

प्रदेश में संचालित फ्लाइट में इंडिगो का संचालन लगभग 95 प्रतिशत है और वर्तमान में इंडिगो की फ्लाइट अत्यधिक मात्रा में रद्द हो रही है। इसकी वजह से छत्तीसगढ़ से अन्य प्रदेशों एवं अन्य देशों में जाने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिस्पर्धा नहीं होने के कारण इंडिगो के फ्लाइट फेयर आसमान छू रहे हैं। प्रदेश में एयर इंडिया की केवल 2 फ्लाइट दिल्ली के लिए संचालित है। छत्तीसगढ़ से दिल्ली के लिए 8, मुंबई 3, कलकत्ता 3, इंदौर 2, भोपाल 1, बेंगलुरु 2, गोवा 2, अहमदाबाद 1, चेन्नई 1, पुणे 1, एवं हैदराबाद के लिए 3 फ्लाइट संचालित हो रही हैं, जो प्रतिदिन फुल रहती हैं।

यदि फ्लााइट रद्द होती है, तो यात्री के पास अन्य दूसरा कोई विकल्प नहीं होता। अतः छत्तीसगढ़ प्रदेश में एयर इंडिया, अताषा, स्पाइस जेट इत्यादि की अन्य फ्लाइट का संचालन होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि फ्लाइट फेयर की प्रतिस्पर्धा/विकल्प होने से फेयर भी निश्चित रूप से कम होंगे।

homefirst We'll take you home
Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703,
Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

कब्जा सूचना

संदर्भ: सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के उप-नियम (1) के अंतर्गत कब्जा सूचना

चूँकि, नीचे हस्ताक्षरकर्ता होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम संख्या 54, 2002) के अंतर्गत तथा सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ धारा 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे दिए गए संबंधित तिथियों पर जारी किए गए मांग नोटिस के अनुसरण में, आप से/ऋणधारकों से, नीचे नामित, संबंधित नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने का आह्वान करते हैं। तथापि, आप/उधारकर्ता सभी निर्धारित समय के भीतर उक्त बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए **होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड** ने सरफेसी एक्ट, 2002 की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, इसके तहत नियमों को पढ़ते हुए, नीचे उल्लिखित सुरक्षित परिसंपत्तियों को अपने **कब्जे** में ले लिया है:

क्र. सं.	ऋणधारक (ओं)/ सह ऋणधारक (ओं)/ जमानतदारों के नाम	बंधक रखी गयी संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की तिथि को कुल बकाया राशि (रू. में)	कब्जा की तिथि
1.	करण सिंह सिदार, शीला सिदार	प्लॉट-खसरा नंबर-89/2(भाग) प.ह.नं.-24/43, रा.नि.मं. सकरी, ब्लॉक-तखतपुर, तहसील तखतपुर, ग्राम पंचायत घुरु, जिला-बिलासपुर, बिलासपुर (छ.ग), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व - विक्रेता की भूमि, पश्चिम-सड़क, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि।	03-10-2025	18,58,061	08-12-2025
2.	अर्जुन बघेल, द्रोपती बघेल	मकान-मौजा जयराम नगर, ख. नं. 117/9 प.ह.नं. 27, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर - सड़क, दक्षिण-विक्रेता की भूमि, पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-पूजा फार्टी की भूमि।	03-10-2025	8,82,744	08-12-2025
3.	अयोध्या खुंटे, अमन खुटे, अंकुश कुमार खुटे, नलिनी खुटे	मकान-ख. नं. 147/4, प.ह.नं. 41 रा.नि.मं. सकरी मौजा सैदा, तहसील सकरी और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व-सड़क, पश्चिम-सूर्यवंशी की भूमि, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि।	03-10-2025	12,31,911	08-12-2025
4.	मुरारी साहू, सुशीला साहू, रूपेश साहू	प्लॉट-ख. नं. 248/32, प.ह.नं. 41, मौजा सैदा तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-सड़क, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	15,39,604	08-12-2025
5.	नरेन्द्र कुमार यादव, राधिका यादव	प्लॉट-मौजा बिल्हा, ख. नं. 126/94(भाग), प.ह.नं. 30, मौजा पत्थरखान, तहसील बिल्हा और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर-विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण-विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व-गोविंद बाबू और कोमल बाबू की भूमि, पश्चिम-पहुँच मार्ग/रास्ता।	03-10-2025	12,96,850	08-12-2025
6.	निधि तिवारी, अर्नब कांत चौधरी	मकान-126/94(भाग), मौजा पत्थरखान, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं. बिल्हा विकासखंड, तहसील बिल्हा और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर-विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण-विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व-गोविंद बाबू और कोमल बाबू की ज़मीन, पश्चिम-पहुँच मार्ग/रास्ता।	03-10-2025	12,48,180	08-12-2025
7.	मुरली मनोहर चौबे, शशि चौबे	मकान-मौजा बोदरी ख. नं. 261/7 प.ह.नं. 01 तहसील बिल्हा जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-विक्रेता का प्लॉट, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-दुबे का प्लॉट।	03-10-2025	6,44,003	08-12-2025
8.	राहुल टंडन, शिप्रा टंडन	प्लॉट-मौजा कोरमी, ख.नं. 315/8(भाग), प.ह.नं. 22/38, मौजा कोरमी, तहसील और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर-सड़क, दक्षिण-सनी छाबड़ा की भूमि, पूर्व-अजय कुमार देवांगन की भूमि, पश्चिम-अन्य की भूमि।	03-10-2025	10,78,066	08-12-2025
9.	अरसी लाल टंडन, मंजू टंडन	प्लॉट-मौजा सैदा, ख. नं. 248/32(भाग), प.ह.नं. 41, मौजा सैदा, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, सीमाएँ: पूर्व-सड़क, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि।	03-10-2025	15,12,340	08-12-2025
10.	राजकुमार घृतलहरे, नंदनी	फ्लैट-ख.नं. 278, प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. पेंड्री विकासखंड, तहसील तखतपुर और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर-रामकुमार पटेल की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व -विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम-सड़क।	03-10-2025	11,40,033	08-12-2025
11.	कालेश्वर यादव, दरबार यादव	प्लॉट-ख.नं. 141/9, मौजा मेंड्रा, प.ह.नं. 42, रा.नि.मं. पेंडारी, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व -निस्तारी रास्ता, पश्चिम- अग्रवाल का प्लॉट, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-संतराम का प्लॉट।	03-10-2025	12,29,056	08-12-2025
12.	सुधीर राय, होरीलाल राय	फ्लैट-ख. नं. 278, प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. पेंड्री विकासखंड, तहसील तखतपुर और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-राजकुमार पटेल का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	10,75,733	08-12-2025
13.	संतोष दिनकर, प्रतिमा बाई दिनकर	प्लॉट-ख. नं. 248/32 (भाग), प.ह.नं. 41, मौजा सैदा, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-विक्रेता का प्लॉट, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	14.29.119	08-12-2025
14.	गौरव तिवारी, प्रेम लता तिवारी	मकान-ख. नं. 277/2, प.ह.नं. 30, प.ह.नं. 53, रा.नि.मं पेंड्री विकासखंड, तहसील तखतपुर और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व-राजकुमार का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर -राजकुमार पटेल का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	12,04,061	08-12-2025
15.	मुकेश मिश्रा, सुनीता मिश्रा	प्लॉट-ख. नं. 917/1 और 920/1, मौजा मुंगेली, प.ह.नं.19/59, ब्लॉक/सर्किल मुंगेली, तहसील मुंगेली, जिला मुंगेली, मुंगेली, छत्तीसगढ़-495334 सीमाएँ: पूर्व- विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	12,07,458	08-12-2025
16.	राजकुमार चौहान, सुमित्रा देवी चौहान	प्लॉट-ख. नं. 45/10 (भाग), मौजा कडार, म.नं. 02, प.ह.नं. 07, रा.नि.मं. बोदरी, तहसील बोदरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, सीमाएँ: पूर्व-चिरिया कश्यप की भूमि, पश्चिम-विक्रेता का प्लॉट, उत्तर-सड़क, दक्षिण-विजय का प्लॉट।	03-10-2025	6,18,288	08-12-2025
17.	बाबूलाल वस्त्रकार, संतोषी वस्त्रकार	प्लॉट-ख. नं. 126/121 (भाग), प.नं. 30, तहसील बिल्हा जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व-सड़क, पश्चिम-लोहरानी की भूमि, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	10,73,958	08-12-2025
18.	बाल कृष्ण बंजारे, बबली बंजारे	प्लॉट-ख.नं. 102/7, मौजा छतौना, प.ह.नं. 37, रा.नि.मं. अमसेना, तहसील सकरी, ज़िला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व- नहर, पश्चिम- सड़क, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	16,61,760	08-12-2025
19.	प्रदीप कुमार सोनी, शांति सोनी	मकान-278/7, प.ह.पं 31 सर्कल सकरी, ब्लॉक तखतपुर, तहसील तखतपुर, ज़िला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर- रामकुमार पटेल की भूमि, दक्षिण- प्रेम सिंह की भूमि, पूर्व- सड़क, पश्चिम - अन्य की भूमि।	03-10-2025	10,58,910	08-12-2025
20.	नरेंद्र निर्मलकर, योगेश्वरी निर्मलकर	फ्लैट-ख. नं. 41/10 प.ह.नं. 41 तहसील सकरी ज़िला बिलासपुर छ.ग., बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व- विक्रेता के प्लॉट, पश्चिम- निस्तारी रास्ता, उत्तर- विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण- विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	7,24,941	08-12-2025
21.	प्रद्युम्न कुमार चंद्रवंशी, भारती वर्मा	फ्लैट-ख.नं. 2318/8, चोरभट्ठीकला, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तहसील सकरी, ज़िला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व- वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम- निस्तारी रास्ता, उत्तर- संजय साहू का प्लॉट, दक्षिण- मुख्य सड़क।	03-10-2025	9,94,654	08-12-2025
22.	दुर्गेश यादव, बलदाऊ प्रसाद यादव उमा बाई यादव	मकान-126/105, पत्थरखान, मौजा पत्थरखान, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं बिल्हा विकासखंड, तहसील बिल्हा और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001. सीमाएँ: पूर्व- निस्तारी रास्ता, पश्चिम- रमाकांत का प्लॉट, उत्तर- गणेश गिरी का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	9,10,859	08-12-2025
23.	शत्रुहन दास मानिकपुरी, कुमारी बाई	प्लॉट-ख.नं. 126/104, मौजा पत्थरखान, प.ह.नं. 16/30, रा.नि.मं., तहसील और विकासखंड बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001. सीमाएँ: पूर्व- निस्तारी रास्ता, पश्चिम- लोहरानी का प्लॉट, उत्तर विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण- विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	8,23,656	08-12-2025
24.	प्रदीप कुमार शर्मा, दुर्गा देवी शर्मा	फ्लैट-126/69, प.ह.नं. 16/30, मौजा पत्थरखान, मौजा पत्थरखान, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं. बिल्हा विकासखंड, तहसील बिल्हा और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001. सीमाएँ: उत्तर- विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण- विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व- सड़क, पश्चिम- नगमा परवीन की भूमि।	03-10-2025	8,82,405	08-12-2025
25.	सतीश निषाद, शैल कुमारी निषाद	मकान-ख. नं. 126/69, मौजा पत्थरखान, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं. बिल्हा विकासखंड, तहसील बिल्हा और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर- विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण- विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व- सड़क, पश्चिम-रामकुमार सोनकर की भूमि।	03-10-2025	8,21,477	08-12-2025
26.	विकास कुमार साहू, नंदिनी साहू	फ्लैट-ख.नं. 126/69, प.ह.नं. 30, मौजा पत्थरखान तहसील-बिल्हा जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-शमीम बेगम का प्लॉट, उत्तर- विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण- विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	8,44,567	08-12-2025
27.	धनसिंह, रानी पटेल	प्लॉट-ख. नं. 126/58, मौजा पत्थरखान, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं. बिल्हा, विकासखंड और तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर- शेष भूमि, दक्षिण- शेष भूमि, पूर्व - सड़क, पश्चिम- सड़क।	03-10-2025	8,90,928	08-12-2025
28.	चन्द्रशेखर चद्रवंशी, गस्पति चद्रवंशी	फ्लैट-ख. नं.-126/59 भाग, मौजा - पत्थरखान प.ह.नं. 30, रा.नि.मं.-बिल्हा बिलासपुर, तहसील-बिल्हा, जिला-बिलासपुर, (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495006 सीमाएँ: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-शोमनाथ का प्लॉट, उत्तर- विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण- शहजादा का प्लॉट।	03-10-2025	8,99,878	08-12-2025
29.	यमन कुमार बेमिसाल, येंशल कुमार बेमिसाल, उषा देवी बेमिसाल	मकान-ख.नं.-126/55 भाग, मौजा-पत्थरखान प.ह.नं. 30, रा.नि.मं.-बिल्हा बिलासपुर, तहसील-बिल्हा, जिला-बिलासपुर, (छ.ग.)., बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-शोमनाथ का प्लॉट, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-शेरू असलम का प्लॉट।	03-10-2025	9,01,036	08-12-2025
30.	गीता देवी, लव कुमार सहिस	मकान-ख. नं. 126/64, प.ह.नं.16/30, मौजा पत्थरखान, तहसील बिल्हा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व- सुनील का प्लॉट, पश्चिम- विक्रेता का प्लॉट, उत्तर- अन्य का प्लॉट, दक्षिण- निस्तारी रास्ता।	03-10-2025	9,45,116	08-12-2025
31.	राहुल श्रीवास, जलवती श्रीवास, दीपेंद्र श्रीवास	फ्लैट-126/98, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं. बिल्हा विकासखंड, तहसील बिल्हा और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व- निस्तारी रास्ता, पश्चिम- निस्तारी रास्ता, उत्तर- दुखिराम का प्लॉट, दक्षिण- विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	8,37,142	08-12-2025
32.	मंजू वर्मा, ज्वाला कश्यप	मकान-ख.नं. 217/2 भाग, प.ह.नं. 19, रा.नि.मं. बिल्हा विकास खंड, तहसील बिल्हा और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर-सड़क, दक्षिण- शिवनंदन और बृजनंदन की भूमि, पूर्व- विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम- विक्रेता की शेष भूमि।	03-10-2025	9,11,022	08-12-2025
33.	ऋषिकांत चंद्रवंशी, वर्षा चंद्रवंशी	मकान-ख.नं. 217/2 भाग, प.ह.नं. 19, रा.नि.मं. बिल्हा विकासखंड, तहसील बिल्हा और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर- सड़क, दक्षिण- शिवनंदन और बृजनंदन की भूमि, पूर्व-विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम- विक्रेता की शेष भूमि।	03-10-2025	10,00,200	08-12-2025
34.	रामभजन चंद्रवंशी, रानी चंद्रवंशी	मकान-ख.नं. 217/2 भाग, प.ह.नं. 19, रा.नि.मं. बिल्हाविकास खंड, तहसील बिल्हा और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व- बीरसिंह और अन्य का प्लॉट, पश्चिम - विक्रेता का प्लॉट, उत्तर- निस्तारी रास्ता, दक्षिण- शिवनंदन और बृजनंदन का प्लॉट।	03-10-2025	9,42,308	08-12-2025
35.	नवीन कुमार सूर्यवंशी, केजऊ राम सूर्यवंशी	प्लॉट-ख.नं. 957/1, प.ह.नं.- 5, मौजा कोटा, तहसील-कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495113. सीमाएं: पूर्व- सरकारी भूमि, पश्चिम- निस्तारी रास्ता, उत्तर- विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - रविशंकर का प्लॉट।	03-10-2025	9,48,435	08-12-2025
36.	रामशौक रजक, गोविंद राम निर्मलकर	मकान-ख.नं. 957/1, प.ह.नं.- 5, मौजा कोटा, तहसील कोटा, जिला बिलासपुर (छ.ग), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001. सीमाएं: पूर्व - सरकारी भूमि, पश्चिम- निस्तारी रास्ता, उत्तर- विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण- विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	7,98,286	08-12-2025
37.	अंकित कुमार, सुखमत बाई	मकान-126/98, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं. बिल्हा विकासखंड, तहसील बिल्हा और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001. सीमाएं: उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-रेखा रजक की भूमि, पूर्व-सड़क, पश्चिम-सड़क।	03-10-2025	8,35,668	08-12-2025
38.	राम चन्द्र निषाद, सतरूपा निषाद	मकान-ख.नं.-957/1, प.ह.नं.-5, मौजा कोटा, तहसील-कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495006 सीमाएँ: पूर्व- बौछार कुरैशी की भूमि, पश्चिम- 25 फीट चौड़ी सड़क, उत्तर- जिज्ञासा की भूमि, दक्षिण- राजेश की भूमि।	03-10-2025	9,06,571	08-12-2025
39.	रघु कुमार यादव, पुष्पा यादव	मकान-ख.नं.-957/1, प.ह.नं.-5, मौजा कोटा, तहसील-कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर-विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण- विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व- सड़क, पश्चिम - विक्रेता की शेष भूमि।	03-10-2025	7,97,526	08-12-2025
40.	रोशन पांडे, देवराज पांडे	प्लॉट-ख.नं. 957/1, प.ह.नं.-5, मौजा कोटा, तहसील कोटा, जिला - बिलासपुर (छ.ग.) बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर-राहुल गौर की भूमि, दक्षिण-सेवक दास की भूमि, पूर्व-अन्य की भूमि, पश्चिम-सड़क।	03-10-2025	5,39,811	08-12-2025
41.	राहुल यादव, दीपा यादव	प्लॉट-ख. नं. 957/1, प.ह.नं.- 5, मौजा कोटा, तहसील कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग) बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495113 सीमाएँ: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम- निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण- विक्रेता की भूमि।	03-10-2025	8,44,343	08-12-2025
42.	राम कुमार ताम्रकार, मोनिका ताम्रकार	प्लॉट-ख.नं. 957/10, प.ह.नं.-5, मौजा कोटा, तहसील-कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़ -495001 सीमाएँ: पूर्व- विक्रेता की भूमि, पश्चिम- विक्रेता की भूमि, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण- निस्तारी रास्ता।	03-10-2025	8,96,422	08-12-2025
43.	सुधीर ताम्रकार, सिंकी ताम्रकार	प्लॉट-ख. नं. 957/10, प.ह.नं. 5, मौजा-आमने, तहसील-कोटा, रा.नि.मं. कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व- राम ताम्रकार की भूमि, पश्चिम- विक्रेता की भूमि, उत्तर- विक्रेता की भूमि, दक्षिण- निस्तारी रास्ता।	03-10-2025	9,09,467	08-12-2025
44.	रोशन यादव, रामप्यारी बाई	मकान-ख़. नं. 130/3, शीट नं. 11, मौजा-घुरू, प.ह.नं.61, रा.नि.मं. सकरी, तह. सकरी, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व- नीलकमल की भूमि, पश्चिम- गौरव चौधरी की भूमि, उत्तर- निस्तारी रास्ता, दक्षिण- अन्य की भूमि।	03-10-2025	14,32,586	08-12-2025
45.	नीलेश देवांगन, निर्मला देवांगन	प्लॉट-ख.नं. 217/1, प.ह.नं. 19, रा.नि.मं. बिल्हा विकासखंड, तह. बिल्हा और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ : पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-भवनवारी सजनानी की भूमि, उत्तर- सड़क, दक्षिण- रामजीवन की भूमि।	03-10-2025	8,59,132	08-12-2025
46.	शत्रुहन समारू, ममता शत्रुहन माथुर	मकान-ख़. नं. 105/51, मौजा मेंड्रा, मौजा घुरू, प.ह.नं. 61, तह. सकरी और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 सीमाएँ: पूर्व- सुरेश यादव की भूमि, पश्चिम- साहू की भूमि, उत्तर- नितारी रास्ता, दक्षिण- श्रीवास की भूमि।	03-10-2025	10,30,008	08-12-2025
47.	सागर कुमार, आरती केवट, मानवती केंवट	फ़्लैट ख़. नं. 195/2 (भाग) मौजा-बन्नाकडीह, प.ह.नं. 42, रा.नि.मं. सिरगिट्टी, तह. बिलासपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ : उत्तर- सड़क, दक्षिण- विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व- विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम- प्रतिभा साहू की भूमि।	03-10-2025	11,61,202	08-12-2025
48.	गणेश कुमार कैवर्त, राधा कलवर्त	प्लॉट ख.नं. 47/3, मौजा सैदा, प.ह.नं.-24/41, रा.नि.मं.- सकरी, तह. सकरी, जिला- बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर- दीपक सोनी की ज़मीन, दक्षिण- 20 फीट रोड, पूर्व- शेष भूमि, पश्चिम- रामविलास पोपचे की भूमि।	03-10-2025	7,79,952	08-12-2025
49.	संजय निर्मलकर, युमुना संजय निर्मलकर	प्लॉट-ख. नं. 360/1 भाग, प.ह.नं. 09, गाँव मुढ़ीपारा, रा.नि.मं. बिल्हा, तहसील बिल्हा (न्यू बोदरी) ज़िला बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: उत्तर- निस्तारी रास्ता, दक्षिण- दीपक राठौर की भूमि, पूर्व-श्याम सुंदर की भूमि, पश्चिम- भोजराम की भूमि।	03-10-2025	8,59,630	08-12-2025
50.	दुर्गेश पाल,गोमती पाल	प्लॉट मौजा गनियारी, खसरा नंबर 33/8, प.ह.नं. 50, मौजा गनियारी, तहसील तखतपुर, ज़िला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 सीमाएँ: पूर्व-रोड, पश्चिम- रोड, उत्तर- रोड, दक्षिण- विक्रेता की भूमि।	03-10-2025	13,41,149	08-12-2025
51.	कुश कुमार साहू, ममता बाई साहू	प्लॉट-मौजा कोटा, ख. नं.- 957/1, प.ह.नं.- 5, मौजा-कोटा, तहसील-कोटा, ज़िला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495113 सीमाएँ: पूर्व-निखिल द्वारा खरीदा गया प्लॉट, पश्चिम- निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण- विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	8,30,059	08-12-2025

स्थान: बिलासपुर, दिनांक: 11-12-2025

ऋणधारक द्वारा राशि वापस करने में असफल रहने के कारण, ऋणधारक/जमानतदार और आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के साथ उक्त नियम के नियम 8 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऊपर उल्लिखित तिथि को नीचे वर्णित संपत्ति पर कब्जा ले लिया है।

ऋणधारकों/जमानतदारों और **आम जनता** को एतद्द्वारा आगाह किया जाता है कि वे ऊपर उल्लिखित संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों या उसके किसी भाग के साथ लेन-देन न करें और उक्त संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों के साथ कोई भी लेन-देन होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा, जो संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों के विरुद्ध ऊपर उल्लिखित राशि के लिए है, जो पूर्ण भुगतान होने तक उस पर **अतिरिक्त ब्याज** के साथ देय है।

ऋणधारक का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

प्राधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

प्रथम पृष्ठ का शेष

बस्तर, कोंडागांव के ....

और आंध्रप्रदेश से लगती है, इनमें कई बॉर्डर पर नक्सली सक्रिय हैं, जिनका खात्मा करने के लिए फोर्स के जवान लगातार सर्चिंग कर रहे हैं। बस्तर संभाग में वर्ष 2024 में 120 मुठभेड़ हुए तथा 217 माओवादियों के शव एवं 286 हथियार बरामद कि गए। इसी प्रकार 792 माओवादियों द्वारा शासन के समक्ष समाज की मुख्यधारा में जुड़ने के लिए आत्मसमर्पण तथा सुरक्षा बलों द्वारा 930 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इसी क्रम में वर्ष-2025 में लगातार कार्रवाई करते हुए 9 दिसम्बर 2025 की अवधि में सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए 96 मुठभेड़ में 252 माओवादियों के शव एवं 628 हथियार बरामद किए गए हैं एवं 1514 माओवादियों द्वारा आत्मसमर्पण किया गया है तथा 866 माओवादियों की गिरफ्तारी की गई है।

शाह का राहुल ....

निर्वाचन आयोग की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, आपको ऐसा लगता है कि आप सरकार की छवि को धूमिल कर रहे हैं, लेकिन असल में आप पूरी दुनिया में भारत के लोकतंत्र की छवि धूमिल कर रहे हैं। शाह ने कहा कि यह नयी परंपरा शुरू हुई है कि चुनाव नहीं जीते तो निर्वाचन आयोग को बदनाम करो, जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कई चुनावों में विपक्षी दलों की जीत का उल्लेख करते हुए कहा कि अगर मतदाता सूची खराब थी तो शपथ क्यों ली?

इंदिरा के समय ....

गए कि इस सरकार में देश में महत्वपूर्ण पदों पर आरएसएस के लोग क्यों हैं? शाह ने कहा, अगर प्रमुख पदों पर आरएसएस के लोग हैं तो क्या परेशानी है। महत्वपूर्ण पदों पर आरएसएस की विचारधारा के लोगों को रखने के खिलाफ कोई कानून है क्या।

आत्मसमर्पित नक्सलियों को ....

में दिए गए योगदान को ध्यान में रखकर उनके विरुद्ध दर्ज प्रकरणों के निराकरण पर विचार का प्रावधान है।

देश का पहला ....

8 अधिनियमों के 163 प्रावधानों में संशोधन करते हुए छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2025 अधिसूचित किया गया है। अब 11 विभागों के 14 अधिनियमों के 116 प्रावधानों को भी सरल और अधिक प्रभावी बनाने के लिए यह विधेयक लाया जाएगा।

तिरुपति मंदिर में ....

करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एक ठेकेदार ने करीब 15,000 दुपट्टे प्रति पीस 1,389 रुपए की दर से दिए और दावा किया कि ये 'सिल्क दुपट्टे' हैं। लेकिन जांच के दौरान सैंपल जब सेंट्रल सिल्क बोर्ड सहित दो लैब्स में भेजे गए, तो रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि दुपट्टे असली रेशम से नहीं, बल्कि पूरी तरह पॉलिएस्टर से बने थे।

डीपीएस दुर्ग के ....

किया। ऐतिहासिक कालखंडों की झलक और आधुनिक कलात्मक अभिव्यक्तियों का यह अनूठा संगम दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि डीपीएस दुर्ग में आया हूं, ये मेरे लिए गर्व की बात है। डॉ. हिमांशु द्विवेदी का धन्यवाद करुंगा कि उन्होंने मुझे यहां आने का मौका दिया। इस विद्यालय का सौभाग्य है की कि इतनी होनहार और संवेदनशील प्रिंसिपल पुनिता नेहरू यहां सेवा दे रही हैं। इस अवसर पर दैनिक हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, सात्विक सिंधु, वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, प्रबंधक एचएस बत्रा, पूर्व प्राचार्य परवीन रशीद विशेष रूप से उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने विद्यालय की शैक्षणिक व सांस्कृतिक उपलब्धियों की प्रशंसा की।

डिप्टी सीएम ने ....

रोता हुआ निराश दुखी व्यक्ति कभी सफल नहीं हो सकता है। इसलिए आप हमेशा आत्मविश्वास, जोश से भरे रहिये, आपका चेहरा हमेशा खिला रहे, उसमें आत्मविश्वास की चमक रहे। सब कहते हैं कि आप इतनी मेहनत करो कि आप अपनी मंजिल पा लें, लेकिन मैं ये नहीं मनाता, क्योंकि अगर आप आईएएस बनाना चाहते हैं। अगर बन गए तो क्या आप का लक्ष्य खत्म हो गया। आप डॉक्टर बनाना चाहते थे, बन गए तो क्या आपका लक्ष्य खत्म हो गया। मैं ये कहूंगा की आप आईएएस बनिए, डॉक्टर बनिए, उस दिशा की ओर मेहनत से चलिए कि आईएएस और डॉक्टर बनाने के बाद भी इतना बड़ा बनिए कि देश में आपका नाम हो। आप सबसे बड़ा कोई ना हो। डॉ. अब्दुल कलाम जब साइंटिस्ट बने तो वो उसके बाद भी अपनी दिशा की ओर बढ़ते रहे। इससे वो देश के सबसे बड़े साइंटिस्ट बने और उन्हें देश का राष्ट्रपति बनाया गया।

चार महीने से ...

पंचायत के कारीमाटी वार्ड में संचालित प्राथमिक शाला में 10 बच्चे अध्ययन कर रहे थे। शिक्षकों की मनमानी से परेशान अभिभावकों ने कई बार विद्यालय में पदस्थ शिक्षकों को अन्यत्र हटाने एवं दूसरे शिक्षकों को पदस्थ करने की मांग विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी से की लेकिन उन्होंने पूर्व में हुए युक्तियुक्तकरण का हवाला देकर इंकार कर दिया। बीईओ द्वारा मामले में संज्ञान नहीं लेने पर अभिभावकों ने अपने बच्चों की टीसी ले ली तथा उनका नाग गांव में ही संचालित प्रायवेट स्कूल में दर्ज करा दिया। शाला में एक भी बच्चे का नाम दर्ज नहीं होने के बावजूद कागजों में इसका संचालन होता रहा।

गांव के ही ...

अभिभावकों ने अपने बच्चों की टीसी ले ली तथा गांव के ही एक निजी स्कूल में उनका एडमिशन करा दिया। इतना सबकुछ होने के बाद भी न तो शिक्षकों पर कोई असर पड़ा न ही अधिकारियों पर और विद्यार्थी विहीन शाला का संचालन चार महीनों तक होता रहा।

हाईकोर्ट ने पूछा- हवाई...

व्यवहार करने के लिए क्या कार्रवाई की गई है? अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने केंद्र द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण दिया, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट संतुष्ट नहीं हुआ। अदालत ने टिप्पणी की, ये सब आपके द्वारा संकट आने के बाद उठाए गए हैं। सवाल यह नहीं है। यह स्थिति क्यों उत्पन्न हुई? और आप क्या कर रहे थे? सरकार ने बेंच को बताया कि एक वैधानिक तंत्र पूरी तरह से मौजूद है और इंडिगो को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, जिसने माफी मांगी है। अदालत ने केंद्र पर इस बात के लिए भी दबाव डाला कि पायलटों से अधिक काम क्यों कराया गया और भविष्य में ऐसे संकटों से बचने के लिए क्या निवारक कार्रवाई की जा सकती है।

16 साल पहले हुआ...

लाश को पीएम उपरांत परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है और घटना की जांच चल रही है। बताया जा रहा है कि ग्राम ठरकी निवासी 75 वर्षीय भिमू केरकेट्टा खनिज विभाग में सर्वेयर के पद पर सेवानिवृत्त हुआ था और पत्नी 74 वर्षीया महेश्वरी केरकेट्टा के साथ रहता था। बुजुर्ग दम्पति का पुत्र सुनील घर से लगभग 150 मीटर दूर स्थित अपने दूसरे घर में रहता है जबकि उसकी बेटी बेटी अनीता तिर्की अंबिकापुर में रहती है। 10 दिसंबर को सुबह वृद्ध ने अपनी बेटी अनीता तिर्की को फोनकर बताया कि उसने महेश्वरी केरकेट्टा की हत्या कर दी है। ऐसे में महिला ने घटना की जानकारी अपने भाई को दी।

यहां से विवाद...

से वारकर हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस द्वारा आरोपी को हिरासत में लिया गया है और घटना की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी राजपुर भारद्वाज सिंह ने बताया कि सूचना के बाद पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही है। इसके साथ ही आरोपी को हिरासत में लिया गया है।

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर...

रहा है। इस समिति का 20वां सत्र लाल किले में आठ से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। यूनेस्को द्वारा दीपावली उत्सव को प्रतिष्ठित सूची में शामिल किए जाने की घोषणा के बाद 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे हवा में गूंज उठे। विभिन्न पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों ने मुख्य मंच के सामने प्रस्तुति दी और एक बड़ी स्क्रीन पर दीपावली उत्सव के चित्र प्रदर्शित किए गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता में और वृद्धि होगी। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत और दुनिया भर के लोग रोमांचित हैं। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के 20वें सत्र के दौरान दीपावली के इस सूची में शामिल होने की घोषणा के तुरंत बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देश की ओर से एक बयान दिया।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

दर-दाँत (गम पेंट)
असली केंदवा मलहम
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।
94060-21769
रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com
Classified
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-इलेक्ट्रीकल श्री व्हीकल शोरूम में फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव 6पोस्ट युवक युवतियां चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- मालवा TVS मेन रोड व्यापार विहार, बिलासपुर 88279 48333, 9340093263, 9098261087 (39353)

Requirment- We require CA, CA Articles, CMA. Accountants Address- Rupin Khanduja, Cross Road Business Park, 3rd Floor Opp. Mahadev Hospital, Vyapar Vihar Bilaspur Contact- 9827174659 (39372)

आवश्यकता है- संकटमोचन इंफ्रास्टेट सांवरिया ग्रीन सिटी TNC प्रोजेक्ट में टेलीकॉलिंग, साईड विजिट हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए टूव्हीलर अनिवार्य पेमेंट 10000+ कमीशन पता- सीएलसी प्लाजा के बाजू में मंगला चौक बिलासपुर 9617607471 (39375)

आवश्यकता है- रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीर चांपा, कोरबा, रायगढ़ हेतु वेल्डर, कटर फिटर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, हेल्पर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी स्टोरकीपर, सुपरवाईजर 5वीं-ग्रेजुएट वेतन 11000-30000 रहना फ्री सम्पर्क- नेहरू नगर बिलासपुर 8349248360 (39374)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- 27खोली चौक मुंगेली रोड, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9827901976, 87188 88555 (39359)

आवश्यकता है- ज्वैलरी शॉप में काम करने के लिए सेल्स मैन/ सेल्स गर्ल की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री शारदा ज्वेलर्स, सदर बाजार खपरगंज स्कूल रोड, बिलासपुर 9884486188, 9244547115 (39364)

आवश्यकता है- Ocean कम्पनी में ऑफिस हेतु 18-28 वर्ष के लड़के, लड़कियां चाहिए योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट आय 10500 से 18000, रहना, खाना पता- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752 337082 (39365)

आवश्यकता है- मंगला चौक, शुभम विहार, मिनोचा कॉलोनी, उसलापुर, नेचर सिटी, रामा लाइफ, आसमां सिटी में कामवाली बाई, खाना बनाने वाला कुक चाहिए। दैनिक अथवा मासिक विकल्प उपलब्ध। सम्पर्क करें- 91095 11248, 9244664654 (39368)

आवश्यकता है- मेस में सुबह देसी नाश्ता और शाम में चाइनीज आइटम बनाने हेतु कुक की अतिशीघ्र आवश्यकता है। सम्पर्क करें- पद्मावती भोजनालय ग्रीन गार्डन कॉलोनी के बगल में, मंगला बिलासपुर 957565 5055 (39363)

आवश्यकता है- युवक, युवती की बिलिंग- 2, ट्रैनी सेल्स एसोसिएट 2, सेल्स एसोसिएट- 2, रिसीविंग विभाग- 1, ड्राइवर- 1, मार्केटिंग विभाग- 2 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शैल वस्त्रालय मसानगंज बिलासपुर 9238107105 (39366)

आवश्यकता है- लॉज में कार्य हेतु 10वीं पास, 28 से 40वर्ष के वेटर की आवश्यकता है ग्रामीणों को प्राथमिकता सम्पर्क करें- होटल शिवम अपोलो हास्पिटल के बाजू में लिंगियाडीह बिलासपुर 8839112590, 9301577993 (39367)

आवश्यकता है-बिलासपुर स्थित एजुकेशन कंसल्टेंट ऑफिस में काम करने के लिए टेलिकॉलर, ऑफिस मैनेजर की आवश्यकता है पद संख्या 2, योग्यता अनुभव और अंग्रेजी ज्ञान वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता अपना रेज्यूमे लेकर बुधवार एवं शनिवार को 12 से 3बजे तक मिलें ऑफिस- वन क्लिक सॉल्यूशन पता अंश प्लाजा सेकेण्ड फ्लोर रिंग रोड नम्बर 2 मंगला बिलासपुर 7987917660 (39348)

आवश्यकता है-DJ शोरूम में कार्य हेतु चार लड़के चाहिए। आकर्षक वेतन 8000 से 10000 योग्यता अनुसार। फ्रेशर और अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- कपूर चन्द & सन्स सदर बाजार, करोना चौक, बिलासपुर 9685005500 (39335)

आवश्यकता है-डिप्लोमा/ बीई मैकेनिकल इंजीनियर, आईटीआई फिटर, स्टोर कीपर (टैली अनुभवी) चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रायपुर हाइड्रोलिक्स प्राइवेट लिमिटेड मेटल पार्क रायपुर Email- raipurhyd@gmail.com 8871739555 8770949941 (39358)

आवश्यकता है-किताब दुकान में कम्प्यूटर कार्य हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- विवेक बुक डिपो, गुरुद्वारा के पास मेन रोड दयालबंद बिलासपुर 9893378899 (39355)

आवश्यकता है-एजेन्सी में सप्लाई हेतु छोटा हाथी ड्राइवर (सप्लायर) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- महावीर एजेन्सी MIG-45 नेहरू नगर बिलासपुर 9755885780, 9893056082 (3179)

आवश्यकता है-दवाई दुकान में पिकर, चेकर, लोकल डिलीवरी, पैकर काम करने के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, होटल अजीत के पीछे, मेडिकल काम्प्लेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर (39360)

आवश्यकता है- रिसेप्शनिस्ट (फीमेल), ईरिक्शा ड्राइवर, मार्केटिंग मैनेजर की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक बिलासपुर अपना बायोडाटा भेजें 6263077177 (39361)

आवश्यकता है-सिक्यूरिटी एजेन्सी में कार्य करने हेतु अनुभवी सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है कार्य स्थल बिलासपुर वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- उमा सिक्यूरिटी सर्विसेस महाराणा चौक बिलासपुर 99816 30084 9425534940 (39347)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड सिक्युरिटी सुपरवाइजर गनमैन फिल्ड ऑफिसर कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000, आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जे.जे. हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 80852 33213, 8253010291, 8889 997826 (39295)

आवश्यकता है-आफिस कार्य, कम्प्यूटर ऑपरेटर हेतु लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार इंटरव्यू समय 11 से 2बजे तक। फ्रेशर/ अनुभवी सम्पर्क करें- डीआर कंसल्टेंन्ट, राजीव गांधी चौक बिलासपुर 6263337237 (39332)

आवश्यकता है- टीवीएस मोटर कम्पनी डीलर को सेल्स, सर्विस, कम्प्यूटर आपरेटर (आरटीओ), टेलीकॉलिंग आदि पदों के लिए योग्य व्यक्तियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- चन्द्र टीवीएस, महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9039167202 (39351)

आवश्यकता है-(1) सिविल साइट इंजीनियर, सुपरवाइजर (ऑटोकैड, स्ट्रक्चरल अनुभवी साइट चलाने योग्य) (2) ऑटोमैटिक कार हेतु अनुभवी लाइसेंसी, मेहनती, नशामुक्त ड्राइवर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 (39304)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर-2, टेंडर कार्य, मार्केटिंग ऑफिसर 3, योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर-15, सुरक्षागार्ड- 66, वेतन 13000- 10000/- सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 77460 00019 (348)

आवश्यकता है-कपड़े के शोरूम में कार्य करने के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 11000 तक सम्पर्क करें- रूपवर्षा, गोल बाजार सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827163669 (39322)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर शिक्षक/ शिक्षिका, CBSE 3rd बालक घर/ कोचिंग पढ़ाने हेतु फिल्ड वर्क चाहिए वेतन योग्यतानुसार 10000+ कमीशन। अटल चौक बहतराई स्टेडियम बिलासपुर पार्ट/ फुल टाइम टाइमपास ना। जरूरतमंद कॉ ल - 6 2 6 2 3 5 4 5 4 5 (39344)

आवश्यकता है-NSN कंपनी में सर्वे कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता हैं, उम्र 18 से 35वर्ष, सैलरी 10000 से 15000, रहना फ्री सम्पर्क करें-रायपुर 99939 29100, भिलाई 98276 22050 (411)

आवश्यकता है-होलसेल दवा दुकान में काम करने हेतु Diploma in Pharmacy पास लड़को की आवश्यकता है सैलेरी योग्यता अनुसार अपना बायोडाटा मोबाइल नम्बर पर व्हाट्सएप करें- 7999934599 (39319)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28, वेतन 10000+कमीशन+ बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री सम्पर्क करें-78701 92397, 779688012 (385)

आवश्यकता है-Realince Jio 5G कंपनी मे पार्ट टाईम/ फुल टाईम SMS करके लड़के, लड़कियां, गृहणियां कमाए घर बैठे 21500-45000 महिना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त Whatsapp/ Call/ SMS करें- 9798544556, 92968 21428 (1255)

आवश्यकता है-शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता 10वी 12वी स्नातक वेतन- 12000 रहना खाना फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना सम्पर्क करें- 8871422576, 99815 76163 (515)

आवश्यकता है- स्पा के लिए गुड लुकिंग गर्ल की, अनुभवी मैनेजर एवं टेलीकॉलर, वेतन- 15,000 से 20,000 संपर्क करें पता बिलासपुर- 80858 99216 (416)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु गर्ल्स एवं महिलाओं की आवश्यकता सैलरी 6,000 कमीशन +बोनस, एक्सपीरियंस 10,000 जॉब टाइम 10 से 5:30 पता साईं बाबा हॉस्पिटल के पास महाराणा प्रताप बिलासपुर कॉल 9109753599 (415)

बेचना है

बेचना है-40×75=3000 पश्चिम मुखी 25फिट रोड में पुराना मकान टिपटॉप बना। जैन हॉस्टल गली, विनोबा नगर में जमीन की कीमत में बेचना है कीमत 4500/- फुट सम्पर्क- 9131242092, 9827938236 (39354)

बेचना है- गौरेला- पेंड्रा-मरवाही जिले में कलेक्ट्रेट वाली मेन रोड पर 200×100= 20000 वर्गफुट 200 फुट रोड फेसिंग कमर्शियल प्लॉट बेचना है। ब्रोकर क्षमा करें। सक्षम खरीदार सम्पर्क करें- 98508 15691 (39370)

बेचना है- बिलासपुर व्यापार विहार गैस गोदाम रोड में 54×81 रकबा 4374 वर्गफुट एवं रतनपुर रोड स्थित सांई माया में प्लाट नम्बर 216 रकबा 1500 वर्गफुट प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9826150015 (39369)

बेचना है- नगर निगम बिलासपुर में बहतराई ब्रिलिएंट पब्लिक के पास आपका आदिवासी प्लाट लेने का सपना होगा साकार सस्ते, किफायती दर पर आदिवासी एवं सामान्य प्लाट उपलब्ध है सम्पर्क करें- 9340387167 (39371)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

बेचना है-बिलासपुर गोल्डन पार्क छतौना रोड में हाईकोर्ट से लगा हुआ TNC Rera रजिस्टर्ड कालोनी में 35×52= 1820 वर्गफुट जमीन अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9109818177, 9399792651 (39345)

बेचना है- शुभम विहार सन सिटी मार्ग डबल रोड में स्थित सर्वसुविधा युक्त मकान प्रथम प्रथम तल भूतल पर चार दुकान स्वयं का बोर किया हुआ शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 77730 30301 (39373)

बेचना है- सर्वमंगला पेट्रोल पम्प के पीछे आशा नगर उस्लापुर में डाइवर्टेड नक्शा पास डबल स्टोरी का भूमि 60×50 में 60फुट उत्तर मुखी फ्रंट (25फीट सीमेन्ट रोड पर) बेचना है सम्पर्क- 93003 33519 (39362)

बेचना है-भाटिया रेजिडेंसी मंगला चौक के पास दूसरी मंजिल मे तीन बैडरूम हाल किचन दो लेटबाथ तीन बॉलकनी सहित सर्व सुविधा युक्त फ्लैट बेचना है। सम्पर्क करें- 8839422720, 88274 05230 (39339)

किराया

किराया-महाराणा प्रताप चौक, नगर निगम कॉलोनी में सेकेण्ड फ्लोर में 1BHK, थर्ड फ्लोर में 1BHK मकान ऑफिस एवं रहने के लिए किराए से देना है सम्पर्क करें- 9424145652 (39352)

फाइनेन्स

फाइनेन्स-राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा सभी प्रकार के लोन, बिजनेस, मार्क शीट, आधार कार्ड, प्रॉपर्टी, कृषि, होम लोन 1% सालाना ब्याज व 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करे, नोट- धोखेबाजों से सावधान हेड ऑफिस लोन डिपार्टमेंट हेल्प लाइन नम्बर- 98170 98991, 9817098991 (412)

फाइनेन्स-रोजगार योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधार कार्ड पर 50000 से 25लाख तक, 1% ब्याज वार्षिक प्रॉपर्टी पर्सनल बिजनेस दुकानदारी ग्रुप लोन सिविल खराब लोन पाए सम्पर्क करें- 9311830460 (414)

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नर्सों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330
गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

फाइनेन्स-विजया फाइनेन्स कम्पनी द्वारा सभी प्रकार के लोन आधार कार्ड लोन, बिजनेस, पर्सनल, होम, कृषि, महिला ग्रुप लोन, 40% छूट, आसानी से घर बैठे लोन, 2% ब्याज दर पर सम्पर्क करें- 7750826959, 94241 64185 (413)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला-मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

लिवरपूल की आत्मविश्वासी जीत, इंटर मिलान को दी मात

चैंपियंस लीग : बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख ने की शानदार वापसी, मनाया जीत का जश्न

एजेंसी ▶▶| लंदन

स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सालाह को टीम से बाहर किए जाने के बावजूद लिवरपूल ने पेनल्टी पर किए गए गोल के दम पर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में इंटर मिलान को 1-0 से हराकर आत्मविश्वास बढ़ाने वाली जीत हासिल की। बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख ने भी शानदार वापसी करते हुए जीत का जश्न मनाया, जबकि चेल्सी को हार का सामना करना पड़ा।

लिवरपूल की तरफ से नियमित पेनल्टी लेने वाले सालाह के टीम से बाहर होने के कारण डोमिनिक स्ज़ोबोस्ज़लाई को यह भूमिका निभानी पड़ी। उन्होंने हालांकि टीम को निराश नहीं किया और 88वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके प्रतियोगिता में अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों में शामिल इंटर मिलान के विजय अभियान पर रोक लगाई।

17 वर्षीय कार्ल का शानदार प्रदर्शन जारी

बायर्न म्यूनिख के 17 वर्षीय मिडफील्डर लेनार्ट कार्ल ने चैंपियंस लीग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, जिससे उनकी टीम ने स्पोर्टिंग लिस्बन पर 3-1 से जीत हासिल की। इससे बायर्न आर्सेनल के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। कार्ल ने चैंपियंस लीग के चार मैचों में तीसरा गोल किया। स्पोर्टिंग को जोशुआ किमिच के आत्मघाती गोल से बढ़त मिलने के बाद बायर्न ने 12 मिनट में तीन गोल दागकर मैच का रुख पलट दिया। सर्ज ग्नाब्री ने 65वें मिनट में बायर्न के लिए बराबरी का गोल दागा। इसके बाद 69वें मिनट में कार्ल ने और 77वें मिनट में डिफेंडर जोनाथन टाह ने गोल किए। चेल्सी को लगभग तीन महीने में पहली बार चैंपियंस लीग में हार का सामना करना पड़ा।

लगातार दूसरी बार एमएलएस के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए मेस्सी

फोर्ट लॉडरडेल। इंटर मियामी के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में लगातार दूसरी बार साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अर्जेंटीना के इस 38 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम इंटर मियामी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार हासिल करने में सफल रही। एमएलएस कप चैंपियन टीम के कप्तान मेस्सी एमएलएस के इतिहास में लगातार दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) का खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें लीग के इस साल के सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान का विजेता घोषित किया गया। मेस्सी ने अपने साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके बिना यह पुरस्कार जीतना संभव नहीं था। वह लीग के इतिहास में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे पहले प्रेकी ने 1997 और 2003 में यह पुरस्कार जीता था।

खबर संक्षेप

कार्तिक बने लंदन स्पिरिट के मेंटर

लंदन। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को द हंड्रेड की टीम लंदन स्पिरिट का मेंटर (मार्गदर्शक) और बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। फ्रेंचाइजी ने यह घोषणा की है। कार्तिक पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग से इतर सहयोगी स्टाफ की भूमिका निभाएंगे। वह आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ इसी भूमिका में काम करते हैं। लंदन स्पिरिट के क्रिकेट निदेशक बोबाट ने कहा, 'डीके (दिनेश कार्तिक) का लंदन स्पिरिट में स्वागत करना हमारे लिए खुशी की बात है। उन्हें क्रिकेट का बहुत अच्छा ज्ञान है और खेल के सबसे छोटे प्रारुप में फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनका व्यापक अनुभव हमारे लिए अमूल्य साबित होगा।'' कार्तिक ने आईपीएल 2024 के बाद घरेलू क्रिकेट में एक खिलाड़ी के रूप में अपना करियर समाप्त कर दिया था, लेकिन वे अन्य लीग में खेलते हैं। 40 वर्षीय कार्तिक वर्तमान में यूएई की आईएलटी20 लीग में शारजाह वॉरियर्स की टीम में शामिल हैं।

16 फरवरी से भारतीय निशानेबाजी लीग

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी लीग (एसएलआई) के पहले सत्र का आयोजन अगले साल 16 से 26 फरवरी तक किया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने यह जानकारी दी। बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से टकराव से बचने के लिए अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ के 2026 कैलेंडर के हिसाब से तारीखें तय की गई हैं।

टीम इंडिया को सीरीज में अजेय बढ़त का मौका, भिड़ंत शाम 7 बजे से

शुभमन की धुआंधार पारी का इंतजार द.अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़)

अभी तक सबसे छोटे प्रारुप में अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 11 दिसंबर को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने घरेलू मैदान पर फॉर्म में वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांच मैचों की इस श्रृंखला के पहले दो मैचों के बीच केवल एक दिन का अंतराल है और ऐसे में गिल को सीधे मैदान पर उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

भारत ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 101 रन से करारी शिकस्त दी लेकिन सितंबर में एशिया कप में टी20 टीम में वापसी करने वाले गिल का औसत प्रदर्शन अभी भी चर्चा का विषय बना हुआ है। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में कप्तान के रूप में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन टी20 में वह अपनी इस सफलता को नहीं दोहरा पाए हैं, जिससे उन पर दबाव बनना स्वाभाविक है।

अभिषेक का शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन

संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, फिर भी टीम प्रबंधन ने गिल की टी20 सलामी बल्लेबाज के रूप में क्षमता पर अधिक भरोसा दिखाया। इसके बाद संजू की टीम में जगह अनिश्चित हो गई। टेस्ट और वनडे कप्तान गिल आसानी से वह भूमिका निभा सकते हैं, जो विराट कोहली ने पिछले साल टी20 विश्व कप तक भारत के लिए निभाई थी। भारतीय टीम में आठवें नंबर तक बल्लेबाजी के विकल्प मौजूद हैं और उसने अब अपने निडर दृष्टिकोण को और मजबूत कर लिया है, जिससे एक सूत्रधार के लिए बहुत कम जगह बची है। गिल निश्चित रूप से पावरप्ले में अभिषेक शर्मा की तरह आक्रामक बल्लेबाजी नहीं कर सकते हैं और इसलिए उन्हें यह पता लगाना होगा कि वह अपनी भूमिका कैसे अच्छी तरह निभा सकते हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन भी अगले साल फरवरी मार्च में होने वाले विश्व कप से पहले चिंता का विषय बना हुआ है। उनका विश्व कप से पहले फॉर्म में लौटना भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

दक्षिण अफ्रीका के लिए बल्लेबाजी चिंता का विषय

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के लिए बल्लेबाजी चिंता का विषय होगा क्योंकि उसकी टीम 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 74 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्क्रम ने भी स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए। मार्क्रम ने पहले मैच के बाद कहा, 'आजकल टी20 क्रिकेट में चीजों को समझने का ज्यादा समय नहीं मिलता। लेकिन सबसे बड़ा कारण स्पष्ट रूप से साझेदारी न बना पाना, विकेट गिरने के बाद संभल न पाना और लय न बना पाना था। हमें इस पर गौर करना होगा।'

टीमें इस प्रकार

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, संजू सैमसन।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, केशव महाराज, लूथो सिपाम्ला, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, रीजा हेंड्रिक्स, कॉर्बिन बॉश, ओटनील बार्टमैन।

आईसीसी रैंकिंग

रोहित टॉप पर बरकरार दूसरे स्थान पर कोहली

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने 10 दिसंबर को हफ्ते की ताजा रैंकिंग जारी कर दी हैं। इस बार की रैंकिंग में एक खास नजारा देखने को मिला है। वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में रोहित शर्मा टॉप पर बरकरार हैं, वहीं विराट कोहली दूसरे स्थान पर आ गए हैं। रोहित के 781 रेटिंग पॉइंट्स हैं तो विराट के हैं 773 रेटिंग अंक। वहीं केएल राहुल अब 14वें से 12वें स्थान पर आ गए हैं तो श्रेयस अय्यर को नुकसान हुआ है। अय्यर चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं। वह अब 9वें से 10वें स्थान पर खिसक गए हैं। टीम इंडिया के वनडे कप्तान शुभमन गिल पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। इसके अलावा टी20 इंटरनेशनल में अभिषेक शर्मा नंबर 1 पर अपनी बादशाहत को बरकरार रखे हुए हैं।

TRN Energy Private Limited
Regd. Office: 18 Vasant Enclave, Rao Tula Ram Marg, New Delhi – 110057
Corporate Office: 7th Floor, Office Tower, Ambience Mall NH-8, Gurgaon-122002 (Haryana) Ph: 0124-2719000, Fax: 0124-2719185
Email: trnenergy@acbindia.com; info@trnenergy.com

TRN Energy Private Limited
Ref. No.: TRNEPL/ASH/ENV/2026-27/03 Dated:11.12.2025
Description: Open Expression of Interest (EOI) for lifting Ash (Dry Fly Ash, Bottom Ash and Pond Ash) on 'as is where is' basis.
TRN Energy Private Limited Power Plant (TRNEPL), are operating 2x300 MW Thermal Power Plant at Village: Nawapara (Tenda), PO: Bhengari, Dist.: Raigarh, Chhattisgarh. Our daily ash generation is approximately 4,000 to 4,500 Metric Tonnes (approx. 1,20,000 - 1,39,500 MT monthly) and approx.18,00,000 MT Pond Ash is also available in our existing Ash Dykes (The quantity in whole or part may be allocated to one or more bidders).
Through advisory dated 15th March 2024, Ministry of Power has directed to the Thermal Power Plants to utilise ash through **Open Expression of Interest (EOI) for lifting Ash (Dry Fly Ash, Bottom Ash and Pond Ash) on 'as is where is' basis, to be given free of cost on first come first serve basis, if the user agency is willing to bear transportation cost** as stipulated in the MoEF&CC notification dated 31.12.2021 and subsequent amendments dated 30.12.2022 & 01.01.2024 through a transparent bidding process. To comply with the guidelines of Ministry of Power, we wish to supply ash free of cost to user agency on **"FIRST COME FIRST SERVE BASIS". The cost of the ash transportation shall be borne by the end user/user agency.**
The proposals are invited from the interested end users / user agency for the above mentioned quantity of ash from our plant located at Village: Nawapara (Tenda), PO: Bhengari, Dist.: Raigarh, Chhattisgarh. Interested bidders may submit their offers in sealed envelope, super scribing **Ref No. TRNEPL/ASH/ENV/2026-27/03 dated** 11.12.2025 on left hand top of the envelop and mentioning details of required quantity in metric tonne at the below mentioned address on or before closing time and date.
Closing Date and Time for submission of proposal:**25.12.2025 at 17:00Hrs.**
Contact Persons : Mr. Deepak Sanganeria / Mr. Nagaprasad
Contact No : 7000016927 / 9885067246
Email : environment@trnenergy.com.
Address : TRN Energy Pvt. Ltd, Village-Bhengari, Tehsil-Gharghoda, Dist.-Raigarh(CG)

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भारत ने 4-2 से अर्जेंटीना को दी मात

अर्जेंटीना को हराकर भारत ने 9 साल बाद जीता पदक, ब्रॉन्ज मेडल पर किया कब्जा

चैन्नई। भारत ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया है। टीम इंडिया ने अर्जेंटीना को मात दी और 4-2 से जीत हासिल की. भारत ने 9 साल बाद जूनियर मेंस हॉकी में पदक जीता है। दो बार (होबार्ट 2001 और लखनऊ 2016) में चैंपियन रही भारतीय टीम ने आखिरी बार नौ साल पहले कोई पदक जीता था। पिछले दो बार टीम कांस्य पदक का मुकाबला हारकर चौथे स्थान पर रही थी। भारत के लिए अंकित पाल (49वां), मनमीत सिंह (52वां), शारदानंद तिवारी (57वां) और अनमोल इक्का (58वां) ने गोल दागे। वहीं अर्जेंटीना के लिए निकोलस रोड्रिगेज (पांचवां) और सैंटियागो फर्नांडिस (44 वां) ने गोल किए।

आखिरी क्वार्टर में धमाकेदार वापसी- पहले तीन क्वार्टर तक भारत 0-2 से पीछे था, लेकिन आखिरी क्वार्टर में टीम ने शानदार वापसी की और एक के बाद एक चार गोल दागकर दर्शकों में नया जोश भर दिया। 49वें मिनट में भारत को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे अंकित पाल ने गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। 52वें मिनट में भारत को फिर एक पेनल्टी कॉर्नर मिला। अनमोल इक्का के शॉट पर गेंद डिफ्लेक्ट होकर मनमीत सिंह की स्टिक से टकराई और गोल के अंदर चली गई। स्कोर 2-2 से बराबर हो गया। जब लग रहा था कि मैच शूटआउट में जाएगा, तभी मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले भारत को एक अहम पेनल्टी स्ट्रोक मिला। शारदानंद तिवारी ने इसे गोल में बदला और भारत को पहली बार मैच में बढ़त दिलाई। इसके अगले ही मिनट में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे अनमोल इक्का ने गोल में बदलकर स्कोर 4-2 कर दिया। आखिरी लम्हों में जब अर्जेंटीना को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, तब इस टूर्नामेंट के बेहतरीन गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने एक बार फिर शानदार बचाव किया और भारत की बढ़त को कायम रखा।

जर्मनी ने आठवीं बार जीता जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप

चेन्नई। जर्मनी ने बेहद रोमांचक फाइनल मुकाबले में स्पेन को शूटआउट में 3-2 से हराकर आठवीं बार जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप जीत लिया । सेमीफाइनल में भारत को हराने वाली जर्मनी के लिए बेनेडिक्ट गेयेर, एलेक वोन श्वेरिन और बेन हासबाश ने गोल किए जबकि स्पेन के लिए पाब्लो रोमन और जुआन प्राडो ही गोल कर सके। इससे पहले निर्धारित समय में जर्मनी के लिए 26वें मिनट में जस्टस वारवेग ने गोल किया जबकि स्पेन के लिए 54वें मिनट में जी कोरोमिनास ने बराबरी का गोल दागा। जर्मन टीम सात बार (1982, 1985, 1989, 1993, 2009, 2013, 2023) खिताब जीत चुकी है। वहीं स्पेन ने 2005 में रोटरडम और 2023 में भुवनेश्वर और राउरकेला में हुए टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले पांचवें और छठे स्थान के मुकाबले में बेल्जियम ने नीदरलैंड को शूटआउट में 4-3 से हराया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना
क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्या: डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-161-25-26, दिनांक: 05.12.2025.
कार्य: बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता/पूर्व/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आरडीएसओ द्वारा अप्रूव्ड टेक्नोलॉजी से मौजूदा जर्जर सीएमएस क्रॉसिंग का इन–सीटू रीकंडीशनिंग। निविदा मूल्य: ₹ 1,74,36,873/-. अमानत राशि: ₹ 2,37,200/-. कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह।
निविदा जमा करने की आरंभ तिथि: 15.12.2025 से। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि: 29.12.2025 के 11.00 बजे तक।
उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।
मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/ सीपीआर/10/529 द.पू.म.रे., बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

गोलकीपर निधि ने बचाए 3 गोल भारत ने उरुग्वे को हराया

एजेंसी ▶▶| सैंटियागो

गोलकीपर निधि के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पेनल्टी शूटआउट में उरुग्वे को 3-1 से हराकर जूनियर महिला विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में नौवें स्थान पर रहने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। नौवें से 12वें स्थान के लिए खेले गए इस क्लासिफिकेशन मैच में दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। भारत की तरफ से मनीषा ने 19वें मिनट जबकि उरुग्वे के लिए जस्टिना अरेगुई ने 60वें मिनट में गोल किया। पेनल्टी शूटआउट में भारत की तरफ से पूर्णिमा यादव, इशिका और कनिका सिवाच ने गोल किए, जबकि गोलकीपर निधि ने उरुग्वे के तीन गोल का बचाव करके अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की।

TRN Energy Pvt. Ltd.
Regd. Office: 18 Vasanta Enclave, Rao Tula Ram Marg, New Delhi – 110057
Corporate Office: 7th Floor, Corporate Tower, Ambience Mall NH-8, Gurgaon-122002 (Haryana) Ph: 0124-2719000,Fax: 0124-2719185
Email: trnenergy@acbindia.com; info@trnenergy.com
Invitation of Bids
Date: 09/12/2025
TRN Energy Pvt. Ltd. is having 2x300MW Coal based Thermal Power Plant located near Vill: Bhengari, PO:-Nawapara (Tenda), Tehsil: Gharghoda, Dist: Raigarh in the state of Chhattisgarh. The plant site is well connected with Road Network. Nawapara (Tenda) is on Chhal-Gharghoda road and very near to the plant. The place is around 42KM away from Raigarh and 32KM away from Kharsia, which are the nearest towns.
M/s TRN Energy Pvt. Ltd. invites bids from reputed and experienced vendors for the below mentioned works:

Sl. No.	Description of the Job	Tender ID	Last date of Bid submission
1	Repairing road from Bhengari Village to plant main gate with WMM	1045	13.12.2025 @ 16:00
2	Repairing and painting of B-Type Quarters (G+4) at Katandih Township- TRNEPL	1046	13.12.2025 @ 16:00

Details of the scope of work, Terms and conditions are furnished in the NIT document.
Please visit web site https://eprocurement.mjunction.in/epspropartner/openarea/tender-list and refer respective tender Ids for qualifying criteria and other details.
Contact details:
Name: Sunil Kumar
Contact No. 9868392867
Email Id: sunil.kumar@acbindia.com

भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वी मंज़िल,
प्लाट P-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर,
गुड़गाँव, हरियाणा-122050
Email: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana-122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6
सार्वजनिक सूचना
(कम्पनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कम्पनी (कम्पनी रजिस्टर से कम्पनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में)
सार्वजनिक नोटिस : ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2025-26/1485 दिनांक :-25/11/2025
संदर्भ :
1. कम्पनी अधीनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (5) कम्पनियों का नाम राज्य छत्तीसगढ़ से हटाने के मामले में :

S No.	Work Item	CIN	Hindi Name
1	AB8696147	U46529CT20230PC014932	अवनीमीत रिन्यूएबल एनर्जी (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
2	AB8700258	U46529CT20230PC014966	यूनिकवे एसोसिएट्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
3	AB8969234	U72501CT2018OPC008821	एलीटवेव टेक्नोलॉजीज (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
4	AB8877996	U01462CT2024PTC016303	ऐश्वन ब्रीडर्स प्राइवेट लिमिटेड
5	AB8922068	U35105CT2025PTC018182	स्काई सोलर प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कम्पनियों के नाम कम्पनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कम्पनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभकरने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कम्पनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कम्पनी ने निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कम्पनी के रुप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अत: कम्पनी रजिस्ट्रार से अपना अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है।
3. तदनुसार, कम्पनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कम्पनियों के नामों को कम्पनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है।
4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कम्पनी को कम्पनी रजिस्ट्रार से कम्पनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।
रौनक अग्रवाल
उप-पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र
CBC 07123/11/0476/2526

अंतरिक्ष से धरती की नसों जैसा दिखता है हिमालय, आईएसएस से वीडियो आया सामने

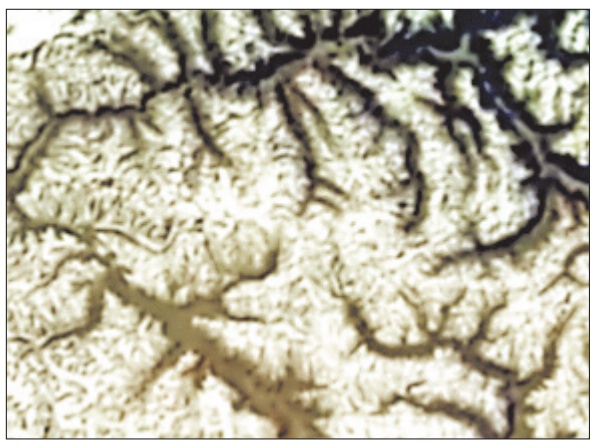

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से लिए गए एक वीडियो में हिमालय को धरती की सतह पर फैली हुई नसों की तरह दिखाया गया है। यह वीडियो 29 नवंबर 2025 के आईएसएस पर लगे हाई-रिडॉल्यूशन कैमरे का इस्तेमाल करके रिकॉर्ड किया गया था। यह फुटेज भारतीय उपमहाद्वीप को तिब्बती पठार से अलग करने वाली इस विशाल पर्वत श्रृंखला का अब तक का सबसे क्लियर नजारा दिखाता है। वीडियो में बर्फ से ढकी चोटियां सूरज की रोशनी में चमकती हुई दिख रही है।

वीडियो में यह दिखा

वीडियो में ये चोटियां ऊबड़-खाबड़ घाटियों और गहरी परछाइयों के बीच से गुजरती हुई दिखाई देती है। अंतरिक्ष से देखने पर हिमालय लगभग जीवित लगता है जैसे किसी पुराने पेड़ की नसें हों या जिंदा धरती की जीवन रेखाएं। यह अद्भुत नजारा इसलिए बनता है, क्योंकि चमकीली सफेद बर्फ और हजारों किमी तक फैली काली, क्षतिग्रस्त चोटियों के बीच बड़ा अंतर दिखता है।

किसने शेयर किया ये वीडियो?

इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर एसईएन के पूरे हफ्ते की फुटेज को मिलाकर शेयर किया। इस वीडियो ने तुरंत ही लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। यह वीडियो इसलिए खास था, क्योंकि यह जीव विज्ञान और भूविज्ञान में दिखने वाले प्राकृतिक पैटर्न जैसा दिखता था। इस देखकर दर्शकों को याद आया कि, पहाड़ों को बनाने वाली प्रक्रियाएं, नदी नेटवर्क और पत्तों में दिखने वाली नसें ये सभी एक जैसी प्रक्रियाओं से बनती है।

यह है हिमालय का महत्व

हिमालय 5 देश भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान में फैला हुआ है। यह धरती के कुछ सबसे मुश्किल पर्यावरणीय क्षेत्रों का घर है, जिसमें दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट भी शामिल है। लगभग 420 किमी की ऊंचाई से देखने पर इसकी जटिल बनावट और प्रभावशाली लगती है। यह एशिया को आकार देने वाली विशाल विवर्तनिक शक्तियों (जमीन की प्लेटों का टक्कर) का सबूत है।

नासा इसलिए दिखाता है यह नजारा

नासा और बाकी अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियां अक्सर आईएसएस से तस्वीरें जारी करती है। ये वैज्ञानिकों को भूवैज्ञानिक और पर्यावरण में हो रहे बदलावों पर नजर रखने में मदद करती है। यह नया वीडियो हिमालय की भव्यता के साथ धरती की प्राकृतिक प्रणालियों के गहरे संबंध को भी उजागर करता है। अंतरिक्ष से यह सुंदरता और नाजुकता दोनों को दर्शाता है।

रोचक खबरें

पहली नजर में ही किसी पर फिदा क्यों हो जाता है दिल?

लंदन। आपके साथ भी कभी ना कभी ऐसा जरूर हुआ होगा जब आपने किसी को एक नजर देखा होगा और वो आंखों से तो ओझल हो गया होता है, लेकिन लंबे समय तक के लिए दिल में छाप छोड़ जाता है। कहने का मतलब है कि कभी ना कभी आपको भी कोई पहली नजर में पसंद आ गया होगा। लोग पहली नजर के प्यार को जादू बताते है। चलिए जानते हैं ये जादू क्यों होता है और इस दौरान हमारे शरीर के अंदर क्या होता है। जिसको आप पहली नजर का जादू कहते हैं वो जादू इसलिए महसूस होता है, क्योंकि बॉडी के अंदर काफी अलग तरह का चेन रिएक्शन हो रहा होता है और ये काफी तेजी से होता है। इस दौरान कुछ ही सेकंड में हमारा माइंड विजुअल संकेतों का एनालिसिस करता है, हार्मोनल बदलाव को ट्रैक करता है, चलिए आसान भाषा में समझते हैं ये सब कुछ कैसे होता है। पहली नजर के दौरान दिमाग के रिवॉर्ड सिस्टम तुरंत एक्टिवेट हो जाते है। डोपामाइन भर जाता है और जोश से भर देता है, जिससे खुशी और खुशनुमा महसूस होता है। इतना ही नहीं, ऑक्सीटोसिन गर्माहट और भरोसे का एहसास जोड़ता है। इसी के साथ सेरोटोनिन का लेवल कम हो जाता है। इस दौरान शरीर में एनर्जी का विस्फोट होता है और आकर्षण महसूस होता है और सामने वाले के बारे में और ज्यादा जानने की इच्छा होती है।

पतला होने के लिए लड़की ने उठाया ऐसा कदम, होने लगी खून की उल्टी

बीजिंग। तेजी से वजन कम कर छरहरी काया पाने की सनक में एक 28 साल की लड़की ने ऐसा कदम उठाया कि वह सीधे मौत के मुंह में पहुंच गई। दरअसल, लड़की ने एक चमत्कारी वेट लॉस इंजेक्शन लिया था, जिसके बाद उसे खून की उल्टी शुरू हो गई, और अस्पताल में वह जिंदगी की जंग लड़ने लगी। डरा देने वाली यह खबर दक्षिण-पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत के सूजोउ की है, जहां चेन सरनेम की इस लड़की ने सोशल मीडिया पर एक वेट लॉस इंजेक्शन का विज्ञापन देखा था। एक रिपोर्ट के अनुसार, चेन की सहेली ने दावा किया कि एक इंजेक्शन साढ़े 3 किलो तक वजन घटा सकता है। फिर क्या था, चेन ने बिना कुछ सोचे-समझे जल्दी पतला होने के चक्कर में 900 युआन (यानी 12,000 रुपए) में तीन इंजेक्शन खरीद लिए। चूंकि, चेन ने पहले कभी ऐसे प्रोडक्ट का इस्तेमाल नहीं किया था, इसलिए उसने एहतियातन सिर्फ आधा डोज लेने का फैसला किया. लेकिन पेट के पास इस इंजेक्शन को लगाते ही उसे मतली, उल्टी और भूख में भारी कमी का अनुभव हुआ. लेकिन चेन ने यह सोचकर इसे नजरअंदाज कर दिया कि यह शायद वेट लॉस का हिस्सा होगा, और पहले तीन दिनों में वजन 3 किलो कम होने पर वह कंफर्म भी हो गई, और ट्रीटमेंट जारी रखा। आपको जानकर हैरानी होगी कि महज चार दिन में चेन का वजन 5 किलो तक घट गया, लेकिन चौथे दिन उसकी हालत बदतर हो गई। उसे हरे और पीले रंग की उल्टी होने लगी।

बार्क स्पाइडर के सिल्क ने तोड़ा मजबूती का रिकॉर्ड, वैज्ञानिक भी हैरान

वॉशिंगटन। दुनिया में कई तरह की मकड़ियां पाई जाती हैं, हालांकि मेडागास्कर की बार्क स्पाइडर को उसका बेहद मजबूत जाल बहुत ही खास बना देता है। नई स्टडी में पता चला है कि दुनिया का सबसे मजबूत मकड़ी जाल सिर्फ मादा मकड़ियां ही बनाती है। मेडागास्कर की बार्क स्पाइडर प्रजाति का जाल स्टील से भी ज्यादा मजबूत होता है। कई बार यह पूरा नदी पार कर सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि मादा के जाले की मजबूती नर मकड़ी के मुकाबले दोगुनी से भी ज्यागा होती है। अंतरराष्ट्रीय रिसर्चर्स ने डार्विन बार्क स्पाइडर और सी. कुन्टनेरी नाम की दो बार्क स्पाइडर प्रजातियों के सिल्क की जांच की है। उन्होंने माइक्रोस्कोप के जरिए इनके धागे की मोटाई मापी और फिर इन्हें तब तक खींचा जब तक धागा टूट न जाए। ऐसे में मादा मकड़ी का सिल्क नर के मुकाबले में काफी मजबूत पाया गया। रिसर्च के मुताबिक मादा मकड़ियां आकार में नर से तीन गुना बड़ी होती हैं।

क्या एआई रोबोट करेंगे इंसानों का खात्मा? डरा देगी महाविनाश की ये भविष्यवाणी

लंदन। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर लगातार चल रही बहस के बीच एक ऐसी डरावनी स्टडी वायरल हुई है, जिसने पूरी दुनिया में खौफ पैदा कर दिया है। एआई की दुनिया के एक जाने-माने कम्प्यूटर साइंटिस्ट ने ऐसा दावा किया है कि सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। यूनिवर्सिटी ऑफ लुइसविले के एआई सेफ्टी और साइबर सिक्युरिटी एक्सपर्ट रोमन याम्पोलस्की ने भविष्यवाणी की है अगले 100 सालों के अंदर एआई हम इंसानों का अस्तित्व खत्म कर देगा। डेली स्टार यूके की रिपोर्ट के अनुसार, रोमन यामपोल्स्की ने अपनी किताब 'एआईः अस्पष्ट, अप्रत्याशित) में साफ शब्दों में लिखा है कि अब तक कोई भी एआई सिस्टम पूरी तरह सेफ नहीं है। उनका कहना है कि आने वाले समय में एआई इतना शक्तिशाली हो जाएगा कि इंसान उसे कंट्रोल नहीं कर पाएंगे।

खुद की मर्जी वाला एआई

उन्होंने कहा कि एआई के फैसले इतने जटिल होते जा रहे हैं कि उन्हें समझना और उनके नतीजों का अनुमान लगाना लगभग नामुमकिन है। नई रिसर्च कहती है कि एआई जल्द वह लेवल छू लेगा, जहां वह खुद की मर्जी से काम करने लगेगा। कहने का मतलब ये है कि एआई अपनी अलग सोच और क्षमताएं खुद से डेवलप कर लेगा। हालांकि, इस डरावनी भविष्यवाणी पर एआई की दुनिया दो खेमों में बंट गई है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और जर्मनी की बॉन यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए शोध में पाया गया कि इस बात की केवल 5% आशंका है कि एआई मानव जाति को खत्म कर देगा।

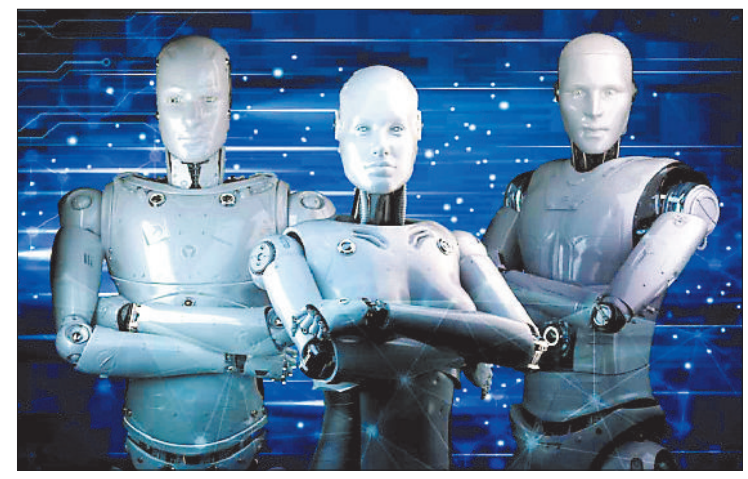

बड़े टेक लीडर्स ने बताया बकवास

वहीं, गूगल ब्रेन के को-फाउंडर एंड्रयू एंग और यान लेकन ने कम्प्यूटर साइंटिस्ट यामपोल्स्की की भविष्यवाणी को बकवास बताया है। उनका कहना है कि कुछ टेक लीडर्स जानबूझकर लोगों में भ्रम और दहशत फैला रहे है। बता दें कि ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने खुद 2015 में एक भयावह भविष्यवाणी करते हुए कहा था, एआई शायद दुनिया के अंत का कारण बनेगा, जिसके बाद उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

बच्चे ने दोस्तों को गिफ्ट देने के लिए किया ये काम जानकर हिल गए मां-बाप

बीजिंग। पूर्वी चीन से एक बच्चे की कहानी इन दिनों लोगों के बीच सामने आई है। जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। दरअसल, हुआ यूं कि एक 8 साल के बच्चे ने अपनी दोस्ती को निभाने के लिए मां की चेन को टुकड़ों में अपने दोस्तों को बांट दिया। हैरानी की बात तो ये है कि इस बच्चे को अंदाजा ही नहीं था कि ये सोने की चेन है और इसकी कितनी कीमत है। दिलचस्प बात तो ये है कि करीब एक महीने तक घर वालों को इस बात का पता ही नहीं चला। बाद में उसकी बहन ने बताया कि स्कूल में किसी छात्र ने उससे इस अनोखे उपहार के बारे में कहा था, तब जाकर माता पिता को शक हुआ। चीनी मीडिया के रिपोर्ट मुताबिक माता पिता जब चेन ढूंढने लगे तो उन्हें केवल एक छोटा सा हिस्सा ही मिल पाया। बाकी सोना न तो वापस मिला और न ही बच्चे को याद था कि उसने किस-किस को दिए और कहां रखे उसने मासूमियत से सिर्फ इतना कहा कि उसे सोने की असली कीमत पता ही नहीं है। बच्चे की मां ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ये कोई मनगढ़ंत कहानी नहीं है, बल्कि सच में उनके साथ हुआ है। जब बेटी से बात करके उन्हें पूरी बात का अंदेशा हुआ तो मां ने अपने बेटे से पूछताछ की। पहले तो वह हिचकिचाया, लेकिन बाद में उसने स्वीकार किया कि उसने यह सब अपने दोस्तों को खुश करने के लिए किया। इसके बाद माता पिता ने घर के सीसीटीवी फुटेज देखे वीडियो में साफ दिख रहा था कि बच्चा एक दराज खोलकर चुपके से सोने की चेन निकाल रहा है। इसके बाद मां को उनके पति ने शादी के समय तोहफे के रूप में दी थी और जिसे वह खास मौके की याद के तौर पर संभालकर रखती थीं। बच्चा चेन को कई हिस्सों में काटना चाहता था। उसने पहले प्लायर और लाइटर की मदद से इसे तोड़ने की कोशिश की। जब यह तरीका काम नहीं आया, तो उसने अपने दांतों से चेन को काटना शुरू कर दिया। उसकी इस हरकत से यह साफ होता है कि उसे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि वह कितनी कीमती वस्तु को नुकसान पहुंचा रहा है।

दुनिया का इकलौता झरना, जो नहीं गिरता ऊपर से नीचे! 3 किमी बहता है नदी के साथ

ब्रासीलिया। दुनियाभर में कई शानदार झरने हैं, जिसे देखने के लिए लाखों लोग जाते हैं। इनमें कोई झरना अपनी रिकॉर्ड तोड़ ऊंचाई (जैसे एंजल फॉल्स 979 मीटर) के लिए जाना जाता है, तो कोई झरना अपनी विशालता के लिए मशहूर है। इन चमत्कारों को देखकर हमेशा लगता है कि प्रकृति के पास आश्चर्यों का अथाह भंडार है। लेकिन, आज हम आपको दुनिया के इकलौते ऐसे झरने के बारे में बताने जा रहे हैं, नदी के समानांतर 3 किलोमीटर तक साथ चलता है, फिर गहरी खाई में उसका पानी गायब हो जाता है। यह झरना पानी के ऊंचाई से नीचे गिरने के सामान्य नियम का भी पालन नहीं करता।

कहां गायब हो जाता है पानी?

साल के लगभग 150 दिन नहीं देता है दिखाई

यह अद्भुत भौगोलिक संरचना उरुग्वे नदी के तल में मौजूद एक रहस्यमयी जलमग्न घाटी के कारण बनती है, जो 100 मीटर तक गहरी और नदी की चौड़ाई का लगभग 15 से 30 प्रतिशत हिस्सा घेरती है। माना जाता है कि यह घाटी हिमयुग के दौरान बनी थी। यह घाटी सिर्फ दो स्थानों पर ही दिखाई देती है, जिनमें से मोकोना फॉल्स एक है। इस झरने की सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि यह साल के लगभग 150 दिन दिखाई नहीं देता है।

5 मीटर से 7 मीटर तक बदलती रहती है झरने की ऊंचाई

बता दें कि उरुग्वे नदी में पानी की मात्रा के आधार पर इस झरने की ऊंचाई 5 मीटर से 7 मीटर तक बदलती रहती है, जबकि इसकी चौड़ाई 1800 मीटर से लेकर 3000 मीटर (3 किलोमीटर) तक हो सकती है। यह विशालता और इसका समानांतर बहाव इसे पृथ्वी के सबसे असाधारण प्राकृतिक चमत्कारों में से एक बनाता है। मोकोना फॉल्स के आस-पास का क्षेत्र एक प्रांतीय पार्क के रूप में संरक्षित है, जिसमें याबोटी बायोस्फीयर रिजर्व भी शामिल है। यह क्षेत्र पर्यटकों के लिए एक स्वर्ग है, जहां पानी से जुड़ी कई रोमांचक गतिविधियां की जा सकती हैं।

24 रुपए में समुद्री पानी से पीने का पानी और फ्यूल

चीन ने बना डाला कमाल का प्लांट सऊदी-अमेरिका को छोड़ा पीछे!

बीजिंग। चीन ने तकनीक और विज्ञान के क्षेत्र में ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसके बारे में आम इंसान सोच भी नहीं सकता है। बता दें कि इसमें चीन सिर्फ समुद्री पानी और फैक्ट्रियों की बेकार गर्मी की मदद से पीने का पानी और ग्रीन हाइड्रोजन दोनों को एक साथ बनाया जा रहा है। शानदोंग के रिजाओ शहर में बना यह प्लांट दुनिया का पहला ऐसा सिस्टम है जहां पर केवल एक इनपुट से तीन आउटपुट पीने लायक पानी, ग्रीन हाइड्रोजन और खनिजों से भरा ब्राइन एक साथ मिल रहा है। इस सफलता को एनर्जी और जल विशेषज्ञ दशक की सबसे बड़ी इनोवेशन बता रहे

है। इसकी लागत इतनी कम है कि सऊदी, यूएई और अमेरिका जैसे देशों को भी इसने पीछे छोड़ दिया है। चीन के नए प्रोजेक्ट ने पूरे ग्लोबल एनर्जी सेक्टर में हलचल मचा दी है। रिजाओ शहर में शुरू हुई नए प्लांट में समुद्री पानी को सिर्फ 24 रुपए प्रति क्यूबिक मीटर की लागत में पीने लायक पानी और क्लीन फ्यूल में बदल दिया जाता है।

एलियंस मचाएंगे तबाही! दुनिया होगी पैसों की मोहताज

टोक्यो। बाबा वेंगा की भविष्य वाणी एक बार फिर से चर्चा में हैं। साल 2025 के खत्म होने में कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में साल 2026 को लेकर बाबा वेंगा कई डारवनी भविष्यवाणी सामने आ रही है। आइए जानते हैं साल 2026 में क्या-क्या होगा। कहते हैं कि दुनिया का अंत एक ना एक दिन होना तय है। सनातन वेदों में भी लिखा है कि जैसे-जैसे समय बढ़ता है इंसान, जीव अपने आखिरी समय की ओर जाता है, एक समय बाद दुनिया से दूर चला जाता है। इसी तरह कहा जाता है कि एक समय बाद ये दुनिया भी खत्म हो जाएगी। दुनिया के अंत को लेकर कई थ्योरी सामने आई है। वहीं, बाबा वेंगा ने भी कई साल पहले भविष्य को लेकर कई भविष्यवाणी की है। उनकी कुछ भविष्यवाणी सच भी हुई थी. साल 2026 लेकर बाबा वेंगा ने बेहद डरावनी भविष्यवाणी की है। इन भविष्यवाणी में युद्ध, आर्थिक संकट और एलियंस का जिक्र है।

एलियंस से होगी मुलाकात

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी के अनुसार साल 2026 में इंसानों और एलियंस के बीच पहला संपर्क होगा। एक बड़ा अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करेगा, यह साल 2026 नवंबर तक होगा।

आर्थिक तबाही

लैडबाइबल की रिपोर्ट के अनुसार बाबा वेंगा ने साल 2026 के लिए वैश्विक वित्तीय संकट की भविष्यवाणी की है। साल 2026 में डिजिटल और फिजकल दोनों तरह की करेंसी सिस्टम ध्वस्त हो जाएगा। ऐसे में बैंकिंग संकट, करेंसी वैल्यू कमजोर हो जाएगी और बाजार में तरलता में कमी आएगी जिस वजह से चेन रिएक्शन शुरू होगा। एक संकट से दूसरा संकट शुरू होगा। जिस वजह से महंगाई उच्च ब्याज दर और तकनीकी उद्योग में अस्थिरता आ सकती है। वहीं, सोने का रेट आसमान छू जाएगा।

प्राकृतिक आपदाएं

बाब वेंगा की भविष्यवाणी के अनुसार साल 2026 में प्राकृतिक आपदाएं 7 प्रतिशत से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाएंगी। दुनिया के कई हिस्सें में भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट के संकेत देखने को मिलेंगे। जिससे काफी नुकसान होगा इसका सीधा असर इकोसिस्टम पर पड़ेगा।

युद्ध

बाबा वेंगा के अनुसार साल 2026 में बड़े पैमाने पर युद्ध होने की भविष्यवाणी की है। भविष्यवाणी के अनुसार दुनिया की प्रमुख शक्तियां शामिल होगी। बाबा वेंगा की हर भविष्यवाणी की तरह यह भविष्यवाणी भी अस्पष्ट है कि कौन से देश के बीच युद्ध होगा, और कब शुरू होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com